राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण बुधवार 18 जून 2025 वर्ष-8,अंक-119 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हाथों में जैकेट, गले में शॉल, कनाडा में मोदी का भौकाल

खालिस्तानियों के गढ़ में भारत के प्रधानमंत्री का ये रौद्र रूप...

ओटावा/नई दिल्ली (एजेंसी)। एक तरफ जहां जी7 देशों का शिकर सम्मेलन कनाडा में हो रहा है। जहां दुनियाभर के बड़े नेताओं का जमावड़ा हो रहा है। वहीं दूसरी तरफ चरमपंथियों का फेवरेट डिस्टिनेशन बन चुके कनाडा की सड़कों पर खालिस्तानी भारत विरोधी गतिविधियां करते नजर आ रहे हैं। वो पीएम मोदी को धमकी देते और भारत विरोधी रैली निकाल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विमान जब कनाडा के रॉकीज में स्थित रिसॉर्ट कनानास्किस में जी7 नेताओं के शिखर सम्मेलन के आउटरीच सत्र में भाग लेने के लिए कैलगरी में लैंड किया। मोदी का कैलगरी हवाई अड्डे पर औपचारिक स्वागत किया गया। भारत के कार्यवाहक उच्चायुक्त चिन्मय नाइक भी उनका स्वागत करने वालों में शामिल थे। इस दौरान वहां से आई तस्वीरों ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा है। पीएम मोदी जब कनाडा में अपने प्लेन से नीचे उतरते हैं तो उनके हाथों में जैकेट और गले में शॉल नजर आता है। इस दौरान वो उन्हें रिसीव करने आए लोगों से अभिवादन करते नजर आते हैं। खालिस्तानी चरमपंथियों की धमकी और खुलेआम भारत विरोधी रैली के बाद कनाडा की जमीन पर पीएम मोदी का अलग ही स्वैग नजर आता है।

प्रधानमंत्री मोदी सोमवार शाम को यहां पहुंचे और यह एक दशक में मोदी की कनाडा की पहली यात्रा है। प्रधानमंत्री इस दौरान विश्व के नेताओं के साथ मुलाकात करेंगे और ऊर्जा सुरक्षा, प्रौद्योगिकी तथा नवाचार सहित महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे। मोदी ने एक पोस्ट में कहा कि शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए कनाडा के कैलगरी पहुंच गया हूं। शिखर सम्मेलन में विभिन्न नेताओं से मुलाकात करूंगा और महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर अपने विचार साझा करूंगा। ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं पर भी जोर दूंगा। ग्लोबल साउथ' शब्द का इस्तेमाल आम तौर पर आर्थिक रूप से कम विकसित देशों को संदर्भित करने के लिए किया जाता है।

पीएम मोदी के इस समिट में शामिल होने से जहां एक तरफ पाकिस्तान को एक तरफ मिर्ची लग रही है तो वहीं दूसरी तरफ खालिस्तानी भी बौखला गए हैं। इसलिए उन्होंने पीएम मोदी को धमकी दी है। इतना ही नहीं पीएम मोदी के दौरे के बीच खालिस्तानियों ने रोड शो भी निकाल लिया और जमकर देश विरोधी नारे लगाए। खालिस्तानी चरमपंथी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ़ प्रदर्शन करने के लिए अल्बर्टा के कनानास्किस में एकत्र हुए।

कनाडाई पत्रकार डैनियल बोर्डमैन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की यात्रा से पहले, कैलगरी में खालिस्तानी अलगाववादियों के एक समूह ने मोदी विरोधी प्रदर्शन किया, जिसमें कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से मोदी राजनीति को खत्म करने और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से भारत की राजनीति को खत्म करने का आह्वान किया गया। बोर्डमैन ने इस यात्रा को घरेलू राजनीति, व्यापार और देश के चरमपंथ से निपटने के लिए निहितार्थ के साथ एक ÷महत्वपूर्ण÷ विकास के रूप में वर्णित किया। बोर्डमैन ने कहा कि खालिस्तान आंदोलन

भारत-कनाडा संबंधों में एक बड़ी बाधा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि कनाडा में सक्रिय सिख अलगाववादी समूहों के प्रति कनाडा की नरमी, जिन्हें कथित तौर पर पाकिस्तान द्वारा वित्त पोषित किया जाता है, को भारत द्वारा आतंकवाद और बाल्कनीकरण के समर्थन के रूप में देखा जाता है।

भारत की जीडीपी 2025 में 6.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान - एचएसबीसी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एचएसबीसी ग्लोबल प्राइवेट बैंकिंग रिपोर्ट में मंगलवार को कहा गया कि भारत इस साल की तीसरी तिमाही में वैश्विक स्तर पर निवेश के लिए एक उज्ज्वल स्थान बना रहेगा, जिसे मजबूत घरेलू उपभोग, अनुकूल व्यापार गतिशीलता और सहायक मौद्रिक नीति का समर्थन प्राप्त है। साथ ही, भारत की जीडीपी 2025 में 6.2 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है, जिससे यह सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बन जाएगी। एचएसबीसी ने अपने लेटेस्ट इंवेस्टमेंट आउटलुक में कहा कि वह भारतीय इक्विटी और स्थानीय मुद्रा बॉन्ड पर सकारात्मक रुख बनाए रखता है। एचएसबीसी ने अपने लेटेस्ट इंवेस्टमेंट आउटलुक में कहा कि वह भारतीय इक्विटी और स्थानीय मुद्रा बॉन्ड पर सकारात्मक रुख बनाए रखता है।इक्विटी में यह लार्ज-कैप स्टॉक को प्राथमिकता देता है। साथ ही, अधिक घरेलू क्षेत्रों जैसे वित्तीय, स्वास्थ्य सेवाओं और उद्योगों पर ध्यान केंद्रित करने की सलाह देता है। रिपोर्ट में कहा गया है, 'मजबूत घरेलू उपभोग, अनुकूल व्यापार गतिशीलता और अकोमोडेटिव मौद्रिक नीति द्वारा समर्थित भारत की आर्थिक मजबूती 2025 की दूसरी छमाही के लिए एक आशाजनक मंच तैयार करती है।'

सपा प्रमुख अखिलेश का विधानसभा चुनाव पर बड़ा ऐलान

-2027 में इंडिया गठबंधन लड़ेगा यूपी चुनाव

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ(ईएमएस)। अखिलेश यादव ने कहा कि 2027 में इंडिया गठबंधन चुनाव लड़ेगा। इमरान मसूद के बयान पर उन्होंने कहा कि हम इंडिया गठबंधन में हैं। जिसे बाहर जाना है, चला जाए। इमरान मसूद ने कहा था कि आजम खान की बर्बादी पर अखिलेश की जुबां क्यों नहीं खुलती। 2022 में मुसलमानों ने सपा को एकतरफा वोट दिया। फिर भी आप सरकार नहीं बना पाए। सपा प्रमुख ने कहा कि बीजेपी सरकार मंडी नहीं चलाएगी, आपको ऑर्गेनिक वाइन पिलाएगी। आम पर नहीं वाइन पर ध्यान देगी। इनका एजेंडा नौकरी, कारोबार नहीं लोगों को डराना है। बीजेपी के प्रोपेगंडा का मुकाबला कोई नहीं कर सकता। ये लोग फर्जी न्यूज बनाकर बदनाम कर सकते हैं। गुजरात के अहमदाबाद में प्लेन क्रैश की इतना बड़ा हादसा हो गया। मगर किसी जिम्मेदार ने इस्तीफा नहीं दिया। बीजेपी, आरएसएस के वाट्सएप ग्रुप के जरिए लोगों को भ्रमित कर रही है। पीडीए इमोशनल गठबंधन है। पी फॉर पसमांदा समाज भी हमारे साथ है। सपा प्रमुख ने यह बातें लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहीं।

पीएम मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे का ऐतिहासिक कायाकल्प हुआ है : रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

अहमदाबाद (एजेंसी)। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने आज कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय रेलवे ने पिछले 11 वर्षों में एक अभूतपूर्व परिवर्तन देखा है। उन्होंने कहा कि 2014 से पहले दशकों तक रेलवे उपेक्षा का शिकार रहा, जहां मात्र रु. 25-30 हजार करोड़ का वार्षिक निवेश होता था। लेकिन अब यह निवेश बढ़कर रु. 2.5 लाख करोड़ तक पहुंच गया है, जो रेलवे के बुनियादी ढांचे और सुविधाओं के विकास को रफ्तार दे रहा है। वैष्णव ने कहा, रेलवे में वर्षों से जमा हुई लेगेसी समस्याएं अब एक-एक कर समाप्त हो रही हैं। स्टेशन, ट्रेन, शौचालय, ट्रैक, सफाई, तकनीक—हर क्षेत्र में व्यापक सुधार किया गया है। यात्रियों को नई सुविधाएं दी जा रही हैं और इंडस्ट्री के साथ मिलकर एकीकृत विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। वैष्णव ने हरियाणा के मानेसर में मारुति प्लांट में रेलवे साइडिंग सुविधा के उद्घाटन के अवसर पर बोलते हुए प्रमुख घोषणाएं और उपलब्धियां गिनायी।

मौसम विभाग की देश के 14 राज्यों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली सहित देश के कई राज्यों में मौसम का मिजाज बदला है। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे के दौरान देश के 14 राज्यों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी दे दी है। मौसम विभाग ने बताया कि 18 जून के दौरान तमिलनाडु, पुडुचेरी, तेलंगाना, कराईकल, केरल और माहे, लक्षद्वीप, कर्नाटक में तेज हवाओं के साथ भारी बारिश हो सकती है। अलग-अलग स्थानों पर गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज़ हवाएं चलने की संभावना है। वहीं 18 से 20 जून के दौरान गुजरात, कोंकण, गोवा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में गरज के साथ बारिश के आसार हैं। इस दौरान 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। वहीं अगले 24 घंटे के दौरान मध्य प्रदेश, विदर्भ, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों, बिहार, झारखंड, ओडिशा में आंधी-तूफान के साथ बारिश की संभावना है। वहीं, उत्तराखंड, पूर्वी उत्तर प्रदेश में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है। 21 और 22 जून को जम्मू-कश्मीर, लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश में बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने बुधवार तक दिल्ली के लिए येलो अलर्ट जारी किया है, जिसमें गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। साथ ही 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। दिल्ली-एनसीआर में आज भी आसमान में बादल छाए हुए हैं। आज शाम तक हल्की बारिश हो सकती है।

इन राज्यों में भारी बारिश की चेतावनी - केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल, झारखंड, बिहार, सिक्किम, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश हैं।

ईरान-इजराइल टकराव तेज़: मोसाद मुयालय पर मिसाइलें

ट्रंप बोले— सिर्फ परमाणु हथियारों का अंत मंजूर

वाशिंगटन(एजेंसी)। तेहरान और तेल अवीव के बीच चल रहे तनाव ने मंगलवार को नया मोड़ ले लिया, जब ईरान ने इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के एक कथित मुख्यालय पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया। इस हमले के तुरंत बाद क्षेत्रभर में हवाई सुरक्षा अलर्ट जारी कर दिया गया, जबकि इजराइली रक्षा बल (आईडीएफ) ने पश्चिमी तेहरान पर पलटवार करते हुए सटीक और लक्षित हमले जारी रखे हैं।

इसी बीच, जी-7 शिखर सम्मेलन से बीच में ही अमेरिका लौटे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वाशिंगटन में दो-टूक कहा, कि हम सिर्फ सीज़फायर के लिए बात नहीं कर रहे। हमारा लक्ष्य ईरान के परमाणु हथियार कार्यक्रम का पूरी तरह अंत है, इससे कम किसी समझौते पर सहमत नहीं होंगे।

जी-7 के बयान पर ईरान का तीखा पलटवार

जी-7 देशों के संयुक?त वक्तव्य में इजराइल के आत्मरक्षा के अधिकार का

समर्थन किया गया था। ईरान के विदेश मंत्रालय ने इसे पक्षपातपूर्ण और तथ्य-विरोधी बताते हुए कहा कि बयान में हमारे शांतिपूर्ण परमाणु ढाँचे पर इजराइली हमलों और बेगुनाह नागरिकों की हत्या की अनदेखी की गई है। मंत्रालय के प्रवक्ता ने आरोप लगाया कि पश्चिमी देशों का यह रुख आग में घी डालने जैसा है।

ट्रंप ने गबार्ड से असहमति जताई

राष्ट्रपति ट्रंप ने राष्ट्रीय खुफिया निदेशक तुलसी गबार्ड के उस आकलन से असहमति जताई, जिसमें उन्होंने कहा था कि ईरान को अभी परमाणु बम बनाने में समय लगेगा। ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, जब इजराइल ने हाल ही में कार्रवाई की, तब तेहरान बम बनाने के बिलकुल करीब था। यह ख़तरा अस्वीकार्य है। ट्रंप ने यह भी स्पष्ट किया कि वाशिंगटन ने अब तक ईरान से किसी सीज़फायर प्रस्ताव पर संपर्क नहीं किया है। अगर उन्हें बात करनी है, तो वे खुद हमसे राब्ता करें। उन्होंने कहा, पहले जो डील पेश की गई थी, उसे मान लेते तो कई जानें बच जातीं।

इलाके में युद्ध जैसा माहौल

तेहरान के पश्चिमी इलाक़े में हमलों के बाद स्थानीय निवासियों ने धमाकों और एंटी-एयरक्राफ्ट सायरनों की आवाज़ें सुनने की पुष्टि की है। सरकारी मीडिया के अनुसार ईरानी सुरक्षा बलों ने अधिकांश इजराइली मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया। वहीं दूसरी तरफ इजराइली सैन्य सूत्रों के हवाले से बताया जा रहा है कि मोसाद परिसर पर ईरानी मिसाइलों से आंशिक क्षति हुई है, लेकिन गुप्त संचालन बुनियादी ढाँचा सुरक्षित है। इस बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का आपात सत्र बुलाने की माँग बढ़ रही है।

ईरान में फंसे 10 हजार भारतीयों को जल्द किया जाएगा एयरलिफ्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इस बारे में अपने आर्मेनियाई समकक्ष अरारात मिर्जोया से बात की है। वहीं, एक सूत्र ने बताया कि शिराज और इसफहान से छात्रों को याज्द में शिफ्ट किया जा रहा है। भारतीय विदेश मंत्रालय के मुताबिक इंडियन एंबेसी तेहरान में हालात पर पूरी तरह से नजर रखे हुए है। इसके अलावा भारतीय छात्रों की सुरक्षा का भी पूरा ख्याल रखा जा रहा है। कुछ मामलों में छात्रों को एंबेसी के सुरक्षित ठिकानों पर रखा जा रहा है। इसके अलावा अन्य जगहों की भी तलाश की जा रहा है। जल्द ही ईरान में फंसे 10 हजार भारतीयों को एयरलिफ्ट किया जा सकता है।

इस बीच भारतीय दूतावास ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर एक गूगल फॉर्म उपलब्ध कराया। सभी भारतीय नागरिकों से इसे भरकर अपना विवरण देने को कहा है। इसमें कहा गया है कि कृपया याद रखें, घबराने की जरूरत नहीं है, सावधानी बरतें और तेहरान में भारतीय दूतावास से संपर्क बनाए रखें। दूतावास ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि कृपया ध्यान दें कि यह टेलीग्राम लिंक केवल उन भारतीय नागरिकों के लिए है, जो वर्तमान में ईरान में हैं। भारतीय दूतावास ने आपात स्थिति के लिए कुछ फोन नंबर भी जारी

किए हैं। इधर, भारत सरकार ने कहा है कि वह इन छात्रों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह से तैयार है। ईरान में फिलहाल करीब 10 हजार भारतीय हैं, जिनमें 6000 छात्र हैं। इसमें से करीब 600 छात्रों को तेहरान से कौम की तरफ रीलोकेट किया जा चुका है। इसके अलावा 110 छात्र उर्मिया से आर्मेनिया सीमा की तरफ जा चुके हैं। इन लोगों को जल्द से जल्द वहां से निकाल लिया जाएगा। विदेश मंत्री जयशंकर ने यूएई के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जाएद अल नाह्यान से भी बात की है। इन दोनों के बीच पश्चिमी एशिया में हालात को लेकर बात हुई। श्रीनगर से मिली रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान की विभिन्न यूनिवर्सिटीज में पढ़ाई करने वाले कश्मीरी छात्र वहां पर फंसे हुए हैं।

पाकिस्तान की ओर बहती नदियों का पानी पंजाब, हरियाणा, राजस्थान में होगा डायवर्ट

* 113 किमी लंबी नहर बनाकर रोका जाएगा सिंधु का पानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत 113 किलोमीटर लंबी नहर के निर्माण की संभावना पर गौर कर रहा है, जिससे सिंधु जल का पानी रोककर भारत के 3 राज्यों पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में भेजा जा सके। यह कदम सिंधु जल संधि के तहत भारत के हिस्से के जल का बेहतर इस्तेमाल के लिए उठाया गया है। साल 1960 में यह संधि हुई, जिसमें भारत और पाकिस्तान के बीच 6 नदियों (सिंधु, झेलम, चिनाब, रावी, ब्यास और सतलुज) के पानी के बंटवारे का प्रावधान है। भारत अब पश्चिमी नदियों (झेलम, चिनाब और सिंधु) के अतिरिक्त जल को नहरों के जरिए उपयोगी क्षेत्रों में ले जाना चाहता है, जो फिलहाल पाकिस्तान की ओर बहती हैं।

सूत्रों के अनुसार, यह प्रोजेक्ट अभी शुरुआती चरण में है। इसकी संभावना को लेकर रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इस परियोजना के तहत चिनाब को रावी-ब्यास-सतलुज से जोड़ने वाली नई नहर बनाई जाएगी, जिसके अगले तीन वर्षों में पूरा होने की उम्मीद है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को मध्य प्रदेश में भाजपा प्रशिक्षण सत्र के दौरान अहम बयान दिया था। उन्होंने कहा कि अगले तीन वर्षों में सिंधु का जल राजस्थान के गंगानगर तक नहरों के जरिए पहुंचाया जाएगा, जिससे पाकिस्तान पानी की हर बूंद के लिए तरसेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रस्तावित नहर को यमुना से जोड़ने का भी प्लान है। इससे नहर की लंबाई 200 किलोमीटर हो सकती है।

हम भाषाओं को लेकर कैसे विभाजित हो सकते हैं? : जगदीप धनखड़

पुडुचेरी (एजेंसी)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को पांडिचेरी विश्वविद्यालय में सवाल किया कि हम भाषाओं को लेकर कैसे विभाजित हो सकते हैं? उपराष्ट्रपति पांडिचेरी विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं।अपने सम्बोधन में धनखड़ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को अक्षरशः लागू करने की वकालत की है। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति भारत के शिक्षा क्षेत्र में बड़ा बदलाव लाएगी और इससे देश के विकास को भी गति मिलेगी। उपराष्ट्रपति ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को न लागू करने वाले राज्यों से अपील करते हुए कहा कि वे इसे लागू करें। ये नीति महत्वपूर्ण बदलाव लाएगी।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने

पांडिचेरी विश्वविद्यालय में कहा कि पिछले दशक में अभूतपूर्व विकास के कारण भारत दुनिया का सबसे महत्वाकांक्षी राष्ट्र है। उपराष्ट्रपति ने सवाल किया कि हम भाषाओं को लेकर कैसे विभाजित हो सकते हैं? उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि दुनिया में मौजूद कोई भी देश भाषाओं के मामले में भारत की तरह समृद्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि संसद में भी सदस्यों को 22 भाषाओं में बोलने की इजाजत है। भारत की भाषाएं समावेशिता का संकेत देती हैं। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि हमें गंतव्य को देखना चाहिए, भविष्य को ध्यान में रखना चाहिए और तूफान से उबरना चाहिए।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति को दुनिया की सबसे अच्छी पॉलिसी बताया है। उन्होंने कहा कि ये नीति छात्रों को प्रतिभा और क्षमता का पूरा इस्तेमाल करने के साथ ही आगे बढ़ने और समय का सही इस्तेमाल करने का मौका देती है। उपराष्ट्रपति ने कार्यशालाओं का आयोजन कर के छात्रों को इस नीति के बारे में पूरी तरह से अवगत कराने की भी जरूरत पर जोर दिया है। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने सोमवार को विश्व शांति की स्थापना पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसी भी देश की प्रगति के लिए शांति आवश्यक है। यह मजबूत स्थिति से आती है। पुडुचेरी में उपराष्ट्रपति ने जवाहरलाल स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान (जेआईपीएमईआर) के छात्रों और कर्मचारियों को संबोधित किया।

मंगलवार को एक विमान की आपात लैंडिंग, एक उड़ान बीच में ही रद्द

कोलकाता/नई दिल्ली (एजेंसी)। अहमदाबाद विमान हादसे के बाद से लगातार विभिन्न विमानों में तकनीकी दिक्कतों की बात सामने आ रही है। मंगलवार को भी इंजन में खराबी के चलते एक उड़ान को बीच में ही रद्द करना पड़ा तो वहीं एक अन्य विमान की बम की धमकी के बाद आपात लैंडिंग कराई गई। एयर इंडिया के सैन फ्रांसिस्को से मुंबई जा रहे विमान के इंजन में तकनीकी खराबी आने के बाद कोलकाता हवाई अड्डे पर उसके निर्धारित ठहराव के दौरान सभी यात्रियों को विमान से उतार लिया गया। सूत्रों के अनुसार उड़ान संख्या एआई 180 कोलकाता हवाई अड्डे पर रात पौने एक बजे पहुंची।

इसे दो बजे वापस मुंबई के लिए उड़ान भरनी थी लेकिन विमान के बाएं इंजन में तकनीकी खराबी के चलते इसकी उड़ान को रद्द कर दिया गया और सुबह 5.20 बजे विमान से सभी यात्रियों को उतार लिया गया। यात्रियों को बार-बार थोड़ी देर में उड़ान भरने का आश्वासन दिया जाता रहा लेकिन आखिर में उड़ान को रद्द करना पड़ा। इसके बाद हवाई अड्डे पर यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और उन्होंने किसी अन्य उड़ान से जल्द से जल्द मुंबई भिजवाने की मांग की। आखिर में मुंबई की अधिकांश फ्लाइट पहले से भरी होने के चलते यात्रियों को होटल में रुकने के लिए राजी किया गया। वहीं, एयर इंडिया की अहमदाबाद से लंदन जाने वाली उड़ान को मंगलवार को परिचालन संबंधी दिक्कतों का हवाला देते हुए रद्द कर दिया गया। एयर इंडिया की आधिकारिक वेबसाइट पर इसकी जानकारी दी गई। एयर इंडिया ने विमान हादसे के बाद सोमवार को ही अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान बहाल की थी। पहले इस उड़ान का कोड एआई-171 था जिसे हादसे के बाद बदलकर एआई-159 कर दिया गया है।

वेबसाइट पर दी गई जानकारी के अनुसार दोपहर तीन बजे लंदन के लिए निर्धारित उड़ान को परिचालन संबंधी दिक्कतों के चलते रद्द कर दिया गया है। हालांकि अधिकारियों ने परिचालन संबंधी समस्याओं के बारे में विस्तार से नहीं बताया। बम की धमकी के बाद नागपुर हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग कराई इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 2706 को बम की धमकी मिलने के बाद मंगलवार को नागपुर हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग करानी पड़ी। विमान मस्कट से कोच्चि होते हुए दिल्ली जा रहा था। कोच्चि से उड़ान भरने के बाद बम की धमकी मिलने पर विमान की नागपुर हवाई अड्डे पर आपात लैंडिंग कराई गई।

पुलिस उपायुक्त लोहित मतानी ने बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं। विमान की शुरुआती जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला है। आगे की जांच जारी है। कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे द्वारा जारी बयान के अनुसार उनकी आधिकारिक ईमेल पर बम की धमकी दी गई थी। विमान में 157 यात्री व 6 क्रू सदस्य सवार थे। वायु विक्षोभ के बीच लखनऊ में सुरक्षित उतरा विमान इंडिगो के गोवा से लखनऊ जा रहे विमान को वायु विक्षोभ के बीच लखनऊ पर सुरक्षित उतार लिया गया। एयरलाइन ने मंगलवार को एक बयान में बताया कि 16 जून को उत्तर गोवा से लखनऊ तक इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई 6811 को पश्चिमी भारत में सक्रिय मानसून के कारण कुछ देर के लिए वायुमंडलीय

विक्षोभ का सामना करना पड़ा। उसने कहा कि ऐसी स्थिति से निपटने के लिए प्रशिक्षित विमान के पायलट और चालक दल ने स्थापित प्रोटोकॉल का पालन किया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

इजरायल-ईरान युद्ध में परमाणु हथियारों की चर्चा पर दुनियाँ सहमी

साथियों बात अगर हम इजरायल ईरान युद्ध की करें तो दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच चुकाहै,इजरायल और ईरान के बीच 13-14 जून 2025 को शुरू हुआ सैन्य टकराव अब खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है, इजरायल की ओर से तेहरान में परमाणु सुविधाओं और सैन्य ठिकानों पर किए गए हवाई हमलों ने ईरान को भारी नुकसान पहुंचाया,जबकि ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इजरायल के तेल अवीव, हाइफा और बेन गुरियन एयरपोर्ट पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन हमले किए।

(लेखक- किशन सनमुखदास भावनानी)

वैश्विक स्तरपर वर्तमान समय में दो दो देशों में बहुत लंबे समय से चल रहे युद्ध के पीछे चल रही ताकतों को सब जानते हैं, क्योंकि कोई भी देश के लिए सिर्फ अपने अकेले के बल पर इतनी ताकत से लंबी लड़ाई लड़ना संभव नहीं है, हालांकि सब जानते हैं कि इन युद्धों के पीछे कौन सी ताकत है खड़ी है? मेरा मानना है कि इन ताकतों को अपने स्टेटस को छोड़कर, दो-दो कदम आगे पीछे होकर मामला उलझा कर युद्ध विराम को प्राथमिकता देना जरूरी है,वरना किसी भी देश ने परमाणु वेपंस के इस्तेमाल की शुरुआत की तो लपेटेमें पूरी दुनियाँ आ जाएगी, जिसका परिणाम हिरोशिमा नागासाकी से भी भयंकर आने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता इसलिए मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र से इस आर्टिकल के माध्यम से पर्दे के पीछे सभी देशों, गुटों से अनुरोध करना चाहूंगा कि वह अंध समर्थन बंद कर सुलह का रास्ता निकालकर इजरायल- ईरान- हमास, रूस-यूक्रेन सहित अनेकों देशों में आपसी टकराव को सुलझाने के लिए आगे आए ताकि पूरी दुनियाँ एक जंग का अखाड़ा ना बन सके, क्योंकि कुछ देश खुलकर समर्थन में आ रहे हैं तो कुछ देशों ने पर्दे के पीछे समर्थन देकर लड़ाई करने वाले देशों को बढ़ावा दे रहे हैं, मेरा मानना है इसे बंद कर शांति की ओर कदम बढ़ाना चाहिए। हमारे पीएम साहब भी हमेशा यही अपील करते रहते हैं। परमाणु वेपंस का उपयोग हुआ तो मेरे विचार से पूरी दुनियाँ दहल जाएगी। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, इजरायल ईरान सैन्य टकराव खतरनाक मोड़ पर पहुंच?दुनियाँ दो गुटों में बंटने की ओर बढ़ी, तीसरे विश्व युद्ध की आहट?

साथियों बात अगर हम इजरायल ईरान युद्ध की करें तो दोनों देशों के बीच तनाव चरम पर पहुंच चुकाहै,इजरायल और ईरान के बीच 13-14 जून 2025 को शुरू हुआ सैन्य टकराव अब खतरनाक मोड़ पर पहुंच चुका है, इजरायल की ओर से तेहरान में परमाणु सुविधाओं और सैन्य ठिकानों पर किए गए हवाई हमलों ने ईरान को भारी नुकसान पहुंचाया,जबकि ईरान ने जवाबी कार्रवाई में इजरायल के तेल अवीव, हाइफा और बेन गुरियन एयरपोर्ट पर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन हमले किए। इजरायल और ईरान के बीच जारी संघर्ष हर बीतते घंटे के साथ और बढ़ता जा रहा है,सोमवार देर शाम को इजरायल ने एक बार फिर मध्य ईरान पर हवाई हमले किए, इधर ईरान ने भी इजरायल पर अब तक लगभग 400 बैलेस्टिक मिसाइलें दागने का दावा किया है, वहीं एक न्यूज से इजरायल के पीएम ने कहा है कि खामेनेई के खात्मे के साथ ही क्षेत्र में शांति आएगी। इजराइल और ईरान के बीच लगातार चौथे दिन संघर्ष जारी है। इजराइल ने सोमवार शाम सेंट्रल ईरान पर फिर से एयरस्ट्राइक की। इजराइल एयरफोर्स ने ईरानी की राजधानी तेहरान में नेशनल टीवी न्यूज चैनल इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान ब्रॉडकास्टिंग की बिल्डिंग पर बम गिराए घटना के समय टीवी एंकर लाइव शो होस्ट कर रही थी। वह बम धमाके में बाल-बाल बच गई। घटना का वीडियो भी सामने आया, जिसमें एंकर को स्टूडियो से भागते हुए देखा गया। साथियों बात अगर हम इजरायल -ईरान के भयावह होते युद्ध को हम 10 प्वाइंटों में समझने की करें तो (1) इजरायल और ईरान के बीच तनाव चरम पर है और दोनों देशों के बीच युद्ध जारी है,इजरायल ने ईरान पर बड़ा हमला किया, जिसमें ईरान के परमाणु ठिकानों और सैन्य प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया गया. ईरान ने इजरायल के हमले का जवाब देने के लिए ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस लॉन्च किया है, इसके तहत ईरान ने इजरायल पर 100 से अधिक बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, इजरायल की सेना ने अपने नागरिकों से आग्रह किया है कि वे सुरक्षित स्थानों पर शरण लें, (2) वहीं, रविवार को एक बार फिर इजरायल के आसमान में ईरानी मिसाइलों की बौछार हुई, जबकि दोनों देशों के बीच संघर्ष जारी है, इजरायल की सेना ने कहा कि ईरान की मिसाइलें आ रही हैं, यरुशलम में सायरन की आवाजें सुनाई दे रही हैं, जबकि कई वीडियो में तेल अवीव और यरुशलम के आसमान पर मिसाइलें दिखाई दे रही हैं और उनमें से कई को इजरायल की वायु रक्षा प्रणाली द्वारा रोक दिया गया है,(3) ईरान ने शिराज शहर से इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइलों की बारिश कर दी है, जिससे उत्तर में हाइफा से लेकर दक्षिण में ईलाट तक लगभग पूरे इज़राजल में रेड अलर्ट जारी किया गया. तेल अवीव, यरुशलम, बेयर शेवा, हाइफा और दर्जनों अन्य शहरों में हवाई हमले के सायरन की आवाज सुनी गईं, (4) सेना ने कहा है कि ईरानी मिसाइलों की बौछार से इजरायल में कई जगहों पर हमला हुआ है. आरटी इंटरनेशनल की एक पोस्ट के अनुसार, ईरान के हमलों के बाद हाइफा शहर में भीषण आग देखी गई,इसने अनाम इजरायली अधिकारियों के हवाले से बताया कि अब तक इस हमले में चार लोग घायल हुए हैं, (5) ईरान में भी नज़ारा कुछ अलग नहीं है. तेहरान से आई तस्वीरों में रात के समय आसमान में ईंधन डिपो में लगी आग की लपटें दिखाई दे रही हैं। यह आग इजरायल द्वारा ईरान के तेल और गैस क्षेत्र पर हमले शुरू करने के बाद लगी है, इससे वैश्विक अर्थव्यवस्था और ईरानी राज्य के कामकाज पर खतरा बढ़ गया है।(6) ईरान ने शनिवार की देर रात तेल अवीव द्वारा ईरानी परमाणु संयंत्रों, मिसाइल कारखानों और सैन्य कमांड केंद्रों पर किए गए हमले के जवाब में इजरायल के हाइफा पोर्ट और पास की एक तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया, हवाई हमलों में शीर्ष सैन्य कमांडर और परमाणु वैज्ञानिक मारे गए। (7) हाइफा शहर के स्काईलाइन पर मिसाइलें नजर आईं, जिससे वहां के लोग दहशत में थे, ईरान लगातार बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन से हमला करता रहा और इजरायल का एयर डिफेंस सिस्टम आयरन डोम इन मिसाइलों को हवा में ही इंटरसेप्ट करने में जुट गया,(8) पोर्ट पर रासायनिक टर्मिनल में छर्रे गिरे और कुछ अन्य मिसाइल तेल रिफाइनरी पर गिरे, लेकिन पोर्ट की सुविधाओं को कोई नुकसान नहीं हुआ, बताया जाता है कि रिफाइनरी पोर्ट से कुछ दूरी पर है, हाइफा पोर्ट उत्तरी इजरायल में स्थित एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय पोर्ट है, जो दक्षिण की तुलना में अपेक्षाकृत कम अस्थिर क्षेत्र है. यह देश के आयात और निर्यात दोनों के लिए एक महत्वपूर्ण पोर्ट है, (9) ईरान द्वारा लगातार दूसरी रात इजरायल पर बैलिस्टिक मिसाइल दागे जाने के बाद तनाव में वृद्धि हुई है. ईरानी सरकारी मीडिया ने दावा किया है कि हाइफा तेल रिफाइनरी पर सीधा हमला हुआ है, जिससे उत्तरी पोर्ट शहर के पास भीषण आग लग गई, मिसाइल हमला हाइफा के पास तमरा में एक आवासीय इमारत पर हुआ, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई और कम से कम 14 अन्य घायल हो गए,(10) इजरायल और ईरान ने रविवार रात को एक-दूसरे पर फिर से हमले किए, जिसमें कई लोग मारे गए। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि संघर्ष को आसानी से समाप्त किया जा सकता है, उन्होंने तेहरान को किसी भी अमेरिकी लक्ष्य पर हमला न करने की चेतावनी भी दी, वहीं, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि ईरान में हुए हमलों में वाशिंगटन का कोई हाथ नहीं है. हालांकि, तेहरान ने इजरायली हमले में अमेरिका का हाथ होने का आरोप लगाया है और रविवार को ओमान में होने वाली परमाणु वार्ता रद्द कर दी है।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि इजरायल ईरान सैन्य टकराव खतरनाक मोड़ पर पहुंचा- दुनियाँ दो गुटों में बटनें की ओर बढ़ी- तीसरे विश्व युद्ध की आहट? इजरायल-ईरान युद्ध में परमाणु हथियारों की चर्चा पर दुनियाँ सहमीं इजरायल-ईरान दोनों के पीछे खड़ी ताकतों द्वारा अंधा समर्थन बंद कर,समझौते से युद्ध विराम करना जरूरी, वरना यह आग मिडल ईस्ट से पूरी दुनियाँ में फैलेगी।

(-संकलनकर्ता लेखक - कर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यम सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र)

संपादकीय

तालिबानी मंसूबे

सोशल मीडिया पर सक्रिय लोगों को ट्रोल करने और धमकी देने की घटनाओं में हाल के दिनों में चिंताजनक स्तर तक तेजी आई है। लेकिन असहमति और विरोध की सीमा यदि जान लेने की हद तक जा पहुंचती है तो किसी सभ्य और लोकतांत्रिक समाज के लिये यह गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। कहीं न कहीं देश में कठोर नियामक व्यवस्था का न होना भी ऐसी प्रवृत्तियों को बढ़ावा देता है। हालिया घटनाक्रम में बंठिडा की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर कंचन कुमारी, जिन्हें कमल कौर भाभी के नाम से भी जाना जाता है, की निर्मम हत्या कर दी गई। यह हत्या हमें इस बात की याद दिलाती है कि कथित नैतिकता के नाम पर मोरल पुलिसिंग, जो कभी ऑनलाइन ट्रोलिंग तक सीमित थी, अब हिंसक आपराधिकता में बदल गई है। इस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की हत्या को अंजाम देने वाला कथित मास्टरमाइंड अमृतपाल सिंह मेहरोन, कथित तौर पर कौम दे राखे नामक एक कट्टरपंथी समूह का प्रमुख बताया जाता है। जिसने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर इस सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर द्वारा प्रसारित की गई सामग्री को कथित तौर पर अनैतिक कृत्य के रूप में दर्शाते हुए हत्या को सही ठहराने का प्रयास किया है। इतना ही नहीं, हत्याकांड के बाद संयुक्त अरब अमीरात भागने के बाद हत्या को सही ठहराते हुए, एक वीडियो को जारी करना, संकीर्ण मानसिकता का दुस्साहस ही दर्शाता है। निस्संदेह, यह मामला संकीर्णता के पोषक और कट्टरपंथी तत्वों की सोच से अलग नहीं है। यह उस दुराग्रही सोच की कड़ी का ही हिस्सा है, जो हिंसा और धमकियों के माध्यम से महिलाओं की अभिव्यक्ति पर सोशल पुलिसिंग के जरिये शिकंजा कसने की कोशिश में रहती है। गाहे-बगाहे देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग समूहों द्वारा ऐसे कृत्यों को अंजाम दिया जाता रहा है। पिछले दिनों बेंगलुरू में भी एक महिला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर को केवल उसके पहनावे को अभद्र बताते हुए एसिड हमले की धमकी दी गई। इस धमकी भरे वीडियो के वायरल होने के बाद उस व्यक्ति को उसके नियोक्ता ने नौकरी से निकाल दिया। यह विडंबना ही है कि कभी ऐसे मामले पाकिस्तान व अफगानिस्तान में महिला सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों को लेकर सामने आते थे। अब भारत में कथित सांस्कृतिक शुचिता व नैतिकता के नाम पर ऐसे हमले किए जा रहे हैं। एक अन्य खतरनाक घटना में, एक लोकप्रिय यूट्यूब शो में दिखाई देने वाली एक डिजिटल निर्माता अपूर्वा मुखीजा को बलात्कार और जान से मारने की ऑनलाइन धमकी दी गई। इस पर राष्ट्रीय महिला आयोग ने हस्तक्षेप करते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की। निस्संदेह, इन घटनाक्रमों का पैटर्न स्पष्ट है। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसरों, विशेष रूप से महिलाओं को कथित सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण के नाम पर तेजी से निशाना बनाया जा रहा है। सवाल उठता है कि उनके इन मूल्यों को कौन परिभाषित करता हैज और किसने उन्हें इस सतर्कता को लागू करने का अधिकार दियाज बठिंडा की दुर्भाग्यपूर्ण घटना की पंजाब महिला आयोग ने निंदा करके सही कदम उठाया है, लेकिन केवल आधिकारिक निंदा पर्याप्त नहीं है। कानून प्रवर्तन एजेंसियों को ऐसे मामलों को सुनियोजित अपराधों के रूप में दर्ज करना चाहिए, जो हमारे सामाजिक ताने-बाने को खतरा पहुंचाते हैं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों को भी इस दिशा में जिम्मेदारी उठानी चाहिए कि वे समय रहते सोशल मीडिया के दुरुपयोग रोकें व घृणास्पद सामग्री को अपने प्लेटफॉर्म से हटाएं। साथ ही सोशल मीडिया का दुरुपयोग करने वाले तत्वों पर कड़ी नजर रखें। किसी भी लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी एक अपरिहार्य अंग है। निश्चित रूप से अभिव्यक्ति की आजादी की अपनी सीमाएं भी हैं।

ईरान-इजरायल युद्ध से दुनिया के सामने नई चुनौती

(लेखक- ललित गर्ग)

इजरायल ने ईरान के 'परमाणु कार्यक्रम ठिकानों' पर अचानक हमला करके न सिर्फ दुनिया को चौंका दिया है बल्कि पश्चिमी एशिया के पूरे क्षेत्र को अनिश्चितता, भय, अशांति एवं संकट के भंवर में डाल दिया है। ईरान जवाबी कार्रवाई करते हुए इजरायल को करारा जवाब दे रहा है। जहां इस्राइल इन हमलों को अपने अस्तित्व को बचाने की कार्रवाई बता रहा है, वहीं ईरान जवाबी कार्रवाई कर शीघ्र बदला लेने की बात कर रहा है। लेकिन इन दो राष्ट्रों के संघर्ष एवं युद्ध में समूची दुनिया पीस रही है। एक और युद्ध से दुनिया में विकास का रथ थमेगा, महंगाई बढ़ेगी, तेल के दाम आसमान छूने लगेंगे, व्यापक जनहानि होगी। युद्ध कभी भी किसी के हित में नहीं होता, आखिर समझौते के लिये टेबल पर बैठना ही होता है, तो पहले ही टेबल पर क्यों न बैठा जाये? विनाश एवं सर्वनाथ करने के बाद युद्ध विराम करना कैसे बुद्धिमत्ता है?

इजरायल ने ईरान के खिलाफ अपनी कार्रवाई को ऑपरेशन राइजिंग लायन नाम दिया है, जो बताता है कि यह अपने आप में महज एक कार्रवाई नहीं बल्कि नया सिलसिला हो सकता है। हमलों का व्यापक एवं विनाशकारी रूप भी इसकी गंभीरता को स्पष्ट कर देता है। कम से कम छह राउंड में किए गए हवाई हमलों के तहत ईरान के परमाणु कार्यक्रम ठिकानों को निशाना बनाया गया। यही नहीं, ईरान के सबसे बड़े सैन्य अधिकारी इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड्स कॉर्प्स के चीफ हुसैन सलामी के भी मारे जाने की खबर है। ईरान ने तो जवाबी कार्रवाई का इरादा जता ही दिया है, खुद इजरायल सरकार ने भी अपने नागरिकों से अगले कुछ दिन घरों के अंदर रहने और खाने-पीने का सामान इकट्ठा कर लेने को कहा है। इजरायली कार्रवाई के वैश्विक दुष्प्रभावों का संकेत इसी एक तथ्य से मिल जाता है कि पहले हमले के कुछ घंटों के अंदर अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 13 प्रतिशत बढ़ गईं। दुनिया के शैयर बाजार धराशायी हो गये हैं। इसमें दो राय नहीं कि इजरायल लंबे समय से कहता रहा है कि ईरान को परमाणु हथियार विकसित करने से हर हाल में रोका जाए और जरूरी हो तो उसके लिए बल प्रयोग से भी हिचका न जाए। उसका कहना है कि ईरान इस स्थिति में आ गया था कि कुछ दिनों के अंदर 15 परमाणु बम बना सकता था। एक भयानक संशय का वातावरण बना हुआ है। पहले रूस-यूक्रेन, इजरायल-हमाम, कुछ समय भारत-पाक और अब इजरायल-ईरान के बीच युद्ध की स्थितियां बनना विश्व युद्ध की संकटपूर्ण स्थितियों को बल दे रही है। संशय से भरा हुआ आदमी प्रेम एवं मानवीयता से खाली होता है। पारस्परिक स्नेह, सद्भाव, सौहार्द और विश्वास के अभाव में उसका संदेहशील मन सदैव युद्ध, हिंसा, सुरक्षा के साधन जुटाने में संलग्न रहता है। उसका मन कभी निर्भय नहीं होता, वृत्तियां शान्त नहीं होतीं, संग्रह उसके सुख, संतोष और शांति को सुरसा बन लील जाता है। जिसने परमाणु-शस्त्रों के निर्माण और फैलाव से विश्व को तनाव और संत्रास का वातावरण दिया, अनिश्चय और असमंजस की विकट स्थिति दी, उसने विश्व शांति के धरातल छिन लिया है। इन विनाशकारी स्थितियों में मानवीय सहृदयता, सहिष्णुता और सह-अस्तित्व की भावना को कैसे अक्षुण्ण रखा जा सकता है? अभय का वातावरण, शुभ की कामना और मंगल का फैलाव कर तीसरी दुनिया को विकास के समुचित अवसर और साधन देने की संभावनाएं कैसे बलशाली बन सकती है? मनुष्य के भयभीत मन को युद्ध की विभीषिका से मुक्ति देना वर्तमान की बड़ी जरूरत है। क्योंकि वर्तमान युद्ध की जटिल से जटिलतर होती परिस्थितियों को देखें तो यह पश्चिम एशिया से लेकर दक्षिण एशिया और समग्र वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए बहुत खतरनाक समय है। यदि अन्य देश भी इस संघर्ष में खेमेबाजी का शिकार होकर जुड़ते गए तो यह खतरा कई गुना बढ़ जाएगा। अच्छी बात यही है कि अभी तक तो ऐसा कुछ नहीं हुआ है। भारत के लिए बेहतर यही होगा कि शांति एवं कूटनीतिक विकल्पों की वकालत करता रहे, लेकिन उसे खुद भी किसी भी प्रकार की स्थितियों के लिए तैयार रहना होगा। दुनिया में पहले से ही काफी उथल पुथल मची हुई है। अरब देश संघर्ष लंबा खिंचने पर क्या रूख अख्तियार करते हैं। मुस्लिम देशों की जनता में यह सोच पहले से है कि यहूदी सरकार मुस्लिमों पर अत्याचार कर रही है। ऐसे में उनके लिए भी अपनी जनता की भावनाओं को नियंत्रित करना आसान नहीं होगा। वहीं इजरायल के सामने भी एक बड़ी चुनौती है कि अगर उसने संघर्ष शुरू किया है तो वह ईरान के खतरे को हमेशा के लिए खत्म करे। ऐसे में इजरायल का सैन्य अभियान लंबा चल सकता है। वह लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध को जारी रख सकता है। इसके लिए ईरान की सत्ता में बदलाव या राजनीतिक नेतृत्व को खत्म करना होगा। यहां अमेरिका का समर्थन अहम होगा। बेहतर होगा दुनिया को भारी नुकसान से बचाने के लिये पूतिन एवं ट्रंप युद्ध की आग बुझाने की कोशिश करें। उनका आपस का दोस्ताना संवाद फिलहाल दुनिया के लिये अकेली उम्मीद की किरण है, हालांकि यूरोपीय संघ को और विशेषतः चीन कुछ हद तक यह अच्छा नहीं लगेगा। लेकिन युद्ध के अंधेरों एवं शांति के उजालों के लिये यही एक रास्ता है। ईरान पर इजरायल के हमले ने पहले से युद्धरत एवं अस्थिर दुनिया को अधिक वैश्विक संघर्ष की ओर ढकेल दिया है। ईरान भी अपनी पूरी क्षमता के साथ इजरायल पर मिसाइलों से हमला कर रहा है। उधर, इजरायल इस बात पर अड़ा है कि जब तक वह ईरान की परमाणु बम बनाने की क्षमता और मिसाइलों के जखीरे को खत्म नहीं कर देता है तब तक हमले जारी रहेंगे। अगर यह संघर्ष लंबा खिंचता है तो सिर्फ दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा। आगे चलकर इसमें अमेरिका, चीन और रूस जैसी बड़ी शक्तियां शामिल हो सकती हैं।

रूस-यूक्रेन युद्ध से दुनिया पहले ही दो खेमों में बंटी दिख रही है। ईरान ऐसी जगह पर हैं, जहां से वह बहुत सीमित संसाधनों के साथ समुद्र से होने वाले वैश्विक व्यापार को बाधित कर सकता है। इससे ग्लोबल सप्लाई चेन चरमरा सकती है, विश्व व्यापार ठप्प हो सकता है और विश्व में तेल आपूर्ति का संकट पैदा हो सकता है।

इजरायल ईरान को अपने अस्तित्व के लिए खतरा मानता है। खासकर उसे लगता है कि अगर ईरान ने परमाणु बम बना लिया तो उसके लिए बहुत बड़ा खतरा पैदा हो जाएगा। यह खतरा इजरायल के साथ अन्य देशों के लिये भी होगा।

(चिंतन- मनन)

संत की उदारता

विख्यात संत एकनाथ जी 12 वर्ष की अवस्था में ही अपने गुरु जनार्दन स्वामी के पास देवगढ़ पहुंच गए थे। गुरु ने उन्हें आश्रम के हिसाब-किताब का काम सौंप दिया। एक दिन जब एकनाथ जी ने हिसाब और रोकड़ का काम किया तो एक पाई की कमी नजर आई। खूब सोचने के बाद आखिरकार उन्हें आधी रात को एक पाई का हिसाब मिल गया तो उन्होंने उसी समय अपने गुरुजी को जाकर यह बात बताई। इस पर गुरु हंसे फिर बोले- बेटा! एक पाई की भूल मिलने से तुम इतने प्रसन्न हो और इस संसार के मायाजाल जैसी महाभूल को अपनाए हुए हो। इस पर कभी सोचा है?

यह सुनते ही एकनाथ जी के भीतर वैराग्य जागा और दुनिया के कामकाज से उनका मोहभंग हो गया। उन्होंने उसी समय सब कुछ छोड़ देने का फैसला किया। वे अपने गुरु से दीक्षा लेकर पर्वत पर जाकर तपस्या करने लगे। तपस्या के बाद वे अपनी जन्मभूमि के निकट पिपलेश्वर महादेव में रहने लगे। पर थोड़े ही समय बाद वे विवाह कर गृह संन्यासी बन गए। एकनाथ जी ने गुरू के आदेश का पालन किया। विवाह के बाद उनके घर में नित्य कीर्तन होता और अन्न वितरण किया जाता। एक दिन कीर्तन में कुछ चोर आ गए। उन्होंने घर का सभी सामान समेट लिया। फिर उन्होंने देवमूर्ति के आभूषण चुराने का प्रयास किया। वहीं एकनाथ जी ध्यानमग्न बैठे थे। उन्होंने चोरों से कहा- तुम्हें इनकी बहुत अधिक आवश्यकता होगी अन्यथा इतनी रात गए भला कोई जोखिम क्यों उठाता? तुम सब मुसीबत के मारे लगते हो। चिंता मत करो। मुझसे जो मदद होगी, मैं करूंगा। यह कहते हुए उन्होंने अपनी उंगली की अंगूठी भी उतार कर उन्हें दे दी। यह देख चोर लज्जित हुए। वे एकनाथ जी के चरणों में गिर गए और उन्होंने कभी चोरी न करने का संकल्प लिया।

विचार मंथन

सारा जयपुर राज घराने का हो जाएगा - सुप्रीम कोर्ट

(लेखक-सनत कुमार जैन)

सुप्रीम कोर्ट ने दिया कुमारी की याचिका पर टिप्पणी करते हुए कहा ऐसे तो सारा जयपुर आपका हो जाएगा। जयपुर राजघराने ने राजस्थान हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। जयपुर राजघराने ने याचिका दाखिल कर जयपुर के टाउन हॉल को अपनी संपत्ति बाताकर मुकदमा दर्ज किया है। जिसकी सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। जयपुर राजघराने के वंशज के रूप में टाउन हॉल पर राजपरिवार ने दावा किया है। राजस्थान हाईकोर्ट के उनके खिलाफ फैसला सुनाया था। जिसके बाद सुप्रीम कोर्ट में इस फैसले को चुनौती दी गई है। सुप्रीम कोर्ट में पद्मिनी देवी और दिया कुमारी की तरफ से कहा गया,राज्य सरकार टाउन हॉल की जगह म्यूजियम बनना चाहती है। यह सरकारी नहीं राजपरिवार की संपत्ति है। इस निर्माण को नहीं रोका गया तो सरकार का अधिकार हो जाएगा। याचिकाकर्ता के वकील हरीश सालवे ने दलील दी। यह मामला कानूनी पेचीदगियों से भरा है। इसमें तीन महत्वपूर्ण मुद्दे संविधान के अनुच्छेद 362 और 363 में पूर्व शासकों और रजवाड़ों के विशेषाधिकार से जुड़े हैं। इन राजे - रजवाडों का अपना इतिहास हैं। यह एक संधि है, जिसमें केंद्र सरकार पक्षकार नहीं है। जयपुर और बीकानेर शासकों के बीच जयपुर राजपरिवार की संधि हुई थी। हरीश सालवे के इस तर्क पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा, आप आपस में ऐसा अनुबंध करते हैं। बिना भारत सरकार को पक्षकार बनाए, आप कैसे इस तरह से चुनौती दे सकते हैं। इस तरह से तो पूरा जयपुर आपके पक्षकार का हो जाएगा। हर राजा रजवाड़ा सभी सरकारी संपत्तियों पर अपना दावा पेश करेगा। पुरानी रियासतों के वंशज कहेंगे, सारी संपत्तियां उनकी हैं। कोर्ट ने कहा आप कहते हैं, भारत सरकार इस कॉन्ट्रैक्ट में पक्षकार नहीं था। इसलिए अनुच्छेद 363 लागू नहीं होगा।

आखिर टाउनहॉल का क्या विवाद है। साल 1949 में महाराजा सवाई मानसिंह द्वितीय और भारत सरकार के बीच एक समझौता रियासत के विलय को लेकर हुआ। इसके तहत टाउन हॉल सहित कुछ संपत्तियां सरकारी उपयोग के लिए दी गई थी। उसके बाद 2022 में गहलोत सरकार आई। राजस्थान सरकार ने टाउन हॉल को म्यूजियम बनाने का फैसला किया। इसको लेकर शाही परिवार नाराज हो गया, राजपरिवार ने आपत्ति जताई। 2014 से 2022 तक कई नोटिस और शिकायतों के बावजूद कोई समाधान नहीं निकला। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज परिवार के खिलाफ फैसला सुना दिया। जिसको लेकर जयपुर राजघराना सुप्रीम कोर्ट पहुंचा है। जिसमें दो जजों की बेंच ने यह टिप्पणी की, अभी सुनवाई चल रही है। देखना होगा सुप्रीम कोर्ट इस मामले में क्या फैसला करता है। जब भारत स्वतंत्र हुआ था, जो राजा रजवाड़े भारत में शामिल हुए थे। एक समझौते के तहत उनकी निजी संपत्तियों को उन्हें अधिकार में दिया गया था। बाकी रियासत का हिस्सा संघ में विलय हो गया था। राजा रजवाड़ों को प्रिवीयर्स के रूप में एक निश्चित राशि देने का समझौता विलय पक्ष में हुआ था। राजा रिजवाड़ों को कुछ विशेष अधिकार दिए गए थे। उस समय की विलय संधि में राजाओं की निजी संपत्ति, जिसमे राज परिवार का महल, जो जमीन उनके नाम पर थी। गहने, रत्न, आभूषण वगैरा उनको अधिकार में दे दिए गए थे। समझौते के तहत बाकी सारी रियासत और उसकी संपत्तियां संघ में विलय हो गई थी। 1971 में 26 वें संविधान संशोधन के द्वारा सभी राजे- रजवाड़ों को मिले विशेष अधिकार समाप्त कर दिए गए थे। प्रिवीपर्स बंद कर दिया गया था। जिसके कारण उस समय राजे -रजवाड़ों कांग्रेस से विद्रोह कर जनसंघ में चले गए थे। कांग्रेस पार्टी में विद्रोह हो गया था। 1990 के बाद राम मंदिर विवाद को लेकर जिस तरह से पुराने इतिहास के आधार पर मुकदमे बाजी शुरू हुई। पिछले एक दशक में राजे - रजवाड़ों के वंशजो ने मुकदमेबाजी कर सरकारी संपत्ति को हथियाना शुरू कर दिया है। दिया कुमारी राजस्थान सरकार की उप मुख्यमंत्री हैं जयपुर राजघराने की वंशज होने के कारण वह भी टाउन हॉल और अन्य संपत्तियों पर कब्जा करना चाहती हैं। कुछ इसी तरह के विवाद अन्य रियासतों के वंशजों ने भी कोर्ट में दायर किए हैं। इस मामले में केंद्र सरकार को पार्टी नहीं बनाकर याचिका कर्ता ने केंद्र एवं राज्य सरकार और संविधान को धोखा देने की कोशिश की है। सुप्रीम कोर्ट ने यह बात पकड़ ली। सुप्रीम कोर्ट की जो टिप्पणी आई है। उससे आभास होता है, जयपुर राजघराने द्वारा राजस्थान की सत्ता में उप - मुख्यमंत्री के पद पर होते हुए जिस तरह से धोखाधड़ी करने का प्रयास किया है। सुप्रीम कोर्ट को सुनवाई के दौरान विशेष सतर्कता वरतने की जरूरत है। राजस्थान सरकार में मंत्री रहते हुए दिया कुमारी को इस तरह के मुकदमे में पार्टी नहीं बनना चाहिए था। यदि बनी थी तो नैतिकता के आधार पर उन्हें मंत्री पद से इस्तीफा देना था। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से हजारों वर्ष पुराने इतिहास, विवाद और परंपरा के आधार पर न्यायालयों में मुकदमे दाखिल किए जा रहे हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीयों ने चॉकलेट, जेम और मीठे उत्पाद पर 6.60 लाख करोड़ खर्च किए: रिपोर्ट

मुंबई । एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक साल 2023-24 में भारतीयों ने चॉकलेट, जेम और चीनी जैसे मीठे उत्पादों पर 6.60 लाख करोड़ रुपए खर्च किए, जबकि सब्जियों पर 5.95 लाख करोड़ और तेल व वसा जैसे आवश्यक खाद्य पदार्थों पर केवल 2.45 लाख करोड़ रुपए ही खर्च किए गए।तेल और वसा पर खर्च में गिरावटष्टस्ब्द्धश्व के अनुसार, पिछले एक साल में तेल और वसा पर खर्च में 19.67त्न की गिरावट दर्ज की गई है। वहीं दूसरी ओर चॉकलेट पर खर्च में 19.78त्न की बढ़त देखी गई है। यह ट्रेंड उपभोक्ताओं की प्राथमिकताओं में हो रहे बदलाव की ओर इशारा करता है। बीते चार वर्षों में खर्च का आंकड़ा इस प्रकार है- 2023-24ः चॉकलेट, जेम, चीनीः 6.60 लाख करोड़ सब्जियांः 5.95 लाख करोड़तेल वसाः 2.45 लाख करोड, 2022-23ः चॉकलेट, जेम, चीनीः 5.51 लाख करोड़सब्जियांः 5.28 लाख करोड़तेल वसाः 3.05 लाख करोड़ 2021-22ः चॉकलेट, जेम, चीनीः 4.71 लाख करोड़, सब्जियांः 5.06 लाख करोड़तेल वसाः 2.76 लाख करोड़ 2020-21ः चॉकलेट, जेम, चीनीः 4.46 लाख करोड़, सब्जियांः 4.79 लाख करोड़, तेल वसाः 2.01 लाख करोड़स्वास्थ्य और कुल रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि स्वास्थ्य संबंधी खर्च में 18.75 फीसदी की बढ़त हुई है। वहीं कुल उपभोक्ता खर्च 9.72त्न बढ़कर 181.4 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है।

मलेशिया की सरकारी एजेंसी ने पतंजलि समूह को दिए 15 लाख पाम बीज

किनाबाटांगन । मलेशिया की एक सरकारी एजेंसी ने भारतीय उपभोक्ता सामान कंपनी पतंजलि समूह को अभी तक पाम के 15 लाख बीज की आपूर्ति की है। मलेशिया की इस सरकारी एजेंसी ने पतंजलि समूह के साथ पांच साल का अनुबंध किया है जो 2027 में समाप्त हो रहा है। इस अवधि में एजेंसी पाम के कुल 40 लाख बीज की आपूर्ति करेगी। मलेशिया, भारत को पाम तेल का प्रमुख आपूर्तिकर्ता है, लेकिन यह पहली बार है जब किसी सरकारी एजेंसी ने पाम के बीजों की आपूर्ति के लिए समझौता किया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब भारत, पाम तेल के लिए आयात पर निर्भरता कम करने के वास्ते घरेलू स्तर पर इसकी खेती को प्रोत्साहित कर रहा है। इस अनुबंध पर सावित किनाबालु समूह की बीज से जुड़ी अनुषंगी कंपनी ने हस्ताक्षर किए हैं। यह अनुषंगी कंपनी हर वर्ष पाम के एक करोड़ बीजों को संसाधित करती है।

भारत से ईरान में चावल का एक्सपोर्ट लगभग ठप

- ड्राई फूट्स मार्केट में भी अफरा-तफरी

नई दिल्ली । ईरान और इजरायल के बीच चल रहे युद्ध का असर अब भारत पर भी दिखाई देने लगा है। स्थिति यह है कि भारत से ईरान में चावल का निर्यात लगभग ठप हो गया है। चावल कारोबारियों के मुताबिक, ईरान में भारत के चावल की सप्लाई ठप होने से प्रति किलो चावल के भाव में 10 रुपये की गिरावट आई है। उधर, ड्राई फूट्स के दामों में उछाल आया है। जानकारी के मुताबिक भारत से बासमती सेला चावल की सबसे ज्यादा सप्लाई ईरान में होती है। लेकिन इजरायल के बीच बढ़ते तनाव के चलते बीते चार दिनों से भारत से चावल की सप्लाई ठप हो गई है। जिससे चावल कारोबारियों में खलबली मच गई है। नया बाजार के एक चावल कारोबारी ने बताया कि चावल इंडस्ट्री में डर का माहौल है। शुक्रवार को शुरू हुए इस युद्ध के बाद ईरान में बासमती सेला की सप्लाई ठप हो गई है। हजारों टन चावल बीच रास्तों में फंस गए हैं। कुछ टन माल वापस हो गया है। जिससे कारोबारी परेशान हैं। ईरान और इजरायल के बीच युद्ध शुरू होने से पहले बासमती सेला चावल का थोक दाम लगभग 70 रुपये था, लेकिन बीते चार दिनों में प्रति किलो दाम में 10 रुपये की गिरावट आई है।

आयात घटने से व्यापार घाटा हुआ कम, इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात बढ़ा

– पिछले महीने कुल 60.61 अरब डॉलर की वस्तुओं का आयात किया गया

नई दिल्ली ।

देश से वस्तुओं का निर्यात मई, 2025 में सालाना आधार पर 2.17 फीसदी घटकर 38.73 अरब डॉलर रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 39.59 अरब डॉलर था। आयात घटने से व्यापार घाटा मई, 2024 के 22.51 अरब डॉलर से कम होकर 21.88 अरब डॉलर रह गया। उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले महीने कुल 60.61 अरब डॉलर की वस्तुओं का आयात किया गया। यह आंकड़ा मई, 2024 के 61.68 अरब डॉलर की तुलना में 1.7 फीसदी कम है। कच्चे तेल और सोने का आयात घटने से यह गिरावट आई है। इस दौरान देश से 32.39 अरब डॉलर की सेवाओं का निर्यात किया गया, जबकि आयात 17.14 अरब डॉलर रहा। वस्तुओं और सेवाओं को मिलाकर कुल निर्यात 71.12 अरब डॉलर पहुंच गया। इलेक्ट्रॉनिक सामानों का निर्यात मई में 54.1 फीसदी बढ़कर 45.7 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, पेट्रोलियम उत्पादों का निर्यात 30.32 फीसदी घटकर 5.6 अरब डॉलर रहा। चावल, लौह अयस्क, रत्न-आभूषण, इंजीनियरिंग और कपड़ों की कुछ श्रेणियों के निर्यात में गिरावट दर्ज की गई। चाय, कॉफी, मसाले, सभी प्रकार के वस्त्र, रसायन, समुद्री उत्पाद और फार्मा के निर्यात में सकारात्मक वृद्धि देखने को मिली। ऑस्ट्रेलिया, जापान, कोरिया और मॉरीशस जैसे देशों को निर्यात में भी प्रभावशाली वृद्धि दर्ज की गई। आंकड़ों के मुताबिक, भारत से अमेरिका को निर्यात मई में 16.93 फीसदी बढ़कर 8.83 अरब डॉलर पहुंच गया। हालांकि, आयात में 5.76 फीसदी की गिरावट रही।

रुपया गिरावट के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मंगलवार को भारतीय रुपया 23 पैसे की गिरावट के साथ बंद हुआ। आज सुबह रुपया कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और मजबूत डॉलर के दबाव को दरकिनार करते हुए रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में 11 पैसे की बढ़त के साथ 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 85.96 पर खुला। फिर 85.93 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से 11 पैसे की बढ़त दिखाता है।रुपया मंगलवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 86.04 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 98.16 पर रहा।

कच्चा तेल महंगा होने से चालू खाते का घाटा बढ़ने की आशंका

- रुपये पर दबाव पड़ने की भी आशंका

नई दिल्ली । इजरायल और ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से भारत का चालू खाते का घाटा (सीएडी) बढ़ सकता है। इससे रुपये पर दबाव पड़ने की भी आशंका है। हालांकि अर्थशास्त्रियों का कहना है कि अगर कच्चे तेल की कीमतें एक दायरे में बनी रहती हैं तो वृद्धि और मुद्रास्फीति के समीकरण पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। भारत कच्चे तेल की अपनी 85 फीसदी से अधिक जरूरतों को आयात के जरिये पूरा करता है। इसलिए वैश्विक मूल्य में उतार-चढ़ाव उसके लिए काफी मायने रखता है। मई में ब्रेंट क्रूड की कीमत हालिया 60 से 61 डॉलर प्रति बैरल के निचले स्तर से बढ़कर करीब 75 डॉलर प्रति बैरल हो गई। पेट्रोलियम मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, कच्चे तेल के इंडियन बास्केट की कीमत मई में 64 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 13 जून तक 73.1 डॉलर प्रति बैरल हो गई। बाजार के जानकारों ने कहा कि भारत पर वृहद कारकों का प्रभाव इस बात पर निर्भर करेगा कि तेल की कीमतों में आई हालिया तेजी आगे भी बरकरार रहती है या नहीं। उन्होंने कहा` कि अगर कच्चे तेल की कीमतें बढ़ती हैं और 80 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंचती हैं तो उसका प्रभाव वित्त वर्ष 2026 के लिए हमारे सीएडी अनुमान में 30 से 40 आधार अंकों की वृद्धि के रूप में दिख सकता है। भारत ने 2020 से ही ईरान से कच्चे तेल का आयात बंद कर दिया था। भारत का रूस से कच्चे तेल आयात 2022 से पहले लगभग शून्य था जो अब बढ़कर 35 से 40 फीसदी हो चुका है। हालांकि खाड़ी देशों से कच्चे तेल के आयात पर भारत की निर्भरता काफी कम हो गई है। मगर कच्चे तेल का करीब दो-तिहाई और एलएनजी का 50 फीसदी आयात अभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर गुजरता है जिसे ईरान ने अब बंद करने की धमकी दी है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई । बीएसई सेंसेक्स 212.85 अंक तकरीबन (0.26 फीसदी) की गिरावट के साथ ही 81,583.30 अंकों पर बंद हुआ। इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 93.10 अंकों (0.37फीसदी) नीचे आकर 24,853.40 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार तेजी के साथ बंद हुआ पर आज आज बाजार ने ये तेजी गंवा दी। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स की 30 में से केवल 9 कंपनियों के शेयरों में ही बढ़त रही जबकि बाकी की 21 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। इसी प्रकार निफ्टी की 50 में से केवल 11 कंपनियों के शेयर ही बढ़त के साथ ही हरे निशान पर बंद हुए और बाकी की सभी 39 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ लाल निशान में बंद हुए। आज सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा के शेयर सबसे ज्यादा 1.71 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए जबकि सनफार्मा के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.18 फीसदी की गिरावट रही।

वहीं सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में आज , इंफोसिस 0.92, मारुति सुजुकी 0.60, एनटीपीसी 0.48, टीसीएस 0.46, एचसीएल टेक 0.40, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.18 और पावरग्रिड के शेयर 0.12 फीसदी की बढ़त पर बंद हुए जबकि एटरनल (जोमेटो) के शेयर 1.92 फीसदी, टाटा मोटर्स 1.70 फीसदी , बजाज फाइनेंस 1.58 फीसदी, इंडसइंड बैंक 1.40फीसदी, बजाज फिनसर्व 1.28फीसदी, नेस्ले इंडिया 1.28फीसदी, टाटा स्टील 0.97फीसदी, टाइटन 0.88फीसदी, अल्ट्राटेक सीमेंट 0.87फीसदी, अडाणी पोर्ट्स 0.62फीसदी, रिलायंस 0.50फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.45फीसदी, भारती एयरटेल 0.40फीसदी, एक्सिस बैंक 0.37फीसदी, एचडीएफसी बैंक 0.28फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.20फीसदी, लार्सन एंड टुब्रो 0.18फीसदी, आईटीसी 0.12फीसदी, कोटक महिंद्रा बैंक 0.11फीसदी की गिरावट पर बंद हुए।

इससे पहले आज सुबह बाजार` गिरावट के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में ऑटो, आईटी और फार्मा सेक्टर में बिकवाली दर्ज की गई। सेंसेक्स 186.35 अंक की गिरावट के साथ 81,609.80 पर कारोबार कर रहा था, जबकि निफ्टी 68.20 अंक की गिरावट के साथ 24,878.30 पर कारोबार कर रहा था।

निफ्टी बैंक 30.10 अंक की गिरावट के साथ 55,914.80 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 36.40 अंक की गिरावट के साथ 58,732.10 पर कारोबार कर रहा था। निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 66.30 अंक की गिरावट के साथ 18,482.90 पर कारोबार कर रहा था। विश्लेषकों के अनुसार ईरान पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बयान ने निवेशकों को चिंतित कर दिया है जिससे भी बाजार में निकासी बढ़ी। वहीं एशियाई बाजारों में बैंकॉक, जकार्ता, जापान और सोल हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि हांगकांग और चीन लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजारों में पिछले कारोबारी सत्र में डॉव जोन्स 317.30 अंक की बढ़त के साथ 42,515.09 पर बंद हुआ। एसएंडपी 500 इंडेक्स 56.14 अंक की बढ़त के साथ 6,033.11 पर और नैस्डैक 294.39 अंक की बढ़त के साथ 19,701.21 पर बंद हुआ।

आने वाले हफ्तों में खाद्य तेलों की कीमतों में आएगी गिरावट

नई दिल्ली।

घरेलू खुदरा बाजार में आने वाले हफ्तों में खाद्य तेलों की कीमतों में गिरावट होगी है। इसकी वजह रिफाइनर्स की ओर से लागत में कमी को ग्राहकों को हस्तांतरित करना है। रिपोर्ट में कहा गया कि खाद्य तेलों की कीमतों में कमी आने की संभावना की वजह केंद्र सरकार द्वारा 30 मई को कस्टम ड्यूटी में कटौती करना है। उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने खाद्य तेल कंपनियों को अपने अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) में कमी करने और वितरक को मूल्य (पीटीडी) दरों पर साप्ताहिक अपडेट करने के निर्देश दिए हैं।

मई में खाद्य मुद्रास्फीति घटकर 2.8 प्रतिशत पर आ गई और भारतीय मौसम विभाग ने सामान्य से अधिक मजबूत मानसून का अनुमान जाहिर किया है, इन घटनाक्रमों से सामूहिक रूप से खाद्य तेल की खुदरा कीमतों में गिरावट के ट्रेंड को रफ्तार मिलने की उम्मीद है।

रिपोर्ट में बताया गया कि कच्चे और रिफाइंड खाद्य तेलों के बीच शुल्क अंतर में वृद्धि से घरेलू रिफाइनरों की प्रतिस्पर्धात्मकता भी बढ़ेगी। कच्चे पाम तेल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को अब घटाकर 10 प्रतिशत की गई है और रिफाइंड खाद्य तेलों पर कस्टम ड्यूटी 32.5 प्रतिशत पर अपरिवर्तित है, जिससे कच्चे और रिफाइंड खाद्य तेलों के बीच कस्टम ड्यूटी अंतर 8.25 प्रतिशत से बढ़कर 19.25 प्रतिशत हो गया है।

संशोधित कस्टम ड्यूटी स्ट्रक्चर से प्रमुख खिलाड़ियों को लाभ मिलने की उम्मीद है क्योंकि इससे रिफाइनर रिफाइंड तेलों के बजाय कच्चे खाद्य तेल के आयात को प्राथमिकता देगा।

भारत खाद्य तेलों में दुनिया का सबसे बड़ा आयातक है। देश अपनी जरूरतों का 55-60 प्रतिशत इंडोनेशिया और मलेशिया से आयात करता है। ऑयल साल 2023-24 में भारत ने 15.96 मिलियन टन (एमटी) खाद्य तेलों का आयात किया है। इसमें पाम ऑयल की हिस्सेदारी 55 प्रतिशत थी, जबकि बाकी की हिस्सेदारी सोयाबीन और सूरजमुखी के तेल की थी।

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने बेचे एशियन पेंट के 85 लाख शेयर

- सौदे की कीमत करीब 1,876 करोड़ रही

नई दिल्ली । मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज ने एशियन पेंट्स के 85 लाख शेयर ओपन मार्केट में बेच दिए। इस सौदे की कीमत करीब 1,876 करोड़ रही। कुछ दिन पहले रिलायंस ने एशियन पेंट्स में 3.50 करोड़ शेयर बेच दिए थे। अब उसी के बाद यह नई बिक्री की गई है। डील का असर मंगलवार को देखने को मिला। मंगलवार की सुबह शुरुआत मे शेयर 1441.30 पर कारोबार कर रहा था। यह बीते दिन से 0.19 फीसदी की तेजी है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के ब्लॉक डील डेटा के मुताबिक रिलायंस इंडस्ट्रीज की सहयोगी कंपनी सिद्धांत कमर्शियल्स ने ये 85 लाख शेयर बेचे। ये एशियन पेंट्स में कंपनी की 0.88 फीसदी हिस्सेदारी के बराबर है। ये शेयर 2,207 के औसत भाव पर बेचे गए, जिससे कुल डील 1,875.95 करोड़ की बनी। इस डील में आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल म्यूचुअल फंड ने सभी शेयर खरीदे। 2,207 के भाव पर खरीदी गई इस हिस्सेदारी के बाद फंड की एशियन पेंट्स में हिस्सेदारी 1.24 फीसदी से बढ़कर 2.12 फीसदी हो गई है।

इस्राइल-ईरान जंग के बीच भारत ईंधन आपूर्ति जरूरतें पूरी करने के लिए तैयार: हरदीप पुरी

- भारत के बेसिनों में लगभग 42 बिलियन टन तेल और गैस के बराबर की क्षमता है

नई दिल्ली।

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा है कि इस्राइल-ईरान चल रही जंग के दौरान भारत अपनी ईंधन आपूर्ति की जरूरतों को पूरा करने के लिए तैयार है। पुरी ने कहा ` कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत अपनी ईंधन की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम और अच्छी स्थिति में है। हम अपने बास्केट में पर्याप्त विविधता ला चुके हैं और ईंधन आपूर्ति की जरूरतों को पूरा करने के लिए सहज स्थिति में हैं। भारत के बेसिनों में लगभग 42 बिलियन टन तेल और गैस के बराबर की क्षमता है। अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर बैठक की जानकारी देते हुए हरदीप पुरी ने कहा, तेजी से अस्थिर होते भू-राजनीतिक हालात को देखते हुए पेट्रोलियम मंत्रालय के अधिकारियों और हमारे पीएसयू ओमसी के साथ भाररत में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति की स्थिति की समीक्षा के लिए बैठक की। भारत अपने जीवाश्म-आधारित ऊर्जा उत्पादन को बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। नवीनतम प्रयास का प्रमाण अंडमान में हो रही गहरी खुदाई है। अन्वेषण और उत्पादन के लिए सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में कई उपाय किए हैं। अंडमान में अन्वेषण अच्छी खबर है और यह भारत के लिए गुयाना मोमेंट बन सकता है। केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री ने कहा कि भारत में एक अनुमान के मुताबिक 35 लाख वर्ग किलोमीटर की तलछटी बेसिन

है। ये ऐसे इलाके होते हैं जहां झीलों, नदियों आदि के तल पर जमा रेत, पत्थर, कीचड़ के नीचे कच्चे तेल या गैस मिलने की संभावना होती है। पुरी के मुताबिक भारत ने कभी भी आठ प्रतिशत क्षेत्र से आगे अन्वेषण नहीं किया। इससे समुद्र तल का एक बड़ा हिस्सा ऐसा रह गया है जहां खोज नहीं की गई है। अब सरकार ने बेसिन के बड़े हिस्से में अन्वेषण का फैसला लिया है।

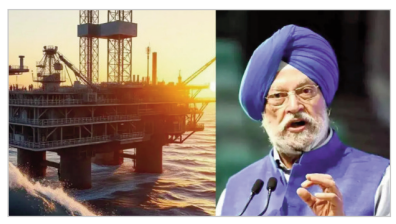

सड़कों पर आ रही हाइड्रोजन क्रांति

- अशोक लीलैंड, टाटा मोटर्स और अन्य कंपनियां कर रही पहल

नई दिल्ली ।

रिलायंस इंडस्ट्रीज की जामनगर इकाई से लेकर लेह के ठंडे इलाकों अथवा नई दिल्ली की भीड़भाड़ वाली सड़कों तक भारत का वाणिज्यिक वाहन उद्योग हाइड्रोजन से चलने वाले वाहनों के जरिये ईंधन में बदलाव को रफ्तार दे रहा है। ईंधन में बदलाव की इस क्रांति का नेतृत्व अशोक लीलैंड और टाटा मोटर्स जैसी प्रमुख वाहन कंपनियां कर रही हैं। कई उद्योग के दिग्गज भी इस ओर छलांग लगाने की तैयारी कर रहे हैं। कुछ कार्यक्रम राष्ट्रीय ग्रीन हाइड्रोजन मिशन के विस्तार हैं, लेकिन मूल उपकरण विनिर्माता (ओईएम) भी भविष्य के लिए रणनीतिक तौर पर कदम बढ़ा रहे हैं। उदाहरण के लिए अशोक लीलैंड ने 2023 में रिलायंस इंडस्ट्रीज से साझेदारी के तहत हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाला देश का पहला ट्रक उतारा था। फिलहाल 20 से अधिक ऐसे वाहन सड़कों पर दौड़ रहे हैं और दो साल में ही इन वाहनों ने करीब 2.5 लाख किलोमीटर नाप लिए हैं। हाइड्रोजन से चलने वाले ये वाहन दक्षता के मामले में भी डीजल वाहनों के बराबर हैं। इतना ही नहीं, कंपनी ने दिल्ली, लेह एवं लद्दाख में हाइड्रोजन फ्यूल सेल वाली बसें तैनात करने के लिए एनटीपीसी ग्रीन के साथ करार भी किया है। टाटा मोटर्स ने हाइड्रोजन इंजन और फ्यूल सेल वाले दो ट्रकों का परीक्षण शुरू कर दिया है। परीक्षण मार्च में शुरू हुआ था जो अगले 24 महीनों तक चलेगा। इसमें विभिन्न भार क्षमता वाले 16 हाइड्रोजन ईंधन वाले वाहनों को शामिल किया जाएगा।

वित्त वर्ष 2023-31 तक रेलवे के जरिये वाहनों की आपूर्ति 35 फीसदी बढ़ेगी: मारुति सुजुकी

- मारुति 2013 में 'ऑटोमोबाइल-फ्रेट-ट्रेन-ऑपरेटर लाइसेंस' हासिल करने वाली भारत की पहली कंपनी थी

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी का कहना है` कि कंपनी को 2030-31 तक रेलवे के माध्यम से वाहनों की आपूर्ति 35 प्रतिशत तक बढ़ने की उम्मीद है। मारुति सुजुकी 2013 में 'ऑटोमोबाइल-फ्रेट-ट्रेन-ऑपरेटर लाइसेंस' हासिल करने वाली भारत की पहली कंपनी थी। तब से हमने रेलवे के जरिये 25 लाख से अधिक यात्री वाहनों को भेजा है। एमएसआईएल के अे धिकारी ने कहा` कि हमने रेलवे के जरिये वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित रूप से बढ़ाया है, जो वित्त वर्ष 2014-15 में करीब पांच प्रतिशत था, और पिछले वर्ष 2024-25 में 24 प्रतिशत हो गया है। उन्होंने कहा कि कंपनी मानेसर में नई सुविधा के साथ इसे और बढ़ाएगी। एक बार जब यह पूरी तरह से चालू हो जाएगा, तो हम सालाना 4.5 लाख वाहन भेज केंगे। इससे वित्त वर्ष 2030-31 तक रेलवे के जरिये वाहनों की आपूर्ति 35 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। पीएम गतिशक्ति नेशनल मास्टर प्लान के तहत पंजीकृत मानेसर 'रेलवे साइडिंग' को हरियाणा में सोनीपत से पलवल तक चलने वाले 126 किलोमीटर लंबे हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर (एचओआरसी) के हिस्से के रूप में विकसित किया गया है।इस परियोजना को एक संयुक्त उद्यम फर्म हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एचओआरसीएल) द्वारा क्रियान्वित किया गया है।संयुक्त उद्यम के तहत, एमएसआईएल ने एचओआरसी के विकास में 325 करोड़ रुपये का निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। इसके अतिरिक्त एमएसआईएल ने आंतरिक यार्ड विकास पर लगभग 127 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिससे इसका कुल निवेश 452 करोड़ रुपये हो गया है।

तेजी से बढ़ती तेल की कीमतें शेयर बाजार के लिए नुकसानदायक नहीं!

वित्त वर्ष 2013-14 के बाद वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों को भी मिलने लगा है महत्व

नई दिल्ली ।

ऐसा कहा जाता है कि कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने का असर शेयर बाजार पर पड़ता है। लेकिन आंकड़े दिखाते हैं कि यह हमेशा सही नहीं होता। वित्त वर्ष 2012 में ब्रेंट क्रूड की कीमतें 32 फीसदी बढ़कर 115 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंचीं, तब निफ्टी 50 इंडेक्स में 9.2 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई थी। लेकिन इसके अगले दो सालों में जब तेल की कीमतें 110 डॉलर (वित्त वर्ष 13) और 108 डॉलर (वित्त वर्ष 14) रही, तो निफ्टी ने नुकसान की बजाय फायदा दिखाया। उस समय भारत की जीडीपी ग्रोथ भी अच्छी थी। एक इक्वीनोमिक्स रिसर्च के प्रमुख बताते हैं कि 2007 से 2014 के बीच ट्रिपल डिजिट (100 डॉलर से ऊपर) तेल कीमतें आम थीं। लेकिन 2014 के बाद हालात बदले। अमेरिका ने अपने उत्पादन को बढ़ाया और शेल गैस का उपयोग शुरू किया।

वहीं चीन ने मैन्युफैक्चरिंग से हटकर सर्विस सेक्टर पर ध्यान देना शुरू किया। इन वजहों से अंतरराष्ट्रीय तेल बाजार में नरमी आई। उनका कहना है कि 2013-14 के बाद वैकल्पिक ऊर्जा स्रोत जैसे सोलर और विंड को भी महत्व मिलने लगा। बाजार ने कच्चे तेल के साथ-साथ इन विकल्पों को भी ध्यान में रखना शुरू कर दिया। इसलिए अगर तेल की कीमतें बहुत तेजी से और ज्यादा समय तक नहीं बढ़तीं, तो वे शेयर बाजार के लिए हमेशा नुकसानदेह नहीं होतीं। विशेषज्ञों का मानना है कि इस संघर्ष के चलते ऊर्जा बाजार में बड़ा असर पड़ सकता है। स्ट्रेट ऑफ होरमुज़ एक अहम रास्ता है जहां से हर दिन करीब 17 मिलियन बैरल तेल गुजरता है। यह दुनिया की कुल आपूर्ति का करीब 20 फीसदी है। अगर यह रास्ता बाधित होता है, तो कच्चे तेल की कीमतें 150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं।

अगर तेल की कीमतें इतनी तेजी से बढ़ीं, तो दुनिया के विकसित देशों की ब्याज दरें घटने की उम्मीदें भी खत्म हो सकती हैं। महंगाई फिर से बढ़ सकती है और शेयर बाजार की तेजी रुक सकती है।

टेस्ट क्रिकेट में बड़े बदलाव के लिए तैयार आईसीसी, भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड को छूट

लंदन (एजेंसी)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) 2027-29 के विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (WTC) चक्र में छोटे देशों के लिए चार दिवसीय टेस्ट मैचों को मंजूरी देने के लिए तैयार है, लेकिन भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड तब भी परंपरागत रूप से चले आ रहे पांच दिवसीय मैच खेल सकते हैं। यहां एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया है।

मैचों की संख्या एक दिन कम करने का कदम एक महत्वपूर्ण बदलाव होगा और इससे छोटे देशों को अधिक टेस्ट और लंबी अवधि की श्रृंखलाएं खेलने में मदद मिलेगी। एक रिपोर्ट में कहा गया है, 'पिछले सप्ताह लॉर्ड्स में WTC फाइनल के दौरान चर्चा में आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने 2027-29 के WTC चक्र के लिए चार दिवसीय टेस्ट के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया था।'

रिपोर्ट में कहा गया है, 'इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और भारत को तब भी एशेज, बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी और एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के लिए पांच दिवसीय मैचों की टेस्ट श्रृंखला खेलने की अनुमति होगी। एंडरसन तेंदुलकर ट्रॉफी की शुरुआत शुक्रवार को हेडिंग्ले में इंग्लैंड और भारत के बीच पहले टेस्ट मैच के साथ होगी।'

आईसीसी ने पहली बार 2017 में द्विपक्षीय मुकाबलों के लिए चार दिवसीय टेस्ट को मंजूरी दी थी। इंग्लैंड ने 2019 और 2023 में आयरलैंड के खिलाफ चार दिवसीय टेस्ट के बाद पिछले महीने ट्रेंट ब्रिज में जिम्बाब्वे के खिलाफ भी चार दिवसीय टेस्ट मैच खेला था। रिपोर्ट के अनुसार, 'कई छोटे देश समय और लागत के कारण टेस्ट मैचों की मेजबानी करने में दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं, लेकिन चार दिवसीय टेस्ट मैच शुरू होने से तीन टेस्ट मैचों की पूरी श्रृंखला तीन सप्ताह से भी कम समय में खेली जा सकेगी।'

इसमें कहा गया है, 'समय को बर्बाद करने से बचने के लिए चार दिवसीय टेस्ट मैचों में खेल के समय को 90 ओवर प्रतिदिन से बढ़ाकर न्यूनतम 98 ओवर कर दिया गया है।' रिपोर्ट में कहा गया है, 'पिछले सप्ताह लॉर्ड्स में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रोमांचक फाइनल में विश्व चैंपियन बनने के बावजूद दक्षिण अफ्रीका के नीरस कार्यक्रम ने इस मुद्दे को और उजागर किया और इसके बाद बदलाव की जरूरत महसूस की गई।' हालांकि 2025-27 की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप पांच दिवसीय मैचों के मौजूदा प्रारूप के तहत ही खेली जाएगी।

अवैध सट्टेबाजी ऐप्स प्रमोशन मामले में हरभजन, सहित इन तीन क्रिकेटरों पर ईडी ने शिकंजा कसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह , हरभजन सिंह और सुरेश रैना के लिए अवैध सट्टेबाजी ऐप्स का प्रमोशन करना महंगा पड़ सकता है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इन अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी ऐप्स की जांच तेज कर दी है। एक रिपोर्ट के अनुसार इस जांच में क्रिकेटरों के अलावा अभिनेत्री उर्वशी रौतेला और अभिनेता सोनू सूद से भी पूछताछ की जा रही है। यह जांच एक प्रतिबंधित प्लेटफॉर्म के प्रचार से जुड़ी है। ईडी का मानना है कि ये प्लेटफॉर्म भ्रामक विज्ञापन और गलत तरीकों से लोगों से पैसा ऐंठ रहा है।

जांच में पता चला है कि ये प्लेटफॉर्म गलत तरीक का इस्तेमाल कर विज्ञापन करते हैं। ये वेब लिंक और क्यू आर कोड के जरिए यूजर्स को असली अवैध सट्टेबाजी साइटों पर भेजते हैं। ईडी के अनुसार, यह भारतीय कानूनों का उल्लंघन है। वहीं ये ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म खुद को स्किल-आधारित गेम बताते हैं पर ये असल में धोखेबाजी के लिए रिग्ड एल्गोरिदम का इस्तेमाल करते हैं। इसलिए, ये जुए के दायरे में आते हैं। प्रवर्तन निदेशालय के अनुसार इस प्रकार के प्रतिबंधित प्लेटफॉर्म सेलिब्रिटीज का सहारा लेकर लोगों को गुमराह करते हैं।

शुरुआती जांच में कई कानूनों सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम धन शोधन निवारण अधिनियम के उल्लंघन की बात सामने आयी है। रिपोर्ट के अनुसार, हरभजन सिंह और सुरेश रैना और उर्वशी रौतेला व सोनू सूद के प्रतिनिधियों ने अब तक इसपर कोई जवाब नहीं दिया है। जांच में यह भी पता चला है कि इन विज्ञापन अभियानों को चलाने के लिए विभिन्न कंपनियों को 50 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, भारत में अवैध सट्टेबाजी ऐप का कारोबार लगातार बढ़ते हुए 100 अरब डॉलर से अधिक का हो गया है।

एक मैच में तीन सुपर ओवर, नीदरलैंड ने नेपाल को हराकर नया रिकॉर्ड बनाया

ग्लासगो (एजेंसी)। नीदरलैंड ने यहां टी20 अंतरराष्ट्रीय त्रिकोणीय क्रिकेट श्रृंखला के मैच में नेपाल को तीसरे सुपर ओवर में हरा कर नया रिकॉर्ड बनाया। टी20 या लिस्ट ए क्रिकेट के इतिहास में यह पहला अवसर है जबकि किसी मैच का परिणाम तीसरे सुपर ओवर में निकला। माइकल लेविट ने सोमवार की रात को खेले गए इस मैच में तीसरे सुपर ओवर में छक्का लगाकर आखिर में नीदरलैंड को जीत दिलाई।

नीदरलैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट पर 152 रन बनाए। एक समय उसकी जीत सुनिश्चित लग रही थी क्योंकि नेपाल को आखिरी ओवर में 16 रन चाहिए थे। नेपाल के निचले क्रम के बल्लेबाज नंदन यादव ने हालांकि अंतिम ओवर में दो चौके लगाए। उन्होंने आखिरी गेंद पर भी चौका लगाया जिससे नेपाल आठ विकेट पर 152 रन बनाकर स्कोर बराबर करने में सफल रहा। कुशाल भुर्टेल ने 18 रन बनाकर नेपाल को पहले सुपर ओवर में 19 रन तक पहुंचाया लेकिन नीदरलैंड के सलामी बल्लेबाज मैक्स ओडॉव ने पांचवीं और छठी गेंद पर क्रमश- छक्का और चौका लगाकर स्कोर बराबर कर दिया। नीदरलैंड ने दूसरे सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी की और 17 रन बनाए। लेकिन नेपाल के दीपेंद्र सिंह ऐरी ने काइल क्लेन की आखिरी गेंद को छक्के के लिए भेज कर मैच को नए मोड़ पर खड़ा कर दिया। नेपाल तीसरे सुपर ओवर में पहले बल्लेबाजी करते हुए एक भी रन नहीं बना पाया। नीदरलैंड के ऑफ स्पिनर जैक लायन कैशेट ने चार गेंदों में बिना कोई रन दिए दो विकेट लेकर नेपाल का ओवर जल्दी समाप्त कर दिया। नीदरलैंड को इस तरह से मैच जीतने के लिए सिर्फ एक रन की जरूरत थी, ऐसे में लेविट ने संदीप लामिछाने के ओवर की पहली गेंद पर छक्का जड़कर मैच का शानदार अंत किया। मेजबान स्कॉटलैंड टी20 त्रिकोणीय श्रृंखला की तीसरी टीम है।

स्मृति मंधाना वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में फिर शीर्ष पर पहुंची

दुबई (एजेंसी)। भारत की उप-कप्तान स्मृति मंधाना मंगलवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) की एकदिवसीय बल्लेबाजी रैंकिंग में 2019 के बाद पहली बार शीर्ष स्थान पर पहुंच गईं। दक्षिण अफ्रीका की कप्तान लॉरा वोलवार्ट ने ताजा अपडेट में 19 रेटिंग अंक गंवाए जिसका फायदा भारतीय बल्लेबाज को मिला। मंधाना के कुल 727 रेटिंग अंक हैं।

उनके बाद इंग्लैंड की कप्तान नताली साइवर-ब्रंट 719 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वोलवार्ट अब 719 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर हैं। मंधाना के बाद इस सूची में अगली

दो भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स और कप्तान हरमनप्रीत कौर हैं, जो क्रमशः 14वें और 15वें स्थान पर हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच इस महीने के आखिर में पांच टी-20 और तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला खेली जाएगी।

मंधाना हाल के दिनों में वनडे बल्लेबाजों की सूची में शीर्ष 10 में शामिल रही हैं, लेकिन बाएं हाथ की यह बल्लेबाज 2019 की शुरुआत से शीर्ष स्थान पर नहीं पहुंच पाई थी। भारतीय सलामी बल्लेबाज हाल ही में शानदार फॉर्म में हैं और उन्होंने कोलंबो में श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेली गई त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में शतक बनाया था। इससे उन्हें अपनी रैंकिंग में सुधार करने में मदद मिली। मंधाना टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजों की सूची में भी चौथे स्थान पर हैं।

तेज गेंदबाज हर्षित राणा भारतीय टीम में शामिल

लंदन ।तेज गेंदबाज हर्षित राणा को एक बदलाव के तहत ही इंग्लैंड के खिलाफ 20 जून से शुरु आगामी टेस्ट सीरीज के लिए अपनी 18 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है ।हर्षित राणा ने इंडिया ए की और से अच्छा प्रदर्शन किया था जिसके बाद उन्हें टीम के

साथ रुकने के लिए कहा गया था। तभी से संकेत मिलने लगे थे कि हर्षित को टीम में जगह मिलेगी ।एक रिपोर्ट के अनुसा हर्षित भारतीय टीम में शामिल हो गए हैं। सीरीज का पहला मैच 20 जून को लीड्स में शुरू होगा ।माना जाता है कि लीड्स की पिच से स्पिनरों की तुलना में तेज गेंदबाजों को अधिक मदद मिलती है, जिसके कारण भारतीय टीम पांच गेंदबाजी विकल्प के साथ उतर सकती है,ऐसे में हर्षित को अंतिम ग्यारह में भी जगह मिल सकती है ।भारतीय टीम में तेज गेंदबाज के तौर पर जसप्रीत बुमराह, प्रसिद कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाशदीप और अर्शदीप शामिल हैं पर बुमराह तीन ही मैच खेल सकेंगे और शायद इसी कारण हर्षित को विकल्प के रूप में टीम में जोड़ा गया है। वह मुख्य कोच गौतम गंभीर के पसंदीदा खिलाड़ियों में भी शामिल हैं। राणा ने हाल ही में इंडिया ए की ओर से पहले अनाधिकृत टेस्ट में 27 ओवर गेंदबाजी की थी और एक विकेट लिया था।

भारतीय टीम इस प्रकार है - शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, नितीश रेड्डी, रवींद्र जड़ेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद ।सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और कुलदीप यादव।

वैभव को अभी भारतीय टीम में जगह के लिए करना होगा इंतजार: वेंकटपति राजू

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और दूसरा सबसे तेज शतक लगाकर क्रिकेट जगह में अपनी अलग पहचान बनाने वाले 14 साल के वैभव सूर्यवंशी की तुलना महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर से की जाने लगी है। ये भी कहा जा रहा है कि जो काम सचिन ने 16 से 17 में किया। वहीं वैभव 14-15 साल में कर लेना चाहते हैं। ऐसे में अब क्रिकेट प्रशंसक चाहते हैं कि वैभव को भारतीय टीम में जगह मिले। वहीं इसी को लेकर पूर्व स्पिनर और चयनकर्ता वेंकटपति राजू का कहना है कि इस क्रिकेटर को अभी टीम इंडिया में प्रवेश के लिए इंतजार करना होगा। साथ ही कहा कि उनकी सचिन से तुलना नहीं की जा सकती है। वैभव अभी इंडिया अंडर-19 टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर गए हुए हैं। महज 14 की उम्र में उन्होंने अपने प्रदर्शन से क्रिकेट प्रशंसकों को हैरान किया है। आईपीएल में 35 गेंदों पर शतक के बाद वैभव ने इंडिया अंडर-19 के अभ्यास मैच में भी 90 गेंद में 190 रन की पारी खेलकर सभी को हैरान कर दिया था।

राजू ने कहा कि वैभव को भारतीय टीम की जर्सी में देखने के लिए हमें अभी और इंतजार करने की जरूरत है। इस स्पिनर ने कहा, 'हां, वह अभी काफी समय लेगा। उसे अंडर-19 विश्व कप में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। बीच में घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बनाने होंगे। 4 दिन के मैच में अच्छा करना होगा। हम उसे समय दे सकते हैं। उसमें प्रतिभा है, यह हम पहले ही देख चुके हैं पर सचिन से तुलना को वह ठीक नहीं मानते। उन्होंने भारत के लिए खेलने से पहले सचिन तेंदुलकर के घरेलू क्रिकेट में प्रदर्शन का खास तौर पर जिक्र किया।

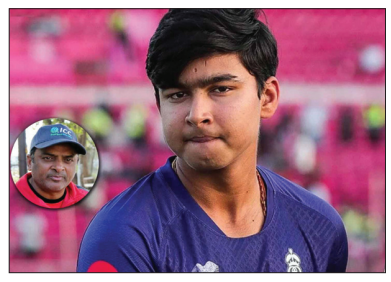

राजू ने कहा, यह निरंतरता पर निर्भर करता है। सचिन ने रणजी ट्रॉफी के डेब्यू मैच में शतक लगाया था। इसके बाद दलीप ट्रॉफी के डेब्यू मैच में शतक लगाय। शेष भारत के लिए शतक बना। वहीं ईरानी ट्रॉफी 1989 के अपने पहले मैच में भी सचिन ने शतक लगाया था।

रोहित और विराट की कप्तानी में खेलने से काफी कुछ सीखने को मिला : शुभमन

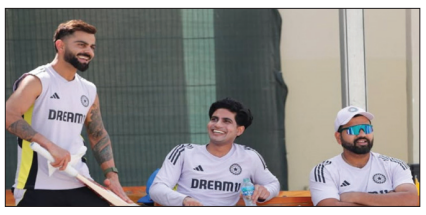

लंदन। इंग्लैंड दौरे पर भारतीय टीम की कप्तानी करने जा रहे युवा बल्लेबाज शुभमन गिल का कहना है कि उनके पास रोहित शर्मा और विराट कोहली की कप्तानी में खेलने का अनुभव है और इससे उन्हें काफी कुछ सीखने को मिला है जिसका लाभ उन्हें सीरीज में मिलेगा। शुभमन ने कहा कि कैसे रोहित मैच के दौरान साथी खिलाड़ियों को जो कुछ भी कहते थे कोई नाराज नहीं होता था। वही कोहली के पास हमेशा एक बैकअप विकल्प हुआ करता था। शुभमन के अनुसार कोहली कप्तान के तौर पर मैदान में हमेशा आक्रामक रहते थे। गेंदबाजों की सहायता के लिए उनके पास हमेशा योजना होती थी। शुभमन ने कहा, 'जब मैं विराट की कप्तानी में खेलता था तो टेस्ट मैच के दौरान मैदान में उनके आक्रामक रुख और विचारों को सोच को पसंद करता था और उसने सीखता था। वहीं अगर उन्हें लगता था कि यह ठीक है, यह योजना काम नहीं कर रही तो वह तुरंत एक दूसरी योजना रखते थे, गेंदबाजों को बताते थे कि वह उनसे क्या चाहते हैं।' वहीं रोहित की कप्तानी पर शुभकन ने कहा कि आप को ऐसा लग सकता है कि वह मैदान में आक्रामक नहीं दिखते पर जब रणनीति की बात हो तो वह बहुत ही ज्यादा आक्रामक थे। साथ ही कहा, देखने में यह लग सकता है कि रोहित शांत हैं लेकिन वह अपनी रणनीतियों को लेकर बहुत ही आक्रामक हो सकते हैं। वह बहुत ही आक्रामक कप्तान हैं। वह मैच से पहले, सीरीज के दौरान और यहां तक कि सीरीज के बाद भी साफ–साफ बता देते थे कि वह खिलाड़ियों से क्या चाहते हैं।

बीसीसीआई मुझे टेस्ट कप्तान बनाना चाहता था, मैंने इनकार कर दिया, जसप्रीत बुमराह ने पुष्टि की

नई दिल्ली (एजेंसी)। रोहित शर्मा और विराट कोहली के टेस्ट से संन्यास के बाद भारत की टेस्ट कप्तानी जसप्रीत बुमराह को मिलने की खबरें थी। लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ आगामी टेस्ट दौरे के लिए शुभमन गिल को कप्तान बनाया गया है। क्या इस बारे में बुमराह से पूछा गया, इस बारे में अटकलें लगाई जा रही थी और अब इस पर खुद बुमराह ने चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि बीसीसीआई उन्हें टेस्ट कप्तान बनाना चाहता था, लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर दिनेश कार्तिक के साथ बातचीत में जसप्रीत बुमराह ने बताया कि वह टेस्ट कप्तान क्यों नहीं बने। पीठ की बार-बार चोट लगने के कारण बुमराह पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेल सकते हैं। वह इंग्लैंड में केवल तीन मैच ही खेल पाए थे। इसलिए उन्होंने इस दौड़ से बाहर होने का फैसला किया ताकि टीम इंडिया को नुकसान न हो।

सप्रीत बुमराह ने एक इंटरव्यू में दिनेश कार्तिक को बताया, इसमें कोई आकर्षक कहानी नहीं है, कोई विवाद नहीं है या कोई हेडलाइनिंग बयान नहीं है, या मुझे बर्खास्त कर दिया गया या मेरी देखभाल नहीं की गई। आईपीएल के दौरान रोहित और विराट के रिटायर होने से पहले मैंने बीसीसीआई से पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में अपने कार्यभार के बारे में बात की थी। मैंने बीसीसीआई को फोन किया और उनसे कहा कि मैं नेतृत्व की भूमिका में नहीं देखा जाना चाहता।'

बुमराह ने कहा, 'मैंने उन लोगों से बात की थी जिन्होंने मेरी पीठ (चोट) का इलाज किया था, जिसमें सर्जन भी शामिल थी। उन्होंने हमेशा मुझे बताया था कि मुझे कार्यभार के बारे में कितना होशियार रहना है। इसलिए, हम इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि मुझे थोड़ा होशियार होना होगा। मैं सभी टेस्ट मैच नहीं खेल पाऊंगा। फिर बीसीसीआई मुझे नेतृत्व की भूमिका के लिए देख रहा था। लेकिन मैंने कहा कि यह टीम के लिए उचित नहीं है। आप पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए एक कप्तान और तीन या दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए अलग कप्तान नहीं रख सकते।'

आईसीसी के खिताबी मुकाबलों में अब तक चार बार हारी है ऑस्ट्रेलिया

मुम्बई ।अब तक सबसे अधिक आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम को भी चार बार फाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम आईपीसी टूर्नामेंट में खेलते समय बेहद जुनूनी और आक्रामक हो जाती है जो उसकी सफलता का राज माना जाता है।इसी कारण उसे अन्य टीमों से काफी अधिक सफलता मिली है।ऑस्ट्रेलिया के पास आईसीसी की सबसे ज्यादा ट्रॉफी हैं क्योंकि उसने सबसे अधिक फाइनल खेले हैं हालांकि इसके बाद भी उसे इस बार आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025 के फाइनल में कमजोर समझी जाने वाली दक्षिण अफ्रीका से हार का सामना करना पड़ा।इससे पहले तीन बार और ऑस्ट्रेलिया की टीम आईसीसी इवेंट के फाइनल में हारी झेलनी पड़ी है।ऑस्ट्रेलिया की टीम सबसे पहली बार आईसीसी टूर्नामेंट के पहले फाइनल में 1975 में वेस्टइंडीज से हारी थी।ये अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का पहला एकदिवसीय विश्वकप था।हालांकि, ऑस्ट्रेलिया एकमात्र टीम है, जिसने इन 50 सालों में सबसे ज्यादा फाइनल खेले हैं और उसे कुछ में ही हार का सामना करना पड़ा है।सबसे ज्यादा फाइनल जीते हैं, लेकिन सबसे कम फाइनल हारे हैं।साल 1975 के बाद ऑस्ट्रेलिया की टीम दूसरी बार आईसीसी एकदिवसीय विश्वकप फाइनल 1996 में श्रीलंका से हारी थी। ये दूसरा अवसर था, जब ऑस्ट्रेलिया को किसी मेगा इवेंट के खिताबी मैच में करारी हार मिली थी।इसके बाद 2010 तक कंगारु टीम कोई भी फाइनल नहीं हारी।इस दौरान कई आईसीसी इवेंट वह जीती।साल 2010 में तीसरी बार आईसीसी इवेंट के फाइनल में ऑस्ट्रेलियाई टीम हारी।ये टी20 विश्वकप फाइनल इंग्लैंड के खिलाफ हुआ था।इस प्रकार उसे तीसरी बार फाइनल में हार मिली।है, जो डब्ल्यूटीसी 2025 का फाइनल था।ऑस्ट्रेलिया ने अब तक कुल 10 आईसीसी इवेंट जीते हैं, जबकि भारतीय टीम ने 7 ट्रॉफी जीती हैं।ऑस्ट्रेलिया ने 6 एकदिवसीय विश्वकप, दो चैंपियंस ट्रॉफी और एक–एक टी20 विश्व कप और टेस्ट चैंपियनशिप जीती हैं।

5वां केयर्न्स कप शतरंज : हंपी नें हरिका को हराया , बनाई एकल बढ़त

सेंट लुइस। यूएसए में चल रही दुनिया की सबसे मज़बूत महिला प्रतियोगिताओं में से एक केयर्न्स कप केछठे राउंड में भारत की दोनों महिला खिलाड़ी विश्व रैपिड चैम्पियन कोनेरु हम्पी और हरिका द्रोणावल्ली के बीच मुक़ाबला हुआ , क्यूंकी दोनों सयुंक्त बढ़त पर चल रही थी यह मुक़ाबला बेहद महत्वपूर्ण था और ऐसे में देश की नंबर एक खिलाड़ी और कोनेरु हम्पी का पडला देश की नंबर 2 खिलाड़ी हरिका पर भारी रहा और लगातार प्रतियोगिता में अपनी तीसरी जीत दर्ज करते हुए कोनेरु हम्पी नें 6 राउंड के बाद 4.5 अंक बनाकर एकल बढ़त कायम कर ली है ।इस जीत के साथ ही हम्पी विश्व रैंकिंग में 2554 अंको पर पहुँच गयी है एक और जीत उन्हे विश्व नंबर 3 पर फिर से पहुंचा देगी फिलहाल वह चीन की लेई टिंगजे से ठीक पीछे चौंथे स्थान पर है । दोनों के बीच केटालन ओपनिंग में हुए इस मुक़ाबले में हम्पी नें शानदार मध्य खेल और एंडगेम का प्रदर्शन किया और 76 चालों तक चले मुक़ाबले में पहले हाथी और फिर अपने वजीर के शानदार खेल से जीत दर्ज की ।खैर यह दिन सिर्फ इसी मुक़ाबले के लिए परिणाम लाने वाला नहीं रहा , इस राउंड में खेले गए हर मुक़ाबले में परिणाम जीत और हार के तौर पर ही आया जिसनें टूर्नामेंट में एक नई जान फूँक दी है ।अन्य परिणामों में यूएसए की यिप करिसा नें चीन की तान ज़्होंगाई को पराजित किया तो कज़ाकिस्तान की असुबाएवा बीबीसारा नें यूएसए की ली ऐलिस को मात दी , पोलैंड की अलिना काशलिन्सक्या नें उक्रेन की मारिया मुजयचूक को मात दी जबकि जॉर्जिया की नाना दगनिडजे नें हमवतन नीनों बताश्विली को पराजित किया ।राउंड 6 के बाद हम्पी 4.5 , अलिना 4 , हरिका , यिप और ऐलिस 3.5 , बीबीसारा 3, नाना 2.5 , मारिया और तान 2 जबकि नीनों 1.5 अंक बनाकर खेल रही है ।

डबल्यूआर चैस ने जीता फीडे विश्व टीम ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप का खिताब जीता

लंदन (एजेंसी)। फीडे विश्व टीम ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप 2025 के फाइनल मुकाबले में ड्ब्रूचेस टीम ने कज़चेस को दोनों मैचों में 4-2 से हराकर विश्व टीम ब्लिट्ज शतरंज चैंपियनशिप का खिताब दूसरी बार अपने नाम किया। इससे पहले उन्होंने 2024 में कजाकिस्तान में यह खिताब जीता था।

तीन दिवसीय प्रतियोगिता के नॉकआउट चरण में 53 टीमों में से शीर्ष 16 टीमों ने जगह बनाई थी, जिसमें प्री-क्वार्टर फाइनल, क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले खेले गए। हर मुकाबले में टीमों के बीच कम से कम दो मैच हुए, और बराबरी की स्थिति में प्लेऑफ मुकाबले भी कराए गए।

फाइनल मुकाबले में चमके डबल्यूआर के सितारे

डबल्यूआर चेस ने दोनों फाइनल मैचों में 4-2 से जीत दर्ज की। अलीरेज़ा फिरोजा, हिकारु नाकामुरा और मैक्सिम वाचिए-लाग्रेव ने निर्णायक जीत दर्ज कर टीम को खिताबी जीत दिलाई।

टीम को बिग बेन और शतरंज मोहरे के मिश्रण से प्रेरित ट्रॉफी के साथ $75,000 की पुरस्कार राशि भी मिली।

तीसरा स्थान हेक्सामाइंड को

भारतीय सितारों विदित गुजराती और दिव्या देशमुख से सजी हेक्सामाइंड चेस क्लब ने उज्बेकिस्तान की टीम को दोनों मैचों में 3.5-2.5 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं रैपिड विजेता भारत की एमजीडी 1 ने फ्रीडम टीम को हराकर पांचवां स्थान हासिल किया। समापन समारोह में विश्व रैपिड टीम विजेता भारत की एमजीडी1 को भी विश्व विजेता की ट्रॉफी दी गयी ।

समापन समारोह में आनंद का संबोधन

समापन समारोह में फीडे के उपाध्यक्ष और पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद ने सभी 53 टीमों को बधाई दी । उन्होंने कहा, ÷विश्व रैपिड और ब्लिट्ज टीम जैसे टूर्नामेंट और वर्ल्ड कॉर्पोरेट चैम्पियनशिप जैसी पहलें इस खेल को दुनिया से जोड़ने का माध्यम बन रही हैं, और फीडे भविष्य में ऐसे और आयोजनों को लेकर प्रतिबद्ध है।÷

एकदिवसीय विश्वकप के बाद खेल को अलविदा कह देगीं सोफी डिवाइन

ऑकलैंड । न्यूजीलैंड महिला क्रिकेट टीम की कप्तान सोफी डिवाइन ने कहा कि आगामी महिला विश्व कप क्रिकेट के बाद वह एकदिवसीय क्रिकेट से संन्यास ले लेंगी हालांकि वह टी20 क्रिकेट खेलती रहेंगी। एकदिवसीय विश्वकप इस साल के अंत में भारत और श्रीलंका में संयुक्त रुप से खेला जाएगा। आयोजित किया जाएगा। अपने 19 साल के शानदार करियर के दौरान डिवाइन महिला क्रिकेट में सबसे अच्छे ऑलराउंडरों में से एक मानी जाती हैं। साल 2006 में 17 साल की उम्र में डिवाइन ने न्यूजीलैंड की महिला टीम के लिए एकदिवसीय में डेब्यू किया था। वह सबसे अधिक एकदिवीसय खेलने के मामले में सूजी बेट्स के बाद दूसरे स्थान पर हैं। एकदिवसीय प्रारूप में उनके नाम 3990 रन हैं और वह सबसे अधिक रन बनाने वाले चौथी खिलाड़ी हैं। उन्हें डेबी हॉकले के 4000 रन के रिकार्ड को तोड़ने की उम्मीद है। डिवाइन के नाम 107 विकेट हैं और वह न्यूजीलैंड की ओर से सबसे अधिक एकदिवसीय विकेट लेने वालों में दूसरे स्थान पर हैं। वह 2020 में कप्तान बनीं और उनकी कप्तानी में टीम साल 2022 में राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य जीतने के साथ ही पहली बार आईसीसी महिला टीम 20 विश्व कप जीतने में सफल रही

बिज़नेस कैसे शुरू करें? ऐसे मिलेगा बिज़नेस शुरू करने के लिए लोन

बिल्डिंग एसोसिएशन

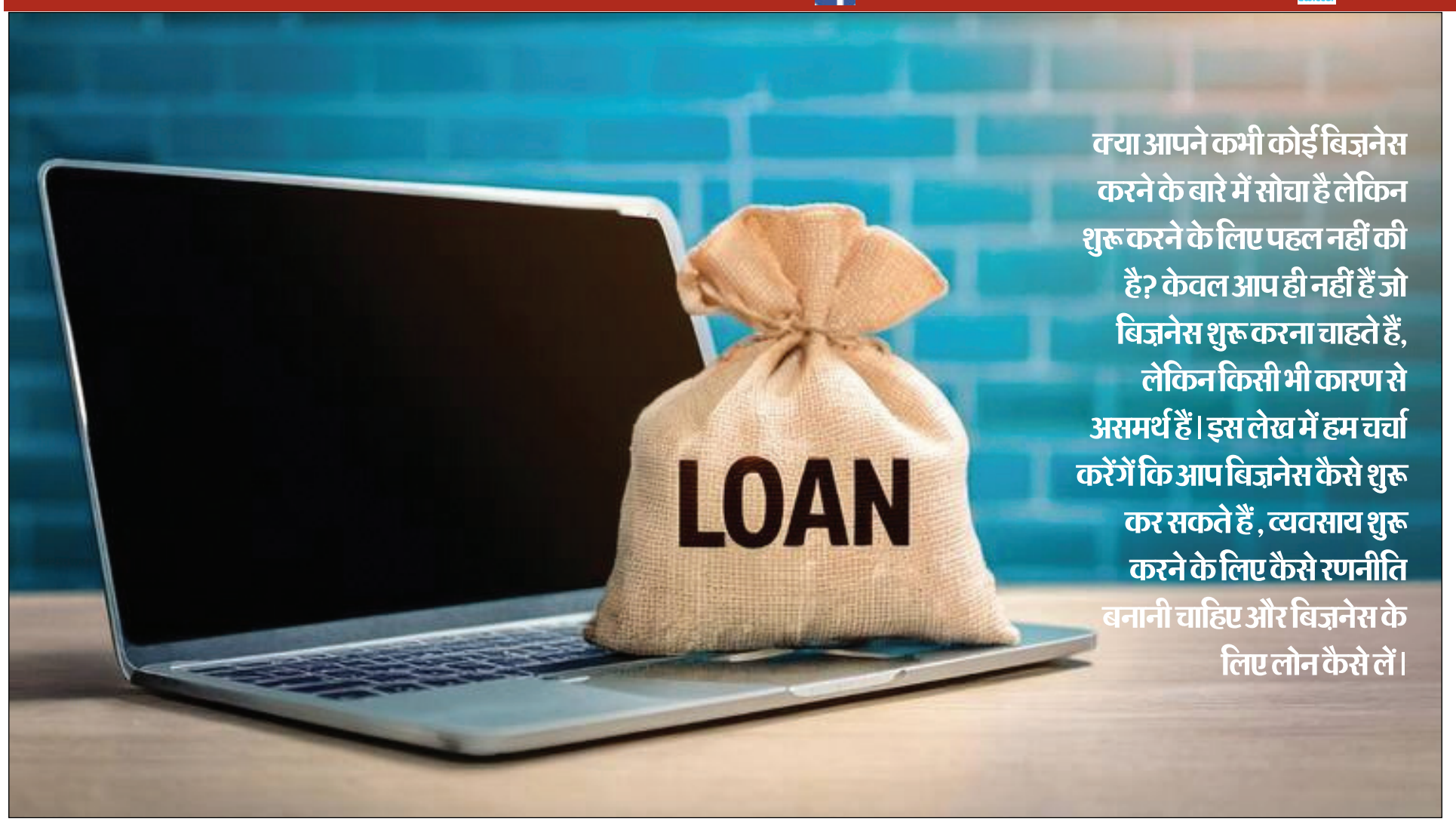

मार्केट में बने रहने और लाभ कमाने के लिए, आपको प्रभावशाली ब्लॉगर्स और फ्री/ सैंपल गिफ्ट या प्रोडक्ट के एक्सचेंज के लिए प्रमोशन करना होगा। अपनी पहचान बनाने के लिए चैरिटी संगठनों के साथ जुड़ें और कुछ प्रोडक्ट के साथ वॉलेंटियर करें। बेहतर ग्रोथ की संभावनाओं के लिए उद्योग में मौजूदा बड़े ब्रॉन्ड के साथ कोलैबोरेशन करें।

धैर्य रखें और आगे बढ़ते रहें

एक स्टार्टअप व्यवसाय के शुरूआती चरणों में, लाभ मार्जिन या ब्रेकवेन के बजाय बिक्री पर अधिक ध्यान दें। अधिकांश उद्यमियों ने धैर्य और फोकस की कमी के कारण बिज़नेस बीच में ही छोड़ दिया। व्यापार के शुरुआती चरणों के दौरान लगातार बने रहना मुश्किल काम है, इसमें निरंतरता टूटती है और ध्यान भंग होता है जिससे नुकसान होता है। इसलिए, हमेशा यह सुझाव दिया जाता है कि धैर्य रखें और कड़ी मेहनत करते रहें और सही समय आने पर अच्छे परिणाम मिलेंगे।

व्यवसायी बनने का विचार/आइडिया

वर्किंग टाइम, वर्क प्रोफाइल, लाइफस्टाइल, पब्लिक डीलिंग, निवेश का समय आदि से जुड़ें नौकरीपेशा कर्मचारी और व्यवसाय करने वाले के बीच बहुत बड़ा अंतर है। व्यवसायिक बनने से पहले दो बार सोचें। जिस प्रकार का व्यवसाय आप शुरू करना चाहते हैं, बाज़ार में इसकी मांग, व्यवसाय का आकार, निवेश की आवश्यकता और वार्षिक बजट कुछ ऐसे कारक हैं, जिन पर आपको अवश्य विचार करना चाहिए। यदि आप इन सभी सवालों के जवाब के साथ तैयार हैं, तो आप अपना खुद का बिज़नेस शुरू करने के लिए तैयार हैं।

अपने कौशल (स्किल) के अनुसार बिज़नेस चुनें

एक नया बिज़नेस शुरू करने के लिए कौशल/ स्किल तैयार करने की आवश्यकता होती है जो किसी बिज़नेस की आवश्यकताओं से मिलता हो। लोगों को उस व्यवसाय को शुरू या उसमें निवेश करना चाहिए जो कहीं न कहीं उनके कौशल से जुड़ा है। हर कोई किसी न किसी काम में अच्छा होता है; बस ज़रूरत है प्रतिभा को ढूढ़ने और उसे बेहतर बनाने की। बिज़नेसमैन बनने की योजना बनाने से पहले अपने आप को बेहतर तरीके से जानें, अपनी खूबियों और खामियों का विश्लेषण करें। एक नए क्षेत्र को पूरी तरह से चुनना जोखिमभरा है।

बिज़नेस और बाज़ार का विश्लेषण

सबसे महत्वपूर्ण कारक जो किसी व्यवसाय को सफल या असफल बनाता है। वह है बिज़नेस पर रिसर्च और मार्केट विश्लेषण। सुनिश्चित करें कि आप जो बिज़नेस शुरू करने वाले हैं, उसकी मार्केट में मांग है और ज़्यादा व्यापारियों द्वारा इस बिज़नेस को न किया जा रहा हो। अपने बिज़नेस के कॉम्पिटिटर्स को ढूंढें और बिज़नेस करने के उनके स्टाइल का पता लगाएं। अपने बिज़नेस से जुड़े प्रोडक्ट, कच्चे माल, मशीनरी, उपकरण, आदि की मांग को पूरा करने के लिए सप्लायर का पता लगाएं। बाज़ार में पहले से ही बेचे गए प्रॉडक्ट के खर्च और कीमतों को ट्रैक करें और देखें कि लोगों को अंत में लाभ कितना हो रहा है।

खर्च जानें

आपको यह तय करने की आवश्यकता है कि बिज़नेस शुरू करने में आपका कितना खर्च आएगा। अगला सवाल आपको खुद से पूछने की ज़रूरत है कि 'क्या आपके पास अपना बिज़नेस शुरू करने के लिए उचित फंड है या आपको बैंक से लोन लेने की आवश्यकता होगी?' यदि आपको और अधिक पैसों की आवश्यकता है तो आपके लिए बिज़नेस लोन के लिए आवेदन करना सबसे सुरक्षित विकल्प है। यह कदम पहले से उठाया जाना चाहिए क्योंकि अधिकांश स्टार्टअप स्थापित होने में विफल होते हैं क्योंकि वे अपने बिज़नेस की स्थापना के शुरुआती चरणों में पैसों की मांग को पूरा नहीं कर पाते हैं।

बिज़नेस प्लान बनाना

बिज़नेस प्लान में आपके व्यवसाय से जुड़ी सभी जानकारी शामिल होनी चाहिए। यह मूल रूप से आपके बिज़नेस और इसकी ग्रोथ में मदद करने के लिए एक रोड मैप है। बिज़नेस प्लान आपके लाभ का परीक्षण करने और आपकी आर्थिक आवश्यकताओं को समझने में मदद करती है। इसके अलावा, यदि आप व्यवसाय बढ़ाने के उद्देश्यों के लिए बिज़नेस लोन लेना चाहते हैं, तो अच्छी तरह से बिज़नेस प्लान को लोन संस्थानों में जमा करें, जिसमें बैंक और एनबीएफसी शामिल हैं।

स्थान तय करें

बिज़नेस के लिए लोकेशन सबसे महत्वपूर्ण फैसलों में से एक है जो एक एंटरप्रेन्योर लेता है, क्योंकि यह व्यवसाय का भविष्य तय करने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने बिज़नेस की भौतिक उपस्थिति स्थापित करने के लिए, दो बातों पर विचार करना चाहिए। पहला ग्राहकों के उद्देश्य के लिए उनकी आवश्यकता और दूसरा मार्केट / शॉपिंग मॉल। यह नेटवर्किंग के अवसरों और ग्राहक आधार को बढ़ाता है।

अपने बिज़नेस को सेट करना

एक बार लोकेशन फाइनल हो जाने के बाद और रेंट एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किया जाता है (यदि लागू हो), तो अगली बड़ी बात आपके बिज़नेस को नीचे दी गई बातों के पर भी ध्यान देना चाहिए-

अपने बिज़नेस का नाम

अपने बिज़नेस को रजिस्टर्ड करना

कंपनी के नाम के तहत एक करंट अकाउंट खोलना

एक टिन, पैन और जीएसटी नंबर प्राप्त करना

अकाउंट सिस्टम चुनना

एक वेबसाइट बनाना

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट खोलना

ये कदम आपके बिज़नेस को बेहतर तरीके से व्यवस्थित करने में आपकी मदद करेंगे और व्यवसाय की ग्रोथ को बढ़ाएँगे।

स्टाफ को काम पर रखना शुरू करें

शुरूआत में बिज़नेस चलाने के लिए आपको कितने स्टाफ की ज़रूरत है, उसकी चयन करें। साथ ही, बेहतर कौशलता, प्रॉडक्टिविटी और लाभ के लिए अनुभवी और कुशल लोगों को काम पर रखें। बिज़नेस के आकार के आधार पर आप संबंधित व्यवसाय टाइप के अनुसार, अधिकारियों, ग्राहकों की देखभाल के प्रतिनिधियों, मार्केटिंग एक्सपर्ट, अकाउंटेंट, ड्ढ्ढ पेशेवरों, ॥क्र कर्मियों और अन्य पेशेवरों को काम पर रख सकते हैं।

अपने बिज़नेस का ब्रान्ड और विज्ञापन करें

अपने बिज़नेस का एक लोगो बनाएं जिससे ग्राहक आपके बिज़नेस का आसानी से पहचान सकें। लोगों को अपने व्यवसाय के बारे में बताएं ताकि आपके पास सामान या सेवाएं खरीदने के लिए आ सकें। अपने बिज़नेस के विस्तार के लिए अपनी वेबसाइट और सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर अकाउंट बनाएं। एक मार्केट प्लान बनाएं, इसलिए व्यवसाय के शुरुआती छह महीनों में उसका विज्ञापन करने के लिए एक निश्चित बजट होना चाहिए।

गाइड बनकर भी कर सकते हैं लाखों की कमाई, ऐसे कर सकते हैं शुरूआत

शॉर्ट टर्म कोर्स कर बना सकते हैं करियरकरियर बनाने के लिए जरूरी नहीं कि कोई बड़ा कोर्स या फिर डिग्री ली जाए. अगर आपके पास हुनर है तो आप किसी भी फील्ड में अपना शानदार करियर बना सकते हैं. आपने कई टूरिस्ट गाइडों को देखा होगा, जो सिर्फ अपने तजुर्बे और इतिहास का ज्ञान रखकर हजारों टूरिस्ट्स को घुमाते हैं और काफी अच्छा पैसा भी कमा लेते हैं. एक गाइड बनने के लिए जरूरी नहीं है कि आपके पास कोई डिग्री हो. कुछ महीनों के डिप्लोमा के साथ इसके लिए बस आपको अपने आस-पास के शहरों की अच्छी जानकारी होनी चाहिए. हम आपको यहां बता रहे हैं कि गाइड बनकर कैसे आप अपने करियर को एक नया मोड़ दे सकते हैं और घूमते फिरते कमाई कर सकते हैं.

संस्कृति और इतिहास का ज्ञान -एक गाइड बनने से पहले यह जरूर सोच लें कि क्या आपको अपने शहर की संस्कृति या फिर उसके इतिहास का पूरा ज्ञान है. अगर ऐसा नहीं है तो आप एक अच्छे गाइड नहीं बन सकते हैं. कोई भी टूरिस्ट आपसे कुछ भी प्रश्न कर सकता है

और गलत उत्तर से आप उनका भरोसा खो देंगे. इसीलिए इतिहास की हर छोटी और रोमांचक जानकारियां अपने पास रखें.

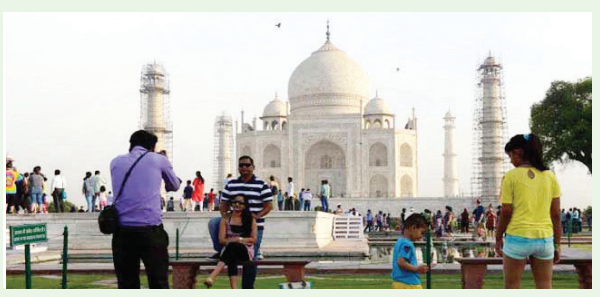

हाजिर जवाब होना भी जरूरी - किसी भी गाइड को हाजिर जवाब होना जरूरी होता है. इससे पता चलता है कि आप कितने अनुभवी हैं और आपको चीजों की कितनी समझ है. बातों को रोमांचक तरीके से लोगों को बताना एक कला है, जो एक गाइड के तौर पर सीखना बहुत जरूरी है. आपके साथ मौजूद टूरिस्ट्स को जानकारी के साथ-साथ आपकी बातों से मजा भी आना चाहिए.

लोगों की जेब का रखें खयाल -अगर आप एक गाइड हैं तो आपको लोगों की यानि जिन्हें आप घुमा रहें हैं उनकी जेब का खयाल रखना जरूरी है. ऐसे में लोगों को किसी रीजनेबल होटल, रेस्तरां आदि में खाना खिलाना, किसी अच्छे होटल में ठहराना और टैक्सी आदि की सुविधा मुहैया करवाने जैसी सुविधाएं शामिल हैं.

कुछ महीनों का डिप्लोमा कोर्स - गाइड के कोर्स के लिए देशभर में कई इंस्टीट्यूट 3 या 6 महीना का डिप्लोमा कोर्स करवाते हैं. ऐसे कोर्स करके आप आधिकारिक तौर पर एक गाइड के रूप में काम कर सकते हैं. इस कोर्स में आपको टूरिस्ट्स के साथ बात करने के जरूरी टिप्स भी बताए जाते हैं.

मौके भी कम नहीं - अगर आपने किसी अच्छे संस्थान से टूरिज्म ट्रैवल एडमिनिस्ट्रेशन एंड मैनेजमेंट का कोर्स किया है तो आपके पास मौकों की कोई भी कमी नहीं होगी. कई ऐजेंसियां इसके लिए वेकेन्सी निकालती हैं और एक अच्छे पैकेज पर गाइड हायर करती हैं.

ये हैं एयरफोर्स में करियर बनाने के छह आसान रास्ते

आपके कौन सा सही रहेगा

भारतीय वायुसेना में करियर बनाना कई युवाओं का सपना होता है। अगर आप भी एयरफोर्स में शामिल होने का विचार कर रहे हैं, तो जानिए वो छह आसान तरीके जिनसे आप इस गौरवपूर्ण करियर का हिस्सा बन सकते हैं।

भारतीय वायुसेना देश की ताकतवर और सम्मानित सेनाओं में से एक है। यहां नौकरी करना सिर्फ एक प्रोफेशन नहीं, बल्कि देशसेवा और गर्व की बात मानी जाती है। हर साल हजारों युवा एयरफोर्स का हिस्सा बनने का सपना देखते हैं, लेकिन बहुत से लोग यह नहीं जानते कि इस फोर्स में भर्ती होने के कई रास्ते हैं। 12वीं के बाद से लेकर ग्रेजुएशन और डिप्लोमा तक, हर स्तर पर एंट्री पॉसिबल है।

अगर आप भी आसमान में उड़ना चाहते हैं और वर्दी पहनना आपका सपना है, तो जानिए कौन-कौन से एग्जाम और एंट्री स्कीम्स हैं, जिनसे आप भारतीय वायुसेना का हिस्सा बन सकते हैं।

12वीं के बाद एयरफोर्स में ऑफिसर बनने का मौका (एनडीए)

एनडीए एग्जाम यूपीएससी द्वारा साल में दो बार आयोजित किया जाता है। इसमें 12वीं (फिजिक्स + मैथ्स) पास लड़के हिस्सा ले सकते हैं। सेलेक्शन के बाद कैंडिडेट्स एनडीए पुणे में ट्रेनिंग पाते हैं और फिर एयरफोर्स अकादमी में भेजे जाते हैं। यहां से पासआउट होकर वे फ्लाइंग ब्रांच या टेक्निकल/नॉन-टेक्निकल ब्रांच में ऑफिसर बनते हैं।

ग्रेजुएशन के बाद ऑफिसर की सीधी एंट्री

सीडीएस एग्जाम भी यूपीएससी द्वारा लिया जाता है और ग्रेजुएट कैंडिडेट्स इसके जरिए एयरफोर्स एकेडमी (ड्ठ्ठ, हैदराबाद) में दाखिला पा सकते हैं। यह परीक्षा साल में दो बार होती है और सफल कैंडिडेट्स को फ्लाइंग ऑफिसर की ट्रेनिंग दी जाती है।

वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा

वायु सेना सामान्य प्रवेश परीक्षा भारतीय वायुसेना द्वारा आयोजित एक कॉमन एंट्रेंस टेस्ट है, जिसके जरिए फ्लाइंग, ग्राउंड ड्यूटी (टेक्निकल और नॉन-टेक्निकल) ब्रांच में भर्ती होती है। यह पुरुष और महिला दोनों के लिए खुला होता है और इसमें ग्रेजुएट्स आवेदन कर सकते हैं। हर साल दो बार यह परीक्षा होती है और इसे सबसे सुगम तरीका माना जाता है।

12वीं या डिप्लोमा के बाद एयरमैन भर्ती

भारतीय वायुसेना हर साल ग्रुप एक्स और ग्रुप वाय ट्रेड्स में भर्ती आयोजित करती है। ग्रुप एक्स में टेक्निकल ट्रेड्स आते हैं जैसे- मैकेनिकल, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स आदि। वहीं ग्रुप वाय में नॉन-टेक्निकल पोस्ट होती हैं, जैसे- क्लर्क, मेडिकल असिस्टेंट और अन्य सपोर्ट स्टाफ। अगर आपने 12वीं (साइंस स्ट्रीम) या तकनीकी डिप्लोमा किया है, तो आप भारतीय वायुसेना में एयरमैन पद के लिए आवेदन कर सकते हैं।

बिना लिखित परीक्षा के सीधा इंटरव्यू

यदि आपने एनसीस एयर विंग से सी सर्टिफिकेट प्राप्त किया है, तो आप एयरफोर्स में फ्लाइंग ब्रांच के लिए बिना कोई लिखित परीक्षा दिए आवेदन कर सकते हैं। इस एंट्री स्कीम के तहत एएफसीएटी या सीडीएस जैसी परीक्षाएं देने की आवश्यकता नहीं होती। इसमें केवल एसएसबी इंटरव्यू होता है और यह रास्ता ज्यादा कॉम्पिटीशन वाले लोगों के लिए बेहतरीन माना जाता है।

अग्निवीर वायू

सरकार की नई योजना 'अग्निपथ' के तहत एयरफोर्स में भी अग्निवीर वायू की भर्ती शुरू हुई है। इसमें 17.5 से 21 साल के युवा आवेदन कर सकते हैं और चार साल की सर्विस के बाद कुछ प्रतिशत को परमानेंट नियुक्ति मिलती है। यह स्कीम युवाओं को फौज में आने का नया अवसर देती है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

चारधाम यात्रा में हेलिकॉप्टर सेवा बहाल, डीजीसीए की गाइडलाइन के मुताबिक संचालित

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में चारधाम यात्रा में हेलिकॉप्टर सेवा को बहाल कर दिया गया है। इसके पहले हेलिकॉप्टर सेवा को हादसे के बाद कुछ समय के लिए स्थगित हुआ था। अब इस हेलीकॉप्टर सेवा को फिर से बहाल किया गया है। उत्तराखंड सिविल एविएशन डेवलपमेंट अथॉरिटी की सीईओ सोनिका ने ये जानकारी दी है। गौरतलब है कि केदारनाथ घाटी में एक प्राइवेट हेलीकॉप्टर का एक्सीडेंट हो गया था। इसमें पांच श्रद्धालुओं सहित सात लोगों की मौत हुई थी। इस घटना के बाद उत्तराखंड सरकार ने चारधाम यात्रा के लिए हेलीकॉप्टर सेवाओं कुछ दिनों के लिए रोक दिया था। हेली उड़ानों के लिए कोई परेशानी ना हो इसके लिए राज्य सरकार ने कमांड एंड कोऑर्डिनेशन सेंटर स्थापित करने का निर्देश दिया है। सोनिका का कहना है कि हेलीकॉप्टर सेवाएं अब डीजीसीए की गाइडलाइन के मुताबिक संचालित होंगी। सरकार ने सभी हेली ऑपरेटरों और पायलटों को भी निर्देश दिया है कि उनकी जांच की जाएगी कि उन्हें हिमालयी क्षेत्रों में उड़ान का अनुभव है या नहीं। जो भी नियमों का उल्लंघन करता हुआ पाया जाएगा उनके खिलाफ सख्त जांच होगी।

कोझिकोड पुलिस ने सेक्स रैकेट चलाने के आरोपी दो पुलिसकर्मियों को हिरासत में लिया

कोझिकोड (एजेंसी)। केरल के कोझिकोड स्थित मालापराम्बु में सेक्स रैकेट चलाने के आरोपी दो पुलिसकर्मियों को हिरासत में लिया गया। दोनों ही फरार चल रहे थे। पुलिसवालों पर आरोप है कि दोनों की मदद से स्पा की आड़ में सेक्स रैकेट चल रहा था। जहां ये सब कुछ चल रहा था, उस बुजुर्गों की देखभाल के लिए सेवाएं देने वाली एजेंसी के तौर पर पेश किया गया था। दोनों आरोपियों की पहचान वरिष्ठ सिविल पुलिस अधिकारी (सीपीओ) शैजित और सीपीओ सानिथ के रूप में हुई है। दोनों कोझिकोड शहर के पुलिस नियंत्रण कक्ष में ड्राइवर थे। सेक्स रैकेट मामले में नाम सामने आने के बाद कोझिकोड शहर के पुलिस आयुक्त ने दोनों को निलंबित किया। पुलिस जांच दल ने दोनों को तब गिरफ्तार किया जब वे मामले की मुख्य आरोपी बिन्दु की कार में थे। इस महीने की शुरुआत में बिंदु और आठ अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इन?हें मलापराम्बु के अपार्टमेंट में सेक्स रैकेट चलाते हुए पाया गया था। पड़ोस के रहने वाले लोगों की सूचना पर पुलिस ने छापेमारी की। छापेमारी के दौरान उन्होंने संचालकों, ग्राहकों और यौनकर्मियों सहित नौ लोगों को हिरासत में लिया। पकड़े गए लोगों में छह महिलाएं और कुछ पुरुष शामिल हैं, जिनके ग्राहक होने का अनुमान है। पुलिस ने बताया कि इस मामले में एक और व्यक्ति को गिरफ्तार किया जाना है, जो फिलहाल बहरीन में काम करता है। अपार्टमेंट के मालिक का दावा हैं कि बहरीन फुटबॉल क्लब से जुड़े एक फिजियोथेरेपिस्ट को यह पट्टे पर दिया गया था। उन्होंने बताया कि उन्हें किसी भी अवैध गतिविधि के बारे में जानकारी नहीं है, क्योंकि किराया नियमित रूप से मिल रहा था।

आदिवासी मजदूर को नहीं मिली एंबुलेंस, थैली में बेटी का शव लेकर गांव गया

पालघर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पालघर जिले से सरकारी स्वास्थ्य तंत्र की पोल खोलने वाली घटना सामने आई है। फिर महाराष्ट्र में सरकारी सिस्टम एकदम लाचार दिखा है। जोगलवाड़ी गांव निवासी एक आदिवासी मजदूर को अपनी मृत नवजात बेटी के शव को प्लास्टिक की थैली में लपेटकर राज्य परिवहन की बस से अपने गांव गया। आदिवासी मजदूर का आरोप है कि नासिक सिविल अस्पताल ने शव ले जाने के लिए एंबुलेंस देने से इंकार किया था। कटकारी आदिवासी समुदाय से आने वाले सखरम कावर ने कहा, मैंने अपनी बच्ची को स्वास्थ्य तंत्र की लापरवाही और बेरुखी के कारण खो दिया। सखरम और उनकी पत्नी अविता (26) दिहाड़ी पर मजदूरी करके गुजर करते हैं। हाल ही तक बदलापुर (ठाणे) में एक ईंट भट्ठे पर काम कर रहे थे। सखरम और उनकी पत्नी अविता सुरक्षित प्रसव के लिए अपने गांव लौटे थे। 11 जून को प्रसव पीड़ा शुरू होने पर सरकारी एम्बुलेंस नहीं आई और अंततः कई अस्पतालों के चक्कर काटने के बाद, 12 जून की रात नासिक में बच्ची मृत जन्मी। अगली सुबह अस्पताल ने शव सौंप दिया, लेकिन परिवहन की कोई व्यवस्था नहीं की। इसके बाद मैंने 20 रुपये में थैली खरीदी, बच्ची को कपड़े में लपेटा और बस से गांव लौटा। उन्होंने बताया कि 13 जून को जब पत्नी को घर लाने नासिक लौटे, तब भी एम्बुलेंस नहीं दी गई। स्वास्थ्य अधिकारियों ने आरोपों को खारिज कर कहा कि सखरम ने स्वयं एम्बुलेंस लेने से इंकार किया था और अस्पताल ने सभी जरूरी मदद दी।

मणिपुर में बड़ी मात्रा में मिला हथियार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर में 8 से 15 जून के बीच भारतीय सेना और असम राइफल्स ने मणिपुर पुलिस, सीआरपीएफ, बीएसएफ और आईटीबीपी के साथ मिलकर कई जिलों में संयुक्त अभियान चलाया। थौबल, चुराचांदपुर, ककचिंग, तेंग्नौपाल, इम्फाल ईस्ट और इम्फाल वेस्ट जिलों में हुए इन ऑपरेशनों में 4 उग्रवादियों को पकड़ा गया और 23 हथियार, 10 आईईडी, ग्रेनेड, भारी मात्रा में गोलाबारूद और युद्ध सामग्री बरामद हुई। 8 जून को तेंग्नौपाल में दो इम्प्रूवाइज्ड मोर्टार, 12 जून को थौबल, चुरा चांदपुर और इम्फाल ईस्ट में कुल 12 हथियार, 13 जून को तेंग्नौपाल में 3 हथियार और 10 आईईडी, जबकि 14 जून को ककचिंग और इम्फाल ईस्ट से 6 हथियार और विस्फोटक बरामद किए गए। पकड़े गए उग्रवादियों और सामग्री को मणिपुर पुलिस को सौंपा गया। यह कार्रवाई राज्य में शांति बहाली की दिशा में अहम मानी जा रही है।

गुरुधामों के लिए नहीं जाएगा सिख जत्था

अमृतसर (एजेंसी)। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी सीमा तनाव को देखते हुए शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सिख श्रद्धालुओं का जत्था पाकिस्तान भेजने से मना कर दिया है। महाराजा रणजीत सिंह की पुण्यतिथि पर पाकिस्तान स्थित गुरुद्वारों की यात्रा पर हर साल जत्था रवाना होता था। इस साल ये यात्रा 29 जून को लाहौर के लिए रवाना होनी थी। कमेटी ने कहा कि मौजूदा हालात में यह निर्णय सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए लिया गया है।

मॉनसून ने पकड़ी रफ्तार... दिल्ली-एनसीआर में बारिश, बिहार-झारखंड में भी मौसम बदला

मप्र में 19 जिलों को कवर किया मानसून

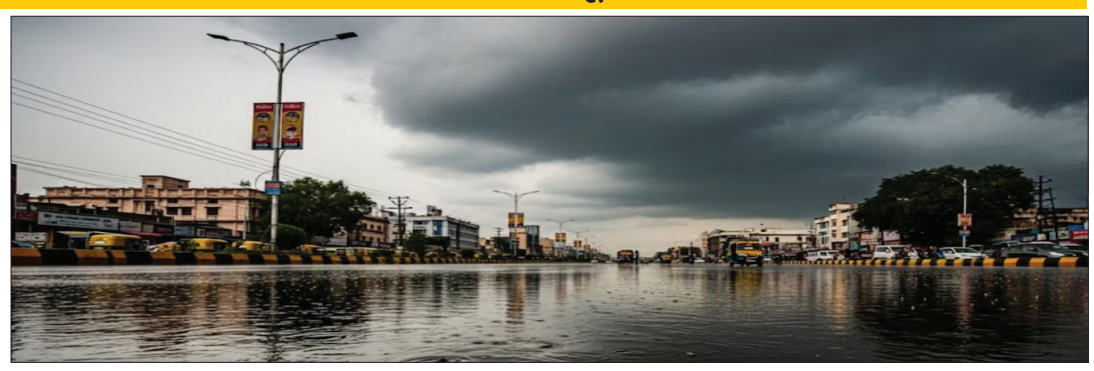

नई दिल्ली/भोपाल (एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून मंगलवार को फिर आगे बढ़ा है। मॉनसून उत्तरी अरब सागर और गुजरात के अतिरिक्त भागों के साथ-साथ विदर्भ के बचे हुए हिस्सों में आगे बढ़ा है। इसके अलावा, मध्य प्रदेश के कुछ हिस्से, छत्तीसगढ़ के अधिकांश हिस्से, ओडिशा के शेष क्षेत्र, झारखंड के कुछ हिस्से, समूचा गंगा का तटीय क्षेत्र, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के बचे हुए क्षेत्र और बिहार के कुछ हिस्से भी दक्षिण-पश्चिम मॉनसून के प्रभाव में आ गए हैं। इसके साथ ही देश की राजधानी दिल्ली के मौसम में भी तब्दीली आई है। दोपहर से दिल्ली-नोएडा समेत इसके आसपास के इलाकों में हल्की बारिश शुरू हुई है।

वहीं इंदौर समेत मध्यप्रदेश के 15 जिलों में मंगलवार को मानसून ने दस्तक दे दी। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम प्रदेश में अलीराजपुर, झाबुआ, धार, इंदौर, देवास, हरदा, खंडवा, बैतूल, नर्मदापुरम, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, बालाघाट, मंडला और डिंडौरी जिलों में पहुंच गया। आज 38 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट है। इससे पहले सोमवार को बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर और खंडवा में मानसून पहुंचा था। इस तरह मानसून ने 2 दिन में प्रदेश के 19 जिलों को कवर कर लिया है। इधर, मंगलवार सुबह करीब 11 बजे छिंदवाड़ा में तेज बारिश हुई। ग्रामीण इलाकों- जुन्नारदेव, बिछुआ, नवेगांव में भी पानी गिरा। मौसम विभाग के मुताबिक, अगले 2 दिन में मानसून भोपाल में दस्तक दे सकता है। वहीं, सबसे आखिरी में ग्वालियर-चंबल में पहुंचेगा। मौसम विभाग की मानें तो एक सप्ताह में मानसून पूरे प्रदेश को कवर कर लेगा। इससे पहले प्रदेश में आंधी-बारिश का दौर रहेगा। कहीं-कहीं भारी या अति भारी बारिश भी हो सकती है।

जबलपुर समेत 38 जिलों में आंधी-बारिश का अलर्ट

मौसम विभाग ने प्रदेश के अधिकांश हिस्से में मौसम का मिजाज बदलने का अनुमान जताया है। उमरिया, शहडोल, मैहर और सीधी में तूफानी हवा चलने का अलर्ट है। हवा की रफ्तार 80 किलोमीटर प्रतिघंटा तक रह सकती है। सिंगरौली, सतना, कटनी, पन्ना, अनूपपुर, डिंडौरी, रीवा, जबलपुर में भी तेज आंधी के साथ बारिश हो सकती है। मुरैना, छिंदवाड़ा, बैतूल, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला, बालाघाट, नरसिंहपुर, नर्मदापुरम, श्योपुर, ग्वालियर, शिवपुरी, छतरपुर, दमोह, टीकमगढ़, सतना, मऊगंज, सागर, अलीराजपुर, रतलाम, भिंड, मंदसौर, नीमच, आगर-मालवा, खंडवा, देवास और राजगढ़ में बिजली गिरने के साथ हल्की आंधी चल सकती है।

जनगणना का काम देशहित में ईमानदारी से पूरा होना चाहिए : मायावती

लखनऊ। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम मायावती ने मोदी सरकार से कहा कि जनगणना का काम देशहित में ईमानदारी से पूरा होना चाहिए। बसपा मुखिया ने पोस्ट कर लिखा कि भाजपा ने केंद्र में अपने 11 वर्षों के कार्यकाल के बारे में जो अपार उपलब्धियां वर्णित की हैं, वे

जमीनी हकीकत में लोगों की गरीबी, बेरोजगारी, दुख-दर्द आदि दूर करने अर्थात जन और देशहित में कितनी लाभदायक रही हैं, सही समय आने पर जनता खुद उनका जवाब दे देगी, जिसकी पूरी उम्मीद है। उन्होंने कहा कि देश में राष्ट्रीय और जातीय जनगणना का भी कार्य कांग्रेस के समय से लटका हुआ था, जिस पर काफी आवाज उठाने के बाद अब मामले में प्रक्रिया शुरू हुई है। जनकल्याण से सीधे तौर पर जुड़ा जनगणना का यह कार्य देशहित में ईमानदारीपूर्वक पूरा होना चाहिए। केंद्र की सरकार इस पर ध्यान दे। मायावती ने कहा कि इन मामलों में पार्टी के लोगों को सही तथ्यों से अवगत कराने और उन्हें सजग करने के साथ ही पार्टी के संगठन से संबंधित दिए गए कार्यों की समीक्षा उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों की भी छोटी-छोटी बैठकों के जरिए विचार-विमर्श लगातार जारी है। पार्टी हित में इन पर पूरा ध्यान जरूरी है। यह अभियान मेरे द्वारा बैठकों से शुरू होकर अनवरत जारी है। ताजा बैठक पूर्वांचल में पार्टी संगठन की तैयारी और जनाधार को बढ़ाने के संबंध में हुई और सख्ती भी की गई। साथ ही, बिहार में होने वाले विधानसभा आम चुनाव से सम्बन्धित रणनीति पर भी तैयारी जारी है ताकि बेहतर रिजल्ट आ सके।

केंद्रीय गृह राज्यमंत्री राय का तेजस्वी से सवाल... आपने बाबासाहेब के लिए आज तक क्या किया

पटना (एजेंसी)। मोदी सरकार में केंद्रीय गृह राज्यमंत्री और भाजपा के नेता नित्यानन्द राय ने राजद के नेता तेजस्वी यादव पर जोरदार निशाना साधा है। उन्होंने राजद अध्यक्ष लालू के बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर के अपमान करने को लेकर सवाल पूछा गया। केंद्रीय राज्यमंत्री राय ने सवाल किया कि जब तेजस्वी यादव कांग्रेस के साथ थे और कांग्रेस की गोद में थे, तब उन्होंने बाबासाहेब के लिए क्या किया? केंद्रीय मंत्री राय ने तेजस्वी यादव को निशाने पर लेकर लिखा, तेजस्वी, आप मुद्दों की राजनीति नहीं, बल्कि भ्रष्टाचार की राजनीति करते हैं, परिवारवाद की राजनीति करते हैं और जंगलराज की राजनीति करते हैं, जो आपकी पहचान है और इस पहचान को बिहार के लोग भली-भांति जानते भी हैं, समझते भी हैं। बिहार की जनता आपके झांसे में आने वाली नहीं है, आपके हकीकत से पूरा बिहार वाकिफ है।

इसके बाद उन्होंने राजद को निशाने पर लेकर कहा, राजद

अंबेडकर के नाम पर सियासत भी करती है और उन्हें अपमानित करने का काम भी करती है। किस तरह से बाबासाहेब की तस्वीर को लालू यादव के जन्मदिन के मौके पर उनके पैरों के पास रखकर अपमानित किया गया, वहां वाक्या पूरे देश ने देखा है। उन्होंने सवाल किया, जब आप सत्ता में रहते हैं, तब बाबासाहेब याद नहीं आते और जब सत्ता से बाहर होते हैं, तब बाबासाहेब के नाम पर राजनीति करते हैं। मैं पूछना चाहता हूं कि आपने बाबासाहेब के सम्मान के लिए क्या किया है? जब आप कांग्रेस के साथ थे और कांग्रेस के गोद में थे, तब आपने बाबासाहेब के लिए क्या किया? इसका जवाब दीजिए?

जस्टिस वर्मा के समर्थन में सिब्बल बोले- शेखर यादव के खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं की?

नई दिल्ली (एजेंसी)। राज्यसभा सांसद और वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने जज यशवंत वर्मा के खिलाफ प्रस्तावित महाभियोग प्रक्रिया को लेकर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि वर्मा के खिलाफ आरोप इतने स्पष्ट नहीं हैं कि उनके आधार पर महाभियोग चलाया जाए। सिब्बल ने कहा, इस मामले में जांच के बिना किसी नतीजे पर नहीं पहुंचा जा सकता। महज कुछ वीडियो क्लिप और जले हुए नोटों की बातें, जो मीडिया में आई हैं, उन्हें बिना जांच के आधार नहीं बनाया जा सकता।

ये भी तो बताएं कि इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज शेखर यादव के खिलाफ कार्रवाई रुकी क्यों?

एक इंटरव्यू में कपिल सिब्बल ने आरोप लगाया कि सरकार पक्षपात कर रही है। सिब्बल ने सरकार और राज्यसभा के सभापति पर इलाहाबाद हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति शेखर यादव के खिलाफ 55 सांसदों द्वारा हस्ताक्षरित महाभियोग प्रस्ताव पर छह महीने से कोई कार्रवाई न करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, न्यायमूर्ति यादव का सांप्रदायिक भाषण स्पष्ट है और इसे उन्होंने अस्वीकार नहीं किया। फिर भी, सभापति ने हस्ताक्षरों की जांच के लिए इतना समय क्यों लिया? यह स्पष्ट है कि सरकार इस न्यायाधीश को बचाना चाहती है। सिब्बल ने यह भी सवाल उठाया कि सभापति ने मुख्य न्यायाधीश को न्यायमूर्ति यादव के खिलाफ इन-हाउस जांच को रोकने के लिए पत्र क्यों लिखा, जबकि न्यायमूर्ति वर्मा के मामले में ऐसा नहीं किया गया। उन्होंने मांग की कि विपक्ष को न्यायमूर्ति यादव के खिलाफ महाभियोग प्रक्रिया पहले शुरू करने पर जोर देना चाहिए। सिब्बल ने कहा कि पहले जज यादव के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए, उसके बाद ही वर्मा के मामले पर विचार होना चाहिए।

ऐसे महाभियोग नहीं चलाया जा सकता

सिब्बल ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट की इन-हाउस जांच कोई वैधानिक जांच नहीं है और इसके आधार पर महाभियोग नहीं चलाया जा सकता। उन्होंने कहा, महाभियोग तभी लाया जाना चाहिए जब सांसदों को

जज की कथित गतिविधियों पर पूरा विश्वास हो, जैसा कि हमने जस्टिस दीपक मिश्रा के मामले में किया था। सिब्बल ने यह भी सवाल उठाया कि क्या तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को इन-हाउस रिपोर्ट राष्ट्रपति को भेजनी चाहिए थी। यह संसद का विषय है, न्यायपालिका का नहीं।

राहत : लगातार तीसरे दिन कोविड संक्रमण के मामलों में आई गिरावट

नई दिल्ली। कोविड के नए वैरिएंट की रफ्तार थमने से राहत मिली है। लगातार तीसरे दिन भारत में कोविड संक्रमण के मामलों में गिरावट आई है। ताजा आंकड़ों से पता चलता है कि देशभर में एक्टिव केस घटकर 7 हजार से नीचे पहुंच गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने ये नए आंकड़े जारी किए हैं। कोविड संक्रमण को लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को सुबह 8 बजे तक के आंकड़े जारी किए हैं। मंत्रालय के मुताबिक देशभर में एक ही दिन में संक्रमण के 428 मामले कम हुए हैं। इससे अब कोविड के एक्टिव मामलों की संख्या घटकर 6836 हो गई है। इसके पहले सोमवार को संक्रमण के मामलों में 119 की गिरावट आई थी। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक पिछले 24 घंटों में केरल में सबसे ज्यादा कमी आई वहां 261 मामले कम हुए। इसके अलावा गुजरात में 185, दिल्ली में 94, महाराष्ट्र में 28, आंध्र प्रदेश में 18, सिक्किम में 13, असम में 3, तेलंगाना-बिहार-छत्तीसगढ़ और गोवा में एक-एक घटे हैं।

विदेश मामलों की संसदीय कमेटी की हुई बैठक, शशि थरूर ने दी बड़ी जानकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मामलों पर संसद की स्थायी समिति की मंगलवार को शाम 4 बजे बैठक की। विदेश मामलों पर संसदीय समिति की बैठक के समापन पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा कि हमारे पास भारत की हिंद महासागर रणनीति नामक एक विषय पर चर्चा चल रही थी, जो एक विदेश नीति का विषय है, जिसके महत्वपूर्ण रक्षा आयाम हैं। हमें जानकारी देने के लिए रक्षा सचिव और नौसेना भी मौजूद थे। चर्चाएं शानदार रहीं। हमने विभिन्न पहलुओं पर गंभीर चर्चा में ढाई घंटे से अधिक समय बिताया, जिसे आप संसद में प्रस्तुत रिपोर्ट में देखेंगे।

शशि थरूर ने कहा कि हमें नौसेना के उप प्रमुख, रक्षा सचिव और विदेश मंत्रालय के सचिव ईस्ट का साथ पाकर बहुत खुशी हुई। यह एक बहुत ही विस्तृत चर्चा थी। उपस्थित समिति के प्रत्येक सदस्य ने सवाल पूछे... इस चर्चा में भागीदारी की भावना बहुत ही जबरदस्त है। इस बहुत ही व्यापक चर्चा से हमें एक अच्छी रिपोर्ट मिलेगी... इन सभी (ब्लू वॉटर नेवी) पर चर्चा की गई... ब्लू वॉटर नेवी का पूरा विचार, उससे परे हमारी सैन्य क्षमता, हर चीज पर गहन चर्चा की गई। ऑपरेशन

सिंदूर पर चर्चा नहीं हुई, लेकिन उस टकराव के दौरान जो कुछ तत्व स्पष्ट हुए, वे बातचीत में सामने आए। कांग्रेस सांसद शशि थरूर इस समिति के अध्यक्ष हैं। इससे पहले 10 जून को अमेरिका गए सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले थरूर ने कहा था कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ उनकी मुलाकात 'उल्लेखनीय' रही। पत्रकारों से बात करते हुए थरूर ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच 'अच्छी बातचीत' हुई और भारतीय प्रतिनिधिमंडल को लगा कि 'इससे बेहतर बैठक नहीं हो सकती थी।' प्रतिनिधिमंडल ने पिछले सप्ताह अमेरिका की अपनी यात्रा के दौरान वेंस से मुलाकात की थी।

भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं पर भड़के सिद्धारमैया, त्रासदी का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बेंगलुरु (ईएमएस)। भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा भगदड़ को लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के इस्तीफे की मांग करते हुए विरोध प्रदर्शन किया, तभी सिद्धारमैया ने तीखा पलटवार कर भाजपा पर पक्षपातपूर्ण लाभ के लिए त्रासदी का राजनीतिकरण करने का आरोप लगाया। सिद्धारमैया ने भाजपा नेताओं को चुनौती दी कि वे पहले अतीत में इसी तरह की घटनाओं के दौरान अपने ही पार्टी सदस्यों द्वारा दिए गए इस्तीफों की सूची पेश करें।

सिद्धारमैया ने कहा कि दुखद भगदड़ की घटना के संबंध में, मैं राज्य के भाजपा नेताओं से अनुरोध करता हूं कि वे हमारे इस्तीफे की मांग करने से पहले अतीत में इसी तरह की घटनाओं के दौरान इस्तीफा देने वाले भाजपा नेताओं की सूची जारी करें। हमारी सरकार ने बेंगलुरु शहर के पुलिस आयुक्त सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निलंबित कर दिया है और राज्य खुफिया विभाग के प्रमुख का तबादला किया है। मेरे राजनीतिक

सचिव को भी उनके कर्तव्यों से मुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, हमने मामले की गहन जांच करने के लिए सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति जॉन माइकल कुन्हा के नेतृत्व में एक सदस्यीय आयोग का गठन किया है।

सीएम ने कहा कि इसतरह के निर्णायक कदम उठाने के बावजूद, राज्य में भाजपा नेता विरोध प्रदर्शन जारी रखते हैं। इससे यह स्पष्ट होता है कि उनके इरादे लोगों के प्रति वास्तविक चिंता से प्रेरित होने के बजाय राजनीतिक हैं। त्रासदियों का राजनीतिकरण करना भाजपा के लिए कोई नई बात नहीं है। मृत्यु, दुर्घटना या हिंसा की हर घटना पर गिद्ध की तरह झपटना उनके डीएनए में समाया हुआ है। यहां तक कि अगर उनके आंगन में एक हाथी भी मर जाता है, तब उन्हें अपने पड़ोसी की थाली में मक्खी पर ध्यान देने की आदत है। कर्नाटक के लोग व्यवहार के इस पैटर्न को समझ चुके हैं। हम हर त्रासदी से प्रभावित परिवारों के दुख और पीड़ा के साथ सहानुभूति रखते हैं।

सिद्धारमैया ने कहा कि हमारी सरकार कर्नाटक के 7 करोड़ लोगों के प्रति जवाबदेह है। इसलिए भगदड़ मामले में लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ प्रारंभिक कार्रवाई की गई है। सेवानिवृत्त न्यायाधीश के नेतृत्व में व्यापक और निष्पक्ष जांच की जा रही है।

क्या भाजपा कुख्यात माफिया दाऊद इब्राहिम को भी पार्टी में शामिल करेगी?: हर्षवर्धन सपकाल

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी खुद को दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी मानती है, लेकिन जो पार्टी खुद को शक्तिशाली दिखाने की कोशिश करती है, वह अब किसी को भी पार्टी में शामिल कर रही है। अब तक जिन लोगों पर भाजपा ने भ्रष्टाचार के आरोप लगाए थे, उन्हीं को सम्मानपूर्वक पार्टी में शामिल किया गया और मंत्रीपद भी सौंपा गया। अब तो भाजपा ने सारी सीमाएं पार कर दी हैं। जिस व्यक्ति पर माफिया दाऊद इब्राहिम से संबंध होने का आरोप था, उसी को सम्मानपूर्वक भाजपा में शामिल किया गया। अब क्या भाजपा दाऊद को भी पार्टी में शामिल करेगी? ऐसा तीखा सवाल महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने उठाया है।

इस पर प्रतिक्रिया देते हुए कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि किसे पार्टी में शामिल करना है, यह उस पार्टी का मामला है, लेकिन जब आप हिंदुत्व की बातें करते हैं, तो आपको यह भी सोचना चाहिए कि आप खुद क्या कर रहे हैं। भाजपा विधायक नितेश राणे ने विधानसभा में आरोप लगाया था कि नासिक के सुधाकर बडगुजर ने दाऊद के गुर्गे सलीम कुत्ता के लिए पार्टी रखी थी। उन्होंने विधानसभा में पार्टी में नाचते हुए फोटो भी दिखाए थे और कार्रवाई की मांग की थी। लेकिन अब वही भाजपा कह रही है कि उन्होंने हिंदुत्व स्वीकार कर लिया है, इसलिए उनका स्वागत है। इसका मतलब कल अगर दाऊद भी हिंदुत्व स्वीकार कर ले, तो क्या भाजपा उसे भी पार्टी में शामिल कर लेगी? भाजपा खुद को 'पार्टी विथ डिफरेंस' कहती है, लेकिन आज यह पार्टी गुंडों, मवालियों और भ्रष्टाचारियों से भर गई है। मुंबई में 1993 के बम धमाकों के आरोपी और दाऊद के साथी इकबाल मिर्ची से जुड़े संपत्ति लेनदेन मामले में जो नाम पूर्व मंत्री प्रफुल्ल पटेल पर लगे, उन्हीं की राष्ट्रवादी पार्टी के साथ भाजपा सत्ता में साझेदार बनी हुई है। भाजपा ने प्रफुल्ल पटेल को 'वॉशिंग मशीन' में डालकर साफ कर दिया है। भाजपा का हिंदुत्व दिखावा है, यह हम लगातार कहते आ रहे हैं, और आज भी वही बात साबित हुई है। हर्षवर्धन सपकाल ने यह भी कहा कि सुधाकर बडगुजर के पार्टी प्रवेश की जानकारी भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष और कार्याध्यक्ष को दोपहर तक भी नहीं थी। फिर यह सवाल उठता है कि भाजपा पार्टी को असल में चला कौन रहा है?

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

तुर्किये में हॉट एयर बैलून दुर्घटनाग्रस्त, पायलट की मौत, 19 पर्यटक घायल

अंकारा, एजेंसी। मध्य तुर्किये में रविवार को दो हॉट एयर बैलून दुर्घटनाएं हुईं। एक हादसे में हॉट एयर बैलून के पायलट की मौत हो गई और 19 इंडोनेशियाई पर्यटक घायल हो गए। एक अन्य हादसे में 12 भारतीय पर्यटक मामूली रूप से घायल हो गए। सरकारी अनादोलु एजेंसी के अनुसार, इल्हारा घाटी के उसी स्थान से उड़ान भरने वाले एक अन्य हॉट एयर बैलून ने भी रविवार सुबह आपात लैंडिंग की। इसमें 12 भारतीय पर्यटक मामूली रूप से घायल हो गए और उन्हें अस्पताल ले जाया गया। गवर्नर के कार्यालय की तरफ से जारी बयान के अनुसार, दोनों बैलून हवा में अचनाक बदलाव के कारण प्रभावित हुए थे। अक्सराय के गवर्नर मेहमत अली कुम्बुजोग्लू ने बताया कि पहली घटना में गुब्बारा अक्सराय प्रांत के गोज्लुकुयू गांव के पास तेजी से उतरने का प्रयास कर रहा था। तभी पायलट गुब्बारे की टोकरी से बाहर गिर गया और उसके पैर रस्सी में उलझ गए। उन्होंने कहा, दुर्भाग्यवश हमारा पायलट टोकरी के नीचे फंस गया और उसकी मौत हो गई। उन्होंने बताया कि घायल पर्यटकों को अस्पताल ले जाया गया है।

ईरान के साथ खड़ा है पाकिस्तान : शहबाज

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बात कर एकजुटता जताई। उन्होंने इस्राइल के हमले को स्पष्ट तौर पर उकसावे का कृत्य बताया। शरीफ ने शनिवार को पेजेशकियन से टेलीफोन पर बातचीत में ईरान के खिलाफ इस्राइल के हमलों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि यह हमला ईरान की संप्रभुता व क्षेत्रीय अखंडता तथा संयुक्त राष्ट्र चार्टर व अंतराष्ट्रीय कानून का पूर्ण उल्लंघन है। शरीफ ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, आज ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेशकियन से बात की। इस्राइल के अकारण हमले के सामने ईरान के लोगों के साथ पाकिस्तान की अटूट एकजुटता व्यक्त की।

ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई 6 की चीफ बनीं ब्लेस मेट्रेवेली

लंदन, एजेंसी। ब्रिटेन की खुफिया एजेंसी एमआई6 के प्रमुख के पद पर ब्लेस मेट्रेवेली की नियुक्ति हुई है। इस पद पर पहुंचने वाली ब्लेस पहली महिला अधिकारी हैं। 47 वर्षीय मेट्रेवेली, इससे पहले एमआई6 की तकनीकी शाखा की प्रमुख थीं, उन्हें कोड नेम क्यू से भी जाना जाता है। मेट्रेवेली ने साल 1999 में एमआई6 में काम शुरू किया था और अपने करियर के अधिकतर समय वे ऑपरेशनल भूमिकाओं में पश्चिम एशिया और यूरोप में तैनात रही हैं। एमआई6 के मौजूदा प्रमुख रिचर्ड मूर अपना पांच साल का कार्यकाल पूरा कर जल्द ही रिटायर होने वाले हैं। मेट्रेवेली की सबसे बड़ी चुनौती रूस, चीन और ईरान से निपटने की होगी।

मिनेसोटा में गोलीबारी का आरोपी पकड़ा गया

मिनेसोटा , एजेंसी। मिनेसोटा में हाल ही में दो राज्य विधायकों पर गोली चलाने वाला आरोपी पकड़ा गया है। आरोपी वेंस बोएलटर को रविवार शाम को गिरफ्तार किया गया। हालांकि जांच एजेंसियों ने गिरफ्तारी को लेकर ज्यादा जानकारी साझा नहीं की है। बोएलटर पर मिनेसोटा की पूर्व डेमोक्रेटिक स्पीकर मेलिसा होर्टमैन और उनके पति मार्क पर शनिवार को गोली मारने का आरोप है। इस हमले में दोनों की मौत हो गई थी। इसके बाद बोएलटर ने स्टेट सीनेटर जॉन हॉफमैन और उनकी पत्नी पर भी गोली चलाई थी। दोनों घायल हैं। पुलिस ने आरोपी को मिनेसोटा में अपने घर से कुछ मील दूर ही पकड़ा। पुलिस ने आरोपी पर 50 हजार डॉलर का इनाम घोषित किया था।

इजरायल और ईरान में किसकी सेना ज्यादा ताकतवर, रक्षा बजट में बड़ा अंतर

येरूशलम, एजेंसी। ईरान और इजरायल के बीच जारी संघर्ष अब और घातक होने की आशंका है। एक ओर जहां इजरायल लगातार अभियान जारी रखने की बात कर रहा है। वहीं, खबरें हैं कि ईरान ने साफ कर दिया है कि जवाबी कार्रवाई से पहले उसकी तरफ से कोई सीजफायर नहीं किया जाएगा। शुक्रवार को इजरायल ने ईरान में कई ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। इजरायल ने ईरान के परमाणु, मिसाइल और सैन्य ठिकानों पर हमला करने के लिए शुक्रवार को 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' शुरू किया था। इस हमले में ईरान के प्रमुख सैन्य कमांडर और परमाणु वैज्ञानिकों की मौत हो गई। ईरान ने इजरायल पर ड्रोन और बैलिस्टिक मिसाइल से जवाबी हमले किए हैं। दोनों देशों के बीच संघर्ष के चौथे दिन तेल अवीव में सुबह तेज धमाकों की आवाजें सुनाई दीं जो संभवत : इजरायल की रक्षा प्रणाली द्वारा ईरान के मिसाइल हमलों को नाकाम करने की थी। मध्य इजरायल के शहर पेटाह टिकवा के अधिकारियों ने बताया कि ईरानी मिसाइलों ने एक आवासीय इमारत को निशाना बनाया जिससे दीवारें जलकर खाक हो गईं, खिड़कियों के शीशे टूट गए और कई अपार्टमेंट को भारी नुकसान हुआ। बचाव दल घटनास्थलों पर मौजूद हैं, हालांकि हताहतों की संख्या के बारे में फिलहाल कोई जानकारी नहीं दी गई है।

इजराइल का अब ईरान के विदेश मंत्रालय पर अटैक : अब तक 224 की मौत

तेहरान/तेल अवीव, एजेंसी। ईरान और इजराइल के बीच चौथे दिन भी लड़ाई जारी है। इजराइल ने रविवार रात ईरान के विदेश मंत्रालय पर हमला किया। इसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इससे एक दिन पहले इजराइली सेना ने ईरानी रक्षा मंत्रालय पर भी हमला किया था। ईरान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि इजराइली हमलों में अब तक 224 लोग मारे जा चुके हैं, जबकि 1,277 से ज्यादा घायल हुए हैं। वहीं, अमेरिका में स्थित ह्यूमन राइट्स एक्टिविस्ट्स ग्रुप ने ईरान में 406 लोगों के मारे जाने का दावा किया है। ईरान ने भी इजराइल पर पलटवार किया है। ईरान ने सोमवार सुबह सेंट्रल इजराइल में 4 बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। इसमें 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 90 घायल हुए। अब तक इजराइल में ईरानी हमलों में 20 लोग मारे गए हैं, जबकि करीब 500 घायल हुए हैं।

तेल अवीव की सड़कों पर भी खौफ, इजरायल के जवाब में ईरान के भी ताबड़तोड़ हमले : इजरायल ने बीते सप्ताह ईरान पर ताबड़तोड़ हमले किए थे। तड़के 3 बजे ही इजरायली मिसाइलें ईरान के परमाणु ठिकानों पर बरसीं और सेना प्रमुख समेत 20 टॉप सैन्य कमांडरों को मार डाला गया। इन हमलों के बाद इजरायल को लगा होगा कि शायद इससे ईरान दहशत में होगा और मजबूत जवाब नहीं दे सकेगा। लेकिन अब तक के हालात से अंदाजा लग रहा है कि शायद इजरायल

गलत था। ईरान की भले ही टॉप मिलिट्री लीडरशिप हमले में मारी गई, लेकिन वह जल्दी ही उससे उबरता दिखा है। उसने रविवार रात को इजरायल पर जमकर हमले बोले। यहां तक कि इजरायल की राजधानी तेल अवीव पर भी मिसाइलें बरसी हैं।

सोमवार सुबह तेल अवीव में बसे इजरायली उठे तो चारों तरफ मलबा था। कई इमारतें जमींदोज हो गईं। चारों तरफ लोग खौफ में दिख रहे हैं और सुरक्षित ठिकानों की तलाश में हैं। सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक तेल अवीव में ही ईरान की 4 बलिस्टिक मिसाइलें गिरी हैं। बंकर में छिपी एक महिला ने बताया कि उसने नीचे से ही धमाकों की आवाज महसूस की। यह बहुत तेज थी और मिसाइलों के हमले के चलते इमारतें पल भर में धराशायी हो गईं। महिला ने बताया कि सुबह होने पर जब हम बाहर निकले तो डर रहे थे। हर कोई खौफ में था। यहां तक कि हम मलबे के बीच से होते हुए गुजरे तो लोगों ने नाक बंद कर रखी थी। इसकी वजह यह थी कि हमें डर था कि कहीं हम सांस लेते हुए बारूद ही न अंदर ले जाएं।

करीब 10 इजरायलियों को अस्पताल ले जाया गया है और 4 लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा कई इमारतें गिरी हैं। इजरायलियों के घायल या हताहत होने की संख्या बढ़ सकती थी, लेकिन पहले से ही सतर्क यहूदी मुल्क के ज्यादातर लोग बंकरों में छिपे रहे या फिर सुरक्षित ठिकानों में बने रहे। सोमवार को सुबह बड़ी संख्या में तेल अवीव की सड़कों पर खौफजदा इजरायली यह देखने के लिए निकले कि आखिर ईरान के हमलों से कितना नुकसान हुआ है। रात भर हुए ईरानी हमलों में 4 लोगों की मौत की खबर है। बीते 4 दिनों से जारी जंग में ईरानी हमलों में कुल 17 इजरायली मारे गए हैं। एक्सपर्ट बोले- इजरायल ने ईरान को कम आंकने की भूल की मिडल ईस्ट के मामलों की जानकार त्रिता पारसी का कहना है कि इजरायल ने ईरान की क्षमता को कम आंका था। उन्हें शायद अंदाजा नहीं था कि भीषण हमले के बाद भी ईरान इस तरह से उठ खड़ा होगा। क्रिंसी इंस्टिट्यूट की वाइस प्रेसिडेंट पारसी ने कहा कि इजरायलियों को लगा था कि वे अपने हमले से ईरान की कमांड को खत्म कर देंगे। उन्हें इस बात का अनुमान नहीं था कि ईरान इतनी मजबूती के साथ फिर से खड़ा होगा और जवाब देगा। उन्होंने कहा कि आज हम देख रहे हैं कि ईरानी मिसाइलें इजरायल के अंदर घुसकर हमले कर रही हैं। उन्हें रोकने में इजरायल का एयर डिफेंस सिस्टम कमजोर दिख रहा है।

अगर ईरान पर परमाणु हमला हुआ तो इस्राइल पर परमाणु बम बरसाएगा पाकिस्तान, शीर्ष अधिकारी का दावा

तेहरान, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच ईरान के सैन्य बलों के एक शीर्ष अधिकारी ने दावा किया है कि अगर इस्राइल ईरान पर परमाणु हमला करता है तो पाकिस्तान उस पर परमाणु बम बरसाएगा। जनरल मोहसेन रेजा की यह टिप्पणी ईरान के सरकारी टेलीविजन पर एक साक्षात्कार के दौरान आई। बीते कुछ दिनों से ईरान और इस्राइल एक-दूसरे पर मिसाइल हमले कर रहे हैं। इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के एक वरिष्ठ अधिकारी और ईरान की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के सदस्य रेजाई ने कहा, पाकिस्तान ने हमें आश्वासन दिया है कि अगर इस्राइल ईरान पर परमाणु बम का इस्तेमाल करता है, तो वे इस्राइल पर परमाणु बम से हमला करेंगे। परमाणु हथियारों को खत्म करने के लिए अंतरराष्ट्रीय अभियान आईसीएएन के मुताबिक, इस्राइल और पाकिस्तान उन नौ देशों में शामिल हैं, जिनके पास वर्तमान में परमाणु हथियार हैं। पाकिस्तान ने ईरान के साथ खड़े होने का वादा किया रेजाई ने आगे कहा कि पाकिस्तान ने ईरान के साथ खड़े होने का वादा किया है। उन्होंने मुस्लिम देशों को एकजुट होने का आह्वान भी किया। उन्होंने दावा किया कि तेहरान के पास छिपी हुई क्षमताएं हैं, जिन्हें अभी तक उजागर नहीं किया गया है। पाकिस्तान की ओर से अब तक कोई टिप्पणी नहीं इस्राइल के खिलाफ परमाणु हथियारों के इस्तेमाल पर पाकिस्तान की ओर से अब तक कोई टिप्पणी नहीं की गई है, लेकिन उसने इस्राइल के खिलाफ लड़ाई में ईरान का समर्थन किया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने पिछले सप्ताह कहा था कि हम हर तरह से ईरान के साथ खड़े हैं। हम ईरानी हितों की रक्षा करेंगे। डोनाल्ड ट्रंप ने किया समझौते का दावा इस बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया है कि वह पश्चिम एशिया में दो युद्धरत देशों के बीच एक समझौते पर काम करने की कोशिश कर रहे हैं।

यूक्रेन जंग में उ कोरिया का नुकसान, गंवाए हजारों सैनिक; पुतिन-किम जोंग की दोस्ती पर आएगी आंच?

मास्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच बीते 3 सालों से जारी जंग में उत्तर कोरिया की एंट्री ने सबका ध्यान खींचा था। उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने अपने दोस्त पुतिन की मदद के लिए हजारों उत्तर कोरियाई सैनिकों को रूस की ओर से लड़ने के लिए भेजा था। अब हाल ही में यह खबर सामने आई है कि उत्तर कोरिया को जंग में भारी नुकसान पहुंचा है। ब्रिटिश डिफेंस इंटेलीजेंस ने हाल ही में दावा किया है कि यूक्रेन में रूसी सेना की ओर से लड़ रहे हजारों उत्तर कोरियाई सैनिक हताहत हुए हैं। इस रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रूस यूक्रेन जंग में कम से कम 6000 उत्तर कोरियाई सैनिक या तो मारे गए हैं, या इनमें से कुछ मारे गए और कुछ घायल हुए हैं। बता दें कि किम जोंग अब तक अपने 11 हजार से ज्यादा सैनिकों को रूस भेज चुके हैं। इनमें से आधे सैनिकों के हताहत की होना किम जोंग के लिए अच्छी खबर नहीं है। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह आंकड़े साझा किए हैं। इस दौरान यह भी कहा गया है कि किम जोंग ने हाल ही में अन्य सैनिकों को भी रूस भेजा है। बताया गया कि उत्तर कोरियाई सैनिकों को सबसे ज्यादा नुकसान कुर्स्क के रूसी ओब्लास्ट में हुआ है।

ग्रीनलैंड को बेचा या छीना नहीं जा सकता, ट्रंप की मंशा पर फ्रांस के राष्ट्रपति की दो टूक

नूक (ग्रीनलैंड) , एजेंसी। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों जी7 देशों के शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए कनाडा जाने से पहले ग्रीनलैंड की राजधानी नूक पहुंचे। जहां उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा ग्रीनलैंड पर नियंत्रण करने की इच्छा पर दो टूक जवाब दिया। राष्ट्रपति मैक्रों ने जोर देते हुए कहा कि ग्रीनलैंड को ना ही बेचा जा सकता है और न ही छीना जा सकता है। उन्होंने कहा कि सीधी बात ये है कि फ्रांस और यूरोपीय संघ के सभी लोग मानते हैं कि ग्रीनलैंड बिकाऊ नहीं है और इसे कोई जबरन नहीं ले सकता। मैक्रों के इस बयान को स्थानीय लोगों ने तालियों से स्वागत किया। बता दें कि जी7 देशों के शिखर सम्मेलन में भाग लेने से पहले ग्रीनलैंड की राजधानी नूक पहुंचे मैक्रों का डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन ने जोरदार स्वागत किया। फ्रांस और यूरोप के ग्रीनलैंड के साथ होने पर जोर राष्ट्रपति मैक्रों ने आगे कहा कि ग्रीनलैंड की स्थिति यूरोप के लिए एक चेतावनी है। मैं साफ-साफ कहना चाहता हूं कि आप अकेले नहीं हैं। फ्रांस और यूरोप आपके साथ हैं। इसके साथ ही जब मैक्रों से पूछा गया कि अगर राष्ट्रपति ट्रंप ग्रीनलैंड पर सैन्य कब्जा करने की कोशिश करें तो क्या फ्रांस मदद करेगा? तो इस बात के जवाब में

मैक्रों ने इस सवाल से बचते हुए कहा कि मैं सार्वजनिक रूप से इस तरह के काल्पनिक सवालों पर टिप्पणी नहीं करूंगा, क्योंकि मैं नहीं मानता कि हमारा मित्र और सहयोगी अमेरिका किसी दूसरे सहयोगी के खिलाफ आक्रामक कदम उठाएगा। देखा जाए तो इस बयान के जरिए मैक्रों ने अमेरिका को स्पष्ट संकेत दिया है कि यूरोप ग्रीनलैंड को लेकर किसी भी दबाव या दखलअंदाजी को स्वीकार नहीं करेगा। यूरोप में मैक्रों की भूमिका फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने हाल के महीनों में यूरोपीय संघ में फ्रांस की भूमिका को मजबूत करने की कोशिशें तेज कर दी हैं। उन्होंने खुद को यूरोप के नेता के तौर पर पेश किया है, खासकर ऐसे समय में जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप यूक्रेन को दिए जा रहे समर्थन पर सवाल उठा रहे हैं। मैक्रों ने हाल ही में पेरिस में एक सम्मेलन बुलाया जिसमें कई यूरोपीय देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने हिस्सा लिया। इस बैठक में यूक्रेन संकट और यूरोप की सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा हुई। मैक्रों का ग्रीनलैंड को लेकर संकेत ग्रीनलैंड की यात्रा के दौरान रविवार को मैक्रों से डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिक्सन और ग्रीनलैंड के प्रधानमंत्री जेन्स-फ्रेडरिक नीलसन ने एक डेनिश हेलिकॉप्टर कैरियर पर मुलाकात की। यह बैठक इस बात का संकेत थी कि फ्रांस आर्कटिक क्षेत्र की सुरक्षा को लेकर गंभीर है। इसके बाद तीनों नेता तेजी से पिघल रहे एक ग्लेशियर पर भी गए। वहां उन्होंने जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को देखा और साथ ही आर्थिक विकास, कम-कार्बन ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिज संसाधनों पर चर्चा की।

अमेरिका में आसिम मुनीर के खिलाफ जुटे पाकिस्तानी, किया प्रदर्शन

वॉशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर आखिर कहां हैं? यह सवाल इसलिए उठ रहा है क्योंकि शुरुआत में खबरें थीं कि अमेरिकी सेना के स्थापना दिवस पर निकलने वाली परेड में उन्हें भी आमंत्रित किया गया है। इस पर विवाद बढ़ा तो अमेरिका ने ही आगे आकर सफाई दी कि आसिम मुनीर ही नहीं बल्कि किसी भी विदेशी शख्सियत को इस कार्यक्रम में आमंत्रित नहीं किया गया है। फिर भी वॉशिंगटन स्थित अमेरिकी दूतावास के बाहर बड़ी संख्या में पाकिस्तानी प्रवासी जुट गए। ये लोग अमेरिका के कोने-कोने से आए थे और आसिम मुनीर के खिलाफ नारेबाजी करते दिखे। बड़ी संख्या में दूतावास के बाहर जुटे पाकिस्तानी मूल के ये लोग इमरान खान के समर्थक थे, जो फिलहाल जेल में बंद हैं। उन्हें भ्रष्टाचार के आरोपों में जेल में रखा गया है, जबकि इमरान खान के समर्थक मानते हैं कि शहबाज शरीफ की सरकार और सेना के चलते ऐसा हुआ है। इसी के चलते इमरान खान के समर्थक सेना का भी तीखा विरोध करते रहे हैं। रविवार को भी ऐसा ही नजारा दिखा, जब आसिम मुनीर के खिलाफ नारे लगे और प्रदर्शनकारियों ने उन्हें बाहर निकलने की

चुनौती दी। इन लोगों का कहना था कि आसिम मुनीर अमेरिका में ही हैं। यही नहीं एक प्रदर्शनकारी ने तो यहां तक कहा कि आसिम मुनीर को कहां छिपा रखा है। उन्हें बाहर भेजो।

आसिम मुनीर को कहां छिपाया? दूतावास के बाहर खूब नारे : इमरान खान की पार्टी पीटीआई के समर्थकों ने कुछ बैनर और तख्तियां भी इस दौरान लहराए। इनमें लिखा था- पाकिस्तानी दूतावास ने आसिम मुनीर को कहां छिपाया है? इसके अलावा एक तख्ती में आसिम मुनीर को पाकिस्तान में संविधान का उल्लंघन करने वाला, जनादेश चुराने वाला और मानवाधिकारों का उल्लंघन करने वाला बताया गया। यही नहीं इस दौरान एक डिजिटल वैन भी इमरान खान के समर्थकों ने दूतावास के बाहर खड़ी कर दी थी।

'इस्लामाबाद का कसाई' बताते हुए जमकर नारेबाजी : इसमें वीडियो और पोस्टर दिखाए गए, जिसमें आसिम मुनीर को इस्लामाबाद का कसाई बताया गया। पाकिस्तानियों के इस प्रदर्शन के बाद से फिर चर्चा शुरू हो गई है कि शायद आसिम मुनीर अमेरिका में ही हैं, लेकिन उन्होंने आर्मी डे परेड में हिस्सा नहीं लिया। फिलहाल पाकिस्तान की सरकार की ओर से भी आसिम मुनीर को लेकर कुछ नहीं कहा गया है।

ट्रंप को मारना चाहता था ईरान, मानता है दुश्मन नंबर वन, इस्राइली पीएम का चौंकाने वाला दावा

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दावा किया है कि ईरान की सरकार अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मारना चाहती थी। नेतन्याहू ने कहा कि ईरान की सरकार डोनाल्ड ट्रंप को अपने परमाणु कार्यक्रम के लिए खतरा मानती है और सक्रिय रूप से ट्रंप को खत्म करना चाहती थी।

नेतन्याहू ने बताया ट्रंप को दुश्मन क्यों मानता है ईरान : एक अमेरिकी न्यूज चैनल के साथ बातचीत में नेतन्याहू ने कहा कि वे (ईरान सरकार) उन्हें (ट्रंप) मारना चाहते हैं। वे उनके नंबर वन दुश्मन हैं। ट्रंप एक निर्णायक नेता हैं, जिन्होंने दूसरों की तरह ईरान के साथ मोलभाव का रास्ता नहीं चुना। यह असल में कमजोरी की बात है, जिसने ईरान को यूरेनियम संवर्धन के रास्ते पर डाला। इसका मतलब है कि यह परमाणु बम बनाने और ईरान को अरबों डॉलर देने का रास्ता है।

नेतन्याहू ने कहा कि ट्रंप ने ईरान के साथ फर्जी समझौते को खत्म कर दिया। उन्होंने कासिम सुलेमानी को मारा। ट्रंप इस बात को लेकर साफ हैं कि आप (ईरान) परमाणु हथियार नहीं रख सकते और यूरेनियम संवर्धन नहीं कर सकते। यही वजह है कि ईरान, ट्रंप को अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानता है। हमारे अस्तित्व पर खतरा, हमारे पास कोई और रास्ता नहीं था ईरान पर हमले की वजह बताते हुए इस्राइली पीएम ने कहा कि हमारा देश परमाणु

तबाही के खतरे का सामना कर रहा है और हमारे पास हमला करने के अलावा कोई अन्य विकल्प नहीं था। नेतन्याहू ने कहा कि हमारे अस्तित्व पर खतरा है। ईरान यूरेनियम संवर्धन कर तेजी से परमाणु बम बनाने की दिशा में तेजी से बढ़ रहा था और उसकी मंशा हमारी तबाही है। दूसरा ईरान तेजी से बैलिस्टिक मिसाइल के जखीरे में बढ़ोतरी कर रहा है और अगले एक साल में 3600 और अगले तीन साल में 10 हजार बैलिस्टिक मिसाइल बनाने की तरफ बढ़ रहा है। हर मिसाइल का वजन करीब एक टन है। इतना ही नहीं अगले 26 साल में ईरान 20 हजार मिसाइल बनाना चाहता है। कोई भी देश इतनी बड़ी संख्या में मिसाइल हमलों को नहीं झेल सकता और खासकर इस्राइल जैसा छोटा देश तो बिल्कुल भी नहीं। इसलिए हमें कार्रवाई करनी ही थी।

अमेरिका में नो किंग्स रैली, गोलीबारी में 1 की मौत : मिलिट्री परेड के दौरान ट्रम्प का विरोध कर रहे थे

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिका के साल्ट लेक सिटी में नो किंग्स नाम के एक विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा हो गई। प्रदर्शन में शामिल एक शख्स ने प्रदर्शनकारियों पर गोली चलाने की कोशिश कर रहे व्यक्ति पर हमला कर दिया। इससे राइफल लेकर खड़ा व्यक्ति और एक राहगीर दोनों घायल हो गए। बाद में अस्पताल में राहगीर की मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि हमला करने वाले 24 साल के युवक का नाम आर्टुरो गैंबोआ है। उसे शनिवार शाम हत्या के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है। गोली लगने से घायल हुए राहगीर की पहचान 39 साल आर्थर फोलासा आह लू के रूप में हुई, जिनकी बाद में अस्पताल में मौत हो गई। साल्ट लेक सिटी के पुलिस प्रमुख ब्रायन रेड ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस घटना की जानकारी दी। दरअसल, वाशिंगटन में शनिवार को अमेरिकी सेना की 250वीं वर्षगांठ के अवसर पर मिलिट्री परेड का आयोजन किया गया था। इस बीच, ट्रम्प के विरोध में पूरे अमेरिका में लगभग 2 हजार जगहों पर नो किंग्स (यानी अमेरिका का कोई राजा नहीं है) विरोध प्रदर्शन हुए।

34 साल बाद इतने बड़े पैमाने पर आयोजन : वाशिंगटन में 34 साल बाद इतने बड़े पैमाने पर मिलिट्री परेड का आयोजन हुआ। इससे पहले 1991 में ऐसा आयोजन हुआ था। इस परेड में टैंक, 6,700 सैनिक, 128 वाहन, 62 विमान शामिल हुए। इसके अलावा ड्रोन, रोबोटिक डॉग भी शामिल हुए। राष्ट्रपति ट्रम्प ने इस परेड को अमेरिकी ताकत और सैनिकों के बलिदान का प्रतीक बताया। परेड का समापन आतिशबाजी और ट्रम्प के भाषण के साथ हुआ। इस आयोजन में करीब

25 से 45 मिलियन डॉलर (21-38 करोड़) खर्च हुए हैं। परेड कॉन्स्टिट्यूशन एवेन्यू पर हुई, जिसमें सैनिकों ने ऐतिहासिक वर्दी में मार्च किया और विश्व युद्धों से लेकर आधुनिक युद्ध तक के हथियारों का प्रदर्शन किया गया। ट्रम्प, प्रथम महिला मेलानिया ट्रम्प, और रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने विशेष मंच से परेड देखी। इस दिन ट्रम्प का 79 जन्मदिन भी था। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी ट्रम्प को जन्मदिन की बधाई दी और अपनी शादी की सालगिरह का जिक्र किया।

अमेरिका के 50 राज्यों में एक साथ विरोध प्रदर्शन : पूरे अमेरिका में 14 जून को नो किंग्स नामक विरोध प्रदर्शन हुए। इस आंदोलन में लोगों ने ट्रम्प की नीतियों और तानाशाही रवैये का विरोध किया। इस आंदोलन का नाम 50 स्टेट्स, 50 प्रोटेस्टर्स, वन मूवमेंट से प्रेरित था, जिसका मतलब है कि अमेरिका के 50 राज्यों में एक साथ विरोध प्रदर्शन। इस समूह का कहना है- अमेरिका सिर्फ ट्रम्प का नहीं, बल्कि सभी अमेरिकियों का है। इस प्रदर्शन में करीब 2,000 शहरों और कस्बों में शांतिपूर्ण प्रदर्शन हुए, जिनमें लोगों ने झंडे लहराए, भाषण दिए और नारे लगाए गए। फिलाडेल्फिया में सबसे बड़ा प्रदर्शन हुआ। हालांकि वाशिंगटन में कोई बड़ा विरोध नहीं हुआ।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुजरात के सबसे बड़े साइबर फ्रॉड के आरोपी की एक और ट्रेडिंग चाल मीत खोखर प्रतिबंधित ऐप मेटा ट्रेडर 5 का इस्तेमाल कर निवेश कराता

बिजनेस पार्टनर से भी 1.60 करोड़ रुपये हड़पे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात के सबसे बड़े साइबर फ्रॉड के मुख्य आरोपी मीत खोखर की ठगी के नए तरीके का खुलासा हुआ है। मीत ने प्रतिबंधित ऐप 'मेटा ट्रेडर 5' का उपयोग कर लोगों से निवेश करवाया और उन्हें भारी मुनाफे का झांसा देकर ठगा। इस खेल में उसने अपने ही एक बिजनेस पार्टनर से करीब 1.60 करोड़ रुपये की ठगी की है।

जांच में सामने आया है कि वह मेटा ट्रेडर 5 के जरिए नकली ग्राफ और आंकड़े दिखाकर लोगों को झांसे में लेता था और उन्हें करोड़ों रुपये लगाने को प्रेरित करता था। अब इस एप पर प्रतिबंध होने के बावजूद वह इसका गैरकानूनी रूप से उपयोग करता रहा।

इस फ्रॉड से यह भी स्पष्ट हो गया है कि आरोपी सिर्फ अनजान लोगों को ही नहीं, बल्कि अपने करीबी और साझेदारों को भी नहीं छोड़ता था।

सूरत में वाहन चेकिंग से शुरू हुई एक सामान्य जांच गुजरात के सबसे बड़े साइबर फ्रॉड रैकेट तक पहुंच गई।

2050 करोड़ रुपये के साइबर फ्रॉड को अंजाम देने वाले सूरत के किरात जादवाणी और मीत खोखर की जांच में एक के बाद एक खुलासे हो रहे हैं। अब यह जांच फॉरेक्स ट्रेडिंग तक पहुंच चुकी है, जिसके जरिए लोगों के साथ धोखाधड़ी की जाती थी। हैरानी की बात यह है कि फॉरेक्स ट्रेडिंग के नाम पर मीत खोखर ने अपने ही बिजनेस पार्टनर किरात जादवाणी से भी 1.60 करोड़ रुपये (यानी लगभग 2 लाख SDT डॉलर) की धोखाधड़ी की है।

गुजरात के इस सबसे बड़े साइबर फ्रॉड की जांच में पुलिस को पता चला कि मीत खोखर फॉरेक्स ट्रेडिंग भी करता था, जो कि RBI द्वारा प्रतिबंधित ऐप के जरिए की जाती थी। केवल 12वीं तक पढ़ा हुआ मीत खोखर इस तरह से लोगों को फंसाता था कि जो भी निवेश करना चाहता, उससे केवल नकद में रकम ली जाती थी। इसके बाद उस व्यक्ति को एप्लिकेशन के जरिए उसकी आईडी में पैसा और ट्रेडिंग चल रही है ऐसा दिखाया जाता था।

आरोपी मीत खोखर सबसे पहले निवेशक से नकद में पैसे लेकर उन्हें अपने बनाए गए Even FX सर्वर पर बनी आईडी पर ट्रांसफर करता था। फिर उन्हें 12 से 14 प्रतिशत अधिक रिटर्न का लालच देकर Secure FX नाम के सर्वर पर उनकी आईडी ट्रांसफर करवा देता था।

यह आईडी MetaTrader 5 नाम की प्रतिबंधित ऐप पर बनाई जाती थी, और उसका यूज़रनेम-पासवर्ड निवेशकों को दिया जाता था।

मीत खोखर इन ट्रेडिंग आईडी के सभी अधिकार खुद और अपनी टीम के पास रखता था। निवेशक केवल उस आईडी में चार्ट, अमाउंट और उसमें हो रहे उतार-चढ़ाव को देख सकते थे, लेकिन वे स्वयं ट्रेडिंग नहीं कर सकते थे। इसके अलावा, अगर वे अपने पैसे निकालना चाहते, तो वे खुद ऐसा नहीं कर सकते थे — इसके लिए उन्हें मीत से संपर्क करना पड़ता था।

आरोपी मीत खोखर ने अनुभवी वित्तीय और ट्रेडिंग विशेषज्ञों को भी चौंका देने वाला फ्रॉड किया है। मीत ने फॉरेक्स ट्रेडिंग का सारा काम अपने मामा विशाल सांकड़ासरिया से सीखा था, जो खुद ट्रेडिंग का काम करते हैं। उनकी कंपनी Secure FX है और मीत उसके ही सर्वर का इस्तेमाल करता था।

सिटी और बीआरटीएस बसों में बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर भी अब जुर्माना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम द्वारा संचालित सिटी बस और बीआरटीएस बसों में टिकट चोरी एक बड़ा भ्रष्टाचार बन चुका है। इस समस्या पर लगाम लगाने के लिए नगर निगम ने अब बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों से भी जुर्माना वसूलने का निर्णय लिया है। इस निर्णय को आज से लागू करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।

सूरत और काडवांला शहर में सामूहिक परिवहन के लिए सिटी बस और बीआरटीएस सेवाएं शुरू की गई हैं। लेकिन इन सेवाओं के शुरू होते ही टिकट घोटाले की शिकायतें सामने आने लगी थीं। इस घोटाले को रोकने के लिए कंडक्टरों के खिलाफ कार्रवाई शुरू की गई है, फिर भी यह समस्या थम नहीं रही है। टिकट न देने का घोटाला लगातार चल रहा है, जिसे रोकने के लिए अब पालिका ने यात्रियों के खिलाफ भी कार्रवाई करने का निर्णय लिया है।

इस बारे में जानकारी देते हुए परिवहन समिति के अध्यक्ष सोमनाथ मराठे ने बताया कि दिल्ली गेट टर्मिनल पर बस कंडक्टरों, टिकट चेकरों, ड्राइवरों और अन्य प्रतिनिधियों के साथ बैठक की गई है। इस बैठक में यह निर्णय लिया गया है कि अब यात्रियों के खिलाफ भी शिक्षाप्रद कार्रवाई की जाएगी।

पालिका की बस सेवा में बिना टिकट यात्रा करना अब एक अपराध माना जाएगा। अब से अगर कोई व्यक्ति बिना टिकट बस में सफर करता हुआ पकड़ा जाता है, तो उससे जुर्माना वसूला जाएगा।

बिना टिकट यात्रा करते हुए कोई वयस्क पकड़ा जाता है तो उससे 100 का जुर्माना वसूला जाएगा, और यदि कोई बच्चा पकड़ा जाता है तो उससे 50 का जुर्माना लिया जाएगा।

10 दिन बाद भी मॉडल की आत्महत्या का रहस्य बरकरार

चार साथी मॉडल समेत सात लोगों के बयान लिए गए, मां बोलीं -हमें कारण नहीं पता,पुलिस से न्याय की उम्मीद है

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर के नवसारी बाजार इलाके में रहने वाली मॉडल युवती की आत्महत्या मामले में 10 दिन बाद भी कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। वह जिन चार स्टूडियो के लिए मॉडलिंग करती थी, उन स्टूडियो के संचालक, मेकअप आर्टिस्ट समेत अन्य स्टाफ, बैंक खाता और मोबाइल के सीडीआर के आधार पर पुलिस जांच कर रही है।

अठवा पुलिस ने अब तक उसके साथ काम करने वाली चार मॉडल्स समेत कुल सात लोगों के बयान दर्ज किए हैं, जबकि परिवार समेत कुल 12 से अधिक लोगों से पूछताछ की गई है।

प्राथमिक जांच में यह अनुमान जताया गया है कि युवती ने डिप्रेशन में आकर आत्महत्या जैसा कदम उठाया होगा, लेकिन वह किन कारणों से डिप्रेशन में थी, इस पर अब तक कोई स्पष्टता नहीं है। इस बीच, परिवार का भी कहना है कि उन्हें आत्महत्या का कारण पता नहीं है और उन्हें उम्मीद है कि पुलिस जल्दी न्याय दिलाएगी।

अंजली वर्मोरा ने 7 जून की रात को आत्महत्या कर ली थी।

सूरत के नवसारी बाजार स्थित ढबुवालानी शेरी के कार्तिक अपार्टमेंट में रहने वाली 23 वर्षीय मॉडल अंजली वर्मोरा ने 7 जून की रात को आत्महत्या कर ली थी।

अंजली ने आत्महत्या से पहले जो पोस्ट इंस्टाग्राम पर की थी, उसे लेकर आत्महत्या के पीछे कई तरह की शंकाएं और सवाल उठ रहे हैं।

उसने लिखा था:''आज आपको एहसास करा दिया मैंने, आपके लिए कुछ भी नहीं हूं''और ''सब चले जाते तो कोई फर्क नहीं पड़ता, लेकिन जो अपने थे वही चले गए, यही बात चुभती है''इन भावनात्मक पोस्ट्स के कुछ समय बाद अंजली ने फांसी लगाकर अपनी जान दे दी थी।

अठवा पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, अंजली जिन चार स्टूडियो में मॉडलिंग करती थी, उनके संचालकों के अलावा मेकअप आर्टिस्ट और स्टाफ, तथा साथ में काम करने वाली अन्य चार मॉडल्स को बयान के लिए बुलाया गया था। इनमें से दो स्टूडियो की चार मॉडल सहित कुल सात लोगों के बयान दर्ज किए गए हैं। हालांकि इन बयानों से भी अंजली की आत्महत्या का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है।

अंजली की आत्महत्या का कोई स्पष्ट कारण सामने नहीं आया

अठवा पुलिस द्वारा अंजली के परिवार से - उसकी माँ, भाई, बहन, बहनोई और मंगेतर (प्रेमी) से भी पूछताछ की गई है। लेकिन अब तक किसी भी व्यक्ति ने ऐसा कोई कारण नहीं बताया जिससे आत्महत्या का स्पष्ट कारण पता चल सके।

अंजली की माँ रात में अस्पताल में काम करती हैं और अंजली ही काम कर के परिवार की जिम्मेदारियाँ संभाल रही थी।

आत्महत्या से पहले अंजली की सबसे आखिरी बातचीत उसके मंगेतर यानी प्रेमी से ही हुई थी।

अब तक की पुलिस जांच में अंजली की आत्महत्या का कोई निश्चित कारण सामने नहीं आया है।

पारडी में 2.133 किलो गांजा बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी/वलसाड SOG ने पारडी थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए 2.133 किलो अवैध गांजे के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपी आकाश महेशभाई धोडी पटेल (उ.व. 25) और प्रितेश शिवाभाई पुजारी (उ.व. 23) के पास से होंडा SPv25 बाइक (कीमत 80,000), मोबाइल फोन और गांजा (कीमत 21,330) समेत कुल 1,03-,330 का माल जब्त किया गया।

यह कार्रवाई पुलिस महानिरीक्षक प्रेम वीर सिंह और वलसाड एसपी डॉ. करणराज वाघेला के निर्देशन में PI ए.यू. रोज की टीम द्वारा उमरसाडी गांव के पास की गई।

आरोपी प्रितेश का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। NDPS एक्ट की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की गई है।

छरवाड़ा में नंदी महाराज खुले नाले में गिरे, रातभर चला रेस्क्यू ऑपरेशन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी/छरवाड़ा

सुबह छरवाड़ा के हिंमतसिंह पार्क इलाके से एक चिंताजनक घटना सामने आई, जहां नंदी महाराज खुले बड़े गटर नाले में गिर पड़े। प्राप्त जानकारी के अनुसार देर रात कुछ अज्ञात लोगों ने नंदी को पकड़ने की कोशिश की, जिससे डरकर नंदी भागते हुए खुले नाले में गिर गए।

सुबह होते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना वापी जीआईडीसी नोटिफाइड एरिया फायर विभाग को दी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की टीम, वापी एनिमल रेस्क्यू टीम और बजरंग दल के गौसेवक प्रमुख श्री मुकेश राजपुरोहित मौके पर पहुंचे।

नंदी महाराज नाले में घायल और गुस्से में थे, जिसके चलते रेस्क्यू ऑपरेशन काफी मुश्किल हो गया। खुले गटर में उतरकर उन्हें बांधना और बाहर निकालना संभव नहीं था, इसलिए JCB मशीन की मदद ली गई। लगातार प्रयासों के बाद टीम ने नंदी महाराज को सुरक्षित बाहर निकाल कर प्राथमिक उपचार देकर मुक्त किया।

घटना को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी गई और नगर पालिका द्वारा खुले नालों को ढंकने और सुरक्षा व्यवस्था करने की मांग उठने लगी है।

नगर निगम के सेंट्रल जोन में पिछले तीन दिनों से कचरा उठाने वाली गाड़ी नहीं आने की शिकायत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर निगम के सेंट्रल ज़ोन में पिछले तीन दिनों से कुछ इलाकों में कचरा उठाने वाली गाड़ी नहीं आने के कारण कई जगहों पर गंदगी के ढेर लग गए हैं। कचरा गाड़ी नहीं आने से लोग खुले में कचरा फेंकने लगे हैं, जिससे लोगों के स्वास्थ्य पर खतरा मंडरा रहा है।

विपक्ष का आरोप है कि ठेकेदारों द्वारा कर्मचारियों को वेतन नहीं दिए जाने के कारण कामकाज ठीक से नहीं हो रहा है। सूरत नगर निगम द्वारा शहर में स्वच्छता के लिए डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण का ठेका दिया गया है, लेकिन कुछ इलाकों में ठेकेदारों की अनियमितताओं की शिकायतें सामने आ रही हैं। फिलहाल सेंट्रल ज़ोन में डोर-टू-डोर कचरा उठाने वाले ठेकेदार के खिलाफ व्यापक शिकायतें मिल रही हैं। विपक्ष ने आरोप लगाया है कि सेंट्रल ज़ोन के कई इलाकों में ठेकेदार की गाड़ी नहीं आ रही है।

विपक्ष ने शिकायत करते हुए कहा है कि सेंट्रल ज़ोन के झांपा बाजार, टावर रोड सैफी स्ट्रीट, रामपुरा डच कब्रिस्तान के पास, शाहपुर सर जे.जे. स्कूल की गली, वकील स्ट्रीट, हरिपुरा कांसकीवाड़, लोखाट अस्पताल के पास का क्षेत्र, रुद्रपुरा, गोपीपुरा और नानपुरा मटन मार्केट के पास सहित कई जगहों पर पिछले तीन दिनों से ठेकेदार की कचरा गाड़ी नहीं आ रही है।

इस कारण सार्वजनिक सड़कों पर कचरा फैला हुआ है और दुर्गंध फैल रही है। ऐसी स्थिति में लोगों के स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा पैदा हो गया है। इसलिए इस शिकायत का तुरंत समाधान करने की मांग की गई है।

सूरत में राजनीतिक दबाव के बाद सील खोल दिए गए

लोगों के लिए परेशानी का कारण बने वराछा के पार्टी प्लॉट की सील खोलने पर विवाद

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत पालिका क्षेत्र में भाजपा कार्यकर्ताओं और नेताओं को खुश करने के लिए पालिका के प्लॉटों का मनमाने ढंग से आवंटन किए जाने के बाद लोगों में भारी आक्रोश फैल गया है। इस विरोध के बाद पालिका ने मोटा वराछा इलाके में 16 प्लॉटों को सील कर दिया था। लेकिन कुछ समय बाद पीछे के दरवाजे से यह कहकर कि च्पार्किंग की व्यवस्था की जाएगीज और अन्य बहानों के साथ इन प्लॉटों की सील खोल दी गई, जिससे लोगों का गुस्सा और भी बढ़ गया है।

लोगों का कहना है कि जब वे जानकारी के लिए अधिकारियों को कॉल करते हैं तो अधिकारी फोन नहीं उठाते, जिससे लोगों में आक्रोश सातवें आसमान पर पहुंच गया है।

पालिका के वराछा बी जोन और सरथाणा जोन में मनमाने तरीके से आवासीय सोसायटी के बगल में भाजपा कार्यकर्ताओं को बहुत ही कम किराए पर पालिका के प्लॉट आवंटित कर दिए गए थे। इसके बाद इन कार्यकर्ताओं ने इन प्लॉटों पर शेड बनाकर फूड जोन और अन्य व्यवसायिक गतिविधियों के लिए लोगों को किराए पर दे दिए हैं।

ज्यादातर फूड जोन आवासीय इलाकों में स्थित हैं और देर रात तक चलते हैं, जिससे स्थानीय लोगों के लिए यह प्लॉट परेशानी का कारण बन गए हैं। लोगों के विरोध और प्लॉट आवंटन को लेकर आयोग में शिकायत दर्ज होने के बाद पालिका ने मोटा वराछा क्षेत्र में 16 प्लॉट सील किए थे, जिनमें से कुछ प्लॉट मेयर की स्कूल से जुड़े होने की भी बात कही जा रही है।

हालांकि, जब ये 16 प्लॉट सील किए गए थे, उस वक्त वराछा ज़ोन के अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध रही। उन्होंने यह तक सार्वजनिक नहीं किया कि किन-किन प्लॉटों को सील किया गया है। अब भी यही विवादास्पद स्थिति बनी हुई है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि मेयर की स्कूल को जो प्लॉट आवंटित किया गया था, उसका सील खोल दिया गया है

सरकारी स्कूलों के आसपास अवैध अतिक्रमण हटाने, शिक्षा समिति ने नगर निगम को पत्र लिखा

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत नगर प्राथमिक शिक्षा समिति द्वारा संचालित सगरामपुरा कोपची वाड और सगरामपुरा हाफेसजी स्ट्रीट स्थित नगर निगम की स्कूलों के आसपास अवैध अतिक्रमण फैला हुआ है। इन अतिक्रमणों के कारण विद्यार्थियों, अभिभावकों और शिक्षकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

इस संबंध में शिक्षा समिति के अध्यक्ष राजेंद्र कापड़िया ने सेंट्रल जोन को एक पत्र लिखा है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि कोपची वाड क्षेत्र में स्थित स्कूल क्रमांक-25 के मुख्य द्वार के सामने और आसपास के निवासियों द्वारा भारी मात्रा में अतिक्रमण किया गया है। इसके कारण छात्रों को स्कूल आने-जाने में काफी कठिनाई होती है। जो छात्र साइकिल लेकर स्कूल आते हैं, उन्हें साइकिल पार्क करने की दिक्कत होती है, और स्कूल स्टाफ की गाड़ियां भी पार्क नहीं हो पाती हैं।

आसपास के निवासी अपनी गाड़ियां, लारियां आदि स्कूल गेट के सामने खड़ी कर देते हैं, जिससे वहां गंदगी भी फैलती है। रहवासियों को बार-बार कहने के बावजूद कोई समाधान नहीं निकल रहा है। इसलिए शिक्षा समिति ने इन अतिक्रमणों को स्थायी रूप से हटाने की मांग की है।

इसी तरह की स्थिति सगरामपुरा हाफेसजी स्ट्रीट की स्कूल में भी है, जहां कुछ स्थानीय निवासी स्कूल गेट से सटी जगह पर वाहन पार्क कर अतिक्रमण कर रहे हैं, जिससे छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

शिक्षा समिति ने मांग की है कि न केवल इन स्कूलों बल्कि अन्य जोनों में स्थित उन सभी स्कूलों के आसपास के अतिक्रमणों को भी स्थायी रूप से हटाया जाए जो ऐसी समस्याओं से ग्रस्त हैं।

नगर निगम द्वारा संचालित नगर प्राथमिक शिक्षा समिति की स्कूलों के आसपास ही अतिक्रमण की समस्या होना और उसे दूर करने के लिए पत्र लिखना पड़ना अपने आप में एक गंभीर विषय है। अब इस पत्र के बाद निगम कार्रवाई करता है या फिर दबाव बनाने वालों के आगे झुक जाता है, यह तो समय ही बताएगा।